संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

दैनिक घटती घटना

RNI Reg.No.-CHHHIN/2004/15050
Postal Reg.No.-13/Surguja DN/2023-2025

Www.ghatatighatana.com

Ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 19,अंक -194 बुधवार,17 मई 2023,पृष्ठ - 8+4 मूल्य 2 रूपये

कर्नाटक सीएम के लिए नाम की घोषणा आज

सिद्धारमैया और डीके शिवकुमार के बाद अब तीसरे दावेदार के तौर पर तुमाकुरु में जी परमेश्वर के नाम को लेकर प्रदर्शन और नारेबाजी

» **कर्नाटक में ढाई-ढाई साल के फॉर्मूले पर तैयार नहीं नेता,**

» **सिद्धारमैया के नाम पर मुहर लगने की खबर,**

» **रात तक होने वाला ऐलान टला अब आज बुधवार को करेंगे कर्नाटक सीएम के नाम की घोषणा**

नई दिल्ली,16 मई 2023(ए)। कर्नाटक के मुख्यमंत्री पद के लिए सिद्धारमैया का नाम लगभग तय हो गया है। आज रात तक नाम का ऐलान होना था लेकिन अब कल कर्नाटक के मुख्यमंत्री कौन होंगे यह घोषणा होगी। दिल्ली दरबार सूत्रों की मानें तो उपमुख्यमंत्री वाला गेम प्लान अब भी बचा हुआ है, लेकिन ढाई-ढाई साल वाला कॉन्सेप्ट तीनों सीएम इन वेटिंग ने सिरे से खारिज कर दिया है। ऐसे में तीनों दावेदारों की मनः स्थिति को देखते हुए फैसला आज देर रात लेना था अब इसे कल लिया जायेगा। पार्टी जानकारों की मानें तो डीके शिवकुमार और जी परमेश्वर से सिद्धारमैया का पलड़ा भारी रहा। आज रात तक नाम का एलान भी किया जाने वाला था पर सोनिया का समय नहीं मिला और अब यह कल बुधवार को एलान होगा।

कर्नाटक के मुख्यमंत्री पद के दोनों दावेदार डीके शिवकुमार और सिद्धारमैया दिल्ली में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के घर पहुंच चुके हैं। खड़गे से मिलने के लिए सिद्धारमैया भी पहुँच गए थे। इन दोनों बैठकों में पार्टी के केंद्रीय ऑब्जवर्स भी रहेंगे। खड़गे की दोनों नेताओं से मुलाकात के बारे में सोनिया गांधी को रिपोर्ट दी जाएगी। फिर राहुल-सोनिया दोनों नेताओं से बात करेंगे। सोनिया अभी दिल्ली में नहीं हैं। वे जल्द ही शिमला से दिल्ली पहुंचने वाली हैं। इसलिए कयास लगाया जा रहा है कि आज सब समय से हुआ हो गया पर सोनिया शिमला से लेट आई इसलिए नाम का फैसला हो गया बस कर्नाटका ष्टरू की कुर्सी किसे मिली उसके नाम एलान कल होगा।

ऐसे साधेंगे नाराज खरगे और राहुल

सिद्धारमैया का नाम लगभग तय मन जा रहा है। ऐसे में डीके शिवकुमार को पीसीसी चीफ के अलावा बड़ा पोर्टफोलियो दिया जायेगा। वैसे यह भी संभावना है की शिवकुमार को उपमुख्यमंत्री पद भी ऑफर किया जा सकता है। डीके चाहते हैं कि इसमें किसी तरह का विवाद नहीं होना चाहिए। इसलिए वो ढाई-ढाई साल के ष्टरू को नकार सकते हैं।

सिद्धारमैया इसलिए बनते हैं ख़ास

सिद्धारमैया के सीएम बनने की संभावना ज्यादा रही। कांग्रेस ने करप्शन को मुद्दा बनाया और डीके पर करप्शन के आरोप हैं। वो जेल में भी रहे। इसके अलावा सिद्धारमैया पहले ही इसे अपना आखिरी इलेक्शन बता चुके हैं। ऐसे में विधायकों का इमोशनल सपोर्ट भी उनके साथ है और उनकी पोलिटिकल इमेज भी तुलना में साफ़ है। बस उनके नेतृत्व में पूर्व में चुनाव हारकर पार्टी का रुतबा घटा था और उनकी उम्र 76 साल है जो रस्ते का बढ़ा बनेगी।

कर्नाटक सीएम की कुर्सी का तीसरा दावेदार जी परमेश्वर

कर्नाटक में कांग्रेस की जीत के बाद अब मुख्यमंत्री की कुर्सी को लेकर नेताओं में खींचतान तेज हो गई है। सिद्धारमैया और डीके शिवकुमार के बाद अब तीसरे दावेदार के तौर पर तुमाकुरु में जी परमेश्वर के नाम को लेकर प्रदर्शन और नारेबाजी शुरू हो गई है। तीसरे दावेदार के नाम सामने आने से भले ही त्रिकोणी मुकाबला है लेकिन अब भी मज़बूत दावेदार के तौर पर सिद्धारमैया ही अव्वल बने हुए हैं।

हालांकि डीके शिवकुमार की लोकप्रियता भी बढ़ी है पर एमएलए का समर्थन प्रमुख रूप से सिद्धारमैया के पास ही है। ऐसे में तीसरे ष्टरू इन वेटिंग के तौर पर परमेश्वर का नाम आने से कांग्रेस के लिएसीएम चुनना तो आसान कार्य है पर पार्टी में नाराजगी शांत करना उतना सरल नहीं होगा।

वैसे भी कर्नाटका में अपनी शिकस्त के बाद से ही कांग्रेस की हर गतिविधि पर नज़र रख रही बीजेपी नाराज़ गुट का लाभ उठा सकती है। इसलिए कांग्रेस के आला औहदेदारों की पेशानी में थोड़ा बल पड़ना लाज़मी है। दिल्ली स्तर के नेताओं ने कांग्रेस अध्यक्ष मलिकार्जुन खरगे और अन्य वरिष्ठों को मुख्यमंत्री के बाद उपमुख्यमंत्री की संभावनाओं पर भी गेम प्लान बनाये रखने की नसीहत दी है।

सीएम पद को लेकर जी परमेश्वर के समर्थकों की यह मांग कांग्रेस नेतृत्व के लिए और परेशानी है। जी परमेश्वर ने कोराटागेरे विधानसभा सीट जीत हासिल की है। परमेश्वर ने साल 2008 में पहली बार इस सीट से चुनाव लड़ा था और साल 2018 में भी वह कांग्रेस-जेडीएस सरकार में उपमुख्यमंत्री बने थे। इसके साथ ही परमेश्वर के नाम राज्य का सबसे लंबे समय तक अध्यक्ष रहने का भी रिकॉर्ड है। बता दें कि जी परमेश्वर ने कृषि में बीएससी और एमएससी की है। इसके साथ उन्होंने कृषि में प्लांट फिजियोलॉजी में पीएचडी उपाधि एडिलेड यूनिवर्सिटी से हासिल की है। साल 1999 में वह पहली बार एसएम कृष्णा कैबिनेट में राज्यमंत्री भी बने थे।

फिर बढ़ी राजद के सुप्रीमो की मुश्किलें!

» **बस से छापेमारी के लिए पहुंचे हैं केन्द्रीय बल के जवान**

» **नाबालिग से दुष्कर्म मामले में जेल गए विधायक के पति**

आरा ,16 मई 2023(ए)। नौकरी के बदले जमीन मामले में राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद की मुश्किलें एक बार फिर बढ़ गई है। मंगलवार की सुबह केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो ने दिल्ली, नोएडा, गुरुग्राम, पटना सहित देशभर के कई ठिकानों पर एकसाथ छापामारी की है। राजद विधायक किरण देवी और राज्यसभा सांसद प्रेम चंद गुप्ता के आवास पर भी पिछले छह घंटे से अधिक समय से तलाशी जारी है।

चर्चा है कि भोजपुर के संदेश से राजद विधायक किरण देवी के पति और पूर्व विधायक अरूण यादव ने पटना स्थित सगुना मोड़ के पास एक अपार्टमेंट में आधा दर्जन फ्लैट खरीदा था। खरीदे गए फ्लैट को लालू परिवार के नाम गिफ्ट कर दिया था। अरुण यादव लालू प्रसाद के करीबी माने जाते हैं। अरुण यादव भोजपुर के बड़े बालू कारोबारी भी हैं। आरा से लेकर पटना तक उनका कारोबार फैला है। सूत्रों की मानें को फ्लैट के लेन-देन में पैसों का ट्रांजेक्शन बालू कंपनी के चेक से हुआ था। चर्चा है कि लंबे समय से लालू परिवार और उनके करीबियों के खिलाफ छापेमारी कर रही सीबीआई को इस मामले में ठोस जानकारी मिली थी, जिसके बाद भोजपुर के अगिआंव और पटना हार्डिंग रोड स्थित विधायक किरण देवी के दोनों आवास पर एक साथ छापेमारी हो रही है। सीबीआई के

अफसर अलग-अलग गाड़ियों से पहुंचे हैं। बस से जवान आए हुए हैं।

परिवार के सदस्य भी आवास पर मौजूद

करीबी सूत्रों ने बताया कि सुबह छह बजे से किरण देवी के आवास पर छापामारी जारी है। छापामारी के दौरान विधि व्यवस्था की समस्या नहीं हो, इसके लिए केन्द्रीय सुरक्षा बल के जवानों को छापामारी के दौरान तैनात किया गया है। पटना आवास पर नौकर समेत अन्य स्टाफ भी आवास पर मौजूद हैं। वहीं, अगिआंव आवास पर विधायक और पूर्व विधायक समेत परिवार के अन्य सदस्य मौजूद हैं।

नाबालिग से दुष्कर्म मामले में जेल गए विधायक के पति

बता दें कि किरण देवी के पति अरुण यादव भी राजद के विधायक रह चुके हैं। अरूण यादव पर साल 2019 में एक नाबालिग लड़की के साथ दुष्कर्म का आरोप लगा था। पोक्सो के विशेष लोक अभियोजक ने बताया कि 19 जुलाई 2019 को नगर थाना अंतर्गत कबीरगंज निवासी युवक के बयान पर अरुण यादव समेत दो लोगों के खिलाफ नामजद प्राथमिकी कराई गई थी।

इसके तीन साल बाद 16 जुलाई 2022 को पूर्व विधायक अरुण यादव ने पोक्सो के विशेष न्यायाधीश अरविंद कुमार सिंह के कोर्ट में समर्पण किया था। उस समय कोर्ट के आदेश पर पूर्व विधायक को 14 दिनों की न्यायिक हिरासत में भेजा गया था। अरुण यादव के जेल में रहने के कारण पिछले चुनाव में उनकी पत्नी किरण देवी को राजद ने टिकट दिया था।

साक्ष्य के अभाव में किया गया बरी

पिछले साल 12 दिसंबर 2022 को कोर्ट से उन्हें राहत मिली थी। प्रथम अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश अजय शर्मा ने साक्ष्य के अभाव में पूर्व राजद विधायक यादव को बरी कर दिया था। दुष्कर्म के मामले में नाम आने के बाद अरुण यादव ने अपनी पत्नी किरण देवी को इस सीट से राजद का टिकट दिलाया था।

आय से अधिक संपत्ति मामले में कांग्रेस के पूर्व विधायक किकी ढिल्लों गिरफ्तार

फरीदकोट,16 मई 2023 (ए)। पंजाब के फरीदकोट में आय से अधिक संपत्ति मामले में पंजाब विजिलेंस ने कांग्रेस के पूर्व विधायक कुशलदीप सिंह उर्फ किकी ढिल्लों को गिरफ्तार कर लिया है।

सूत्रों के अनुसार ढिल्लों को बठिंडा रेंज विजिलेंस की तरफ से गिरफ्तार किया गया है। बता दें कि ढिल्लों पर आय से अधिक संपत्ति बनाने का आरोप है। पहली बार विजिलेंस ब्यूरो ने 31 जनवरी 2023 को किकी ढिल्लो को अपने फरीदकोट दफ्तर तलब किया था, जहां ढिल्लो अपने वकील के साथ पहुंचे थे।

जनवरी में विजिलेंस ने फरीदकोट कार्यालय में बुलाकर पूछताछ की और उसके बाद उसके चंडीगढ़ स्थित आवास व अन्य संपत्तियों का जायजा लिया था।

दिल्ली के अमृता स्कूल को ईमेल के जरिए बम से उड़ाने की मिली धमकी

नई दिल्ली ,16 मई 2023(ए)। दक्षिण दिल्ली के पुष्प विहार स्थित एक स्कूल को आज ईमेल के जरिए बम से उड़ाने की धमकी मिली। जानकारी के मुताबिक, इलाके के अमृता स्कूल में आज तड़के बम की सूचना मिली थी। बम की धमकी की सूचना मिलते ही दिल्ली पुलिस और अन्य अधिकारियों की एक टीम स्कूल परिसर में पहुंच गई। दक्षिण दिल्ली के पुष्प विहार स्थित एक स्कूल को आज ईमेल के जरिए बम से उड़ाने की धमकी मिली। जानकारी के मुताबिक, इलाके के अमृता स्कूल में आज तड़के बम की सूचना मिली थी।

बम की धमकी की सूचना मिलते ही दिल्ली पुलिस और अन्य अधिकारियों की एक टीम स्कूल परिसर में पहुंच गई। आज के बम के खतरे पर टिप्पणी करते हुए, डीसीपी, दक्षिणी दिल्ली ने कहा कि अमृता स्कूल में आज सुबह 6:33 बजे ईमेल प्राप्त हुआ। डीसीपी ने पुष्टि की कि बम डिस्पोजल टीम (बीडीटी) द्वारा स्कूल की गहन जांच की गई, हालांकि, कुछ भी नहीं मिला। गुरुवार को, मथुरा रोड स्थित दिल्ली पब्लिक स्कूल को परिसर में बम रखे जाने के बारे में एक ईमेल प्राप्त हुआ जो बाद में एक अफवाह निकला।

पुलिस को स्कूल को भेजे गए ईमेल के बारे में जानकारी मिली, जिसमें भेजने वाले ने कहा, 'मैं 12 मई को सुबह 11 बजे स्कूल में विस्फोट करने जा रहा हूं। तकनीकी जांच से पता चला कि जिस ईमेल पते से मेल भेजा गया था वह एक छात्र का था, जिसने किसी भी संलिप्तता से इनकार किया। पुलिस उपायुक्त (दक्षिण पूर्व) राजेश देव के अनुसार कल डीपीएस मथुरा रोड को बम की धमकी का ईमेल मिलने की सूचना मिली थी। ÷पुलिस और बम डिस्पोजल स्क्वॉड स्कूल पहुंचे। बाद में पता चला कि ई-मेल एक छात्र द्वारा भेजा गया था। 2 बम डिस्पोजल टीमों ने कुत्तों और स्थानीय कर्मचारियों के साथ स्कूल की तलाशी ली लेकिन कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला, यह एक फर्जी कॉल थी। अधिकारी के अनुसार, स्कूल पहुंचने के बाद, पुलिस ने स्कूल के कंप्यूटर सिस्टम/मेल की जांच की, जिसमें पाया गया कि उक्त मेल गुरुवार को लगभग 6=17 बजे प्राप्त हुआ था। तकनीकी जांच से हमें पता चला कि उक्त मेल गुरुवार को प्राप्त हुआ था। ईमेल पता एक छात्र का है, जिसने मेल भेजने से इनकार कर दिया।

दिल्ली आबकारी घोटाला मामले में सीबीआई का जीओएम बैठकों में अनियमितता का आरोप

नई दिल्ली ,16 मई 2023(ए)। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने दिल्ली आबकारी नीति घोटाले के संबंध में दायर अपने दूसरे पूरक आरोप पत्र में मंत्रियों के समूह (जीओएम) की बैठकों में कथित अनियमितताओं का आरोप लगाते हुए कहा है कि कोई रिकॉर्ड नहीं रखा गया और आबकारी आयुक्त को कभी आमंत्रित नहीं किया गया। सीबीआई के एक सूत्र के अनुसार, मार्च 2021 में अरवा गोपी कृष्ण के आबकारी आयुक्त के रूप में कार्यभार संभालने से पहले, पिछले महीने आठ से 10 जीओएम बैठकें हुई थीं। लेकिन सीबीआई ने आरोप लगाया है कि उन मुलाकातों का कोई रिकॉर्ड या मिनट्स नहीं है।

सूत्रों ने बताया, फरवरी में, उन्होंने बैठकें कीं, लेकिन कोई रिकॉर्ड या मिनट तैयार नहीं किया, इससे पता चलता है कि कुछ गलत था। बाद में जब अरावा गोपी कृष्ण 5 मार्च, 2021 को आबकारी आयुक्त बने, तो उन्हें कभी भी जीओएम की बैठक में आमंत्रित नहीं किया गया। इन दोनों तथ्यों से संकेत मिलता है कि कुछ गलत था। सूत्र ने कहा कि सीबीआई ने आबकारी विभाग से यह जानकारी मांगी थी, लेकिन उन्हें नहीं दी गई और बाद में केंद्रीय जांच एजेंसी को इस तथ्य के बारे में पता चला कि उन्होंने कोई रिकॉर्ड तैयार नहीं किया। सीबीआई जांच ने स्थापित किया कि उन बैठकों में जीओएम रिपोर्ट में किसी भी प्रावधान को शामिल करने का कोई निर्णय नहीं लिया गया था।

इसके अलावा, उल्लिखित बैठकों में थोक मॉडल के संबंध में कोई चर्चा शामिल नहीं थी। इसके अतिरिक्त, थोक विक्रेताओं (एल-1 लाइसेंसधारियों) के लिए 12 प्रतिशत लाभ मार्जिन या संबंधित संस्थाओं की परिभाषा के संबंध में कोई परीक्षा या विश्लेषण नहीं किया गया था। सीबीआई के एक सूत्र ने चार्जशीट का हवाला देते हुए कहा कि आबकारी विभाग से न तो सलाह ली गई और न ही जीओएम रिपोर्ट का मसौदा उपलब्ध कराया गया। सीबीआई इस मामले में अब तक दो चार्जशीट दाखिल कर चुकी है। फिलहाल जांच जारी है।

तमिलनाडु में जहरीली शराब कांड में मरने वालों की संख्या बढ़कर 18 हुई

चेन्नई ,16 मई 2023(ए)। तमिलनाडु में जहरीली शराब कांड में मरने वालों की संख्या बढ़कर 18 हो गई है। विल्लुपुरम जिले के मरक्कनम में 12 लोगों की मौत हुई, जबकि चेंगलपट्टू जिले में 6 लोगों ने दम तोड़ा। मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने घटनास्थल का दौरा किया और मामले की सीबी-सीआईडी जांच कराने की घोषणा की। विल्लुपुरम और चेंगलपट्टू जिलों में स्थानीय पुलिस के कई अधिकारियों को निलंबित कर दिया गया है।

मुख्यमंत्री ने प्रत्येक मृतक के परिवार को 10 लाख रुपये की अनुग्रह राशि देने की भी घोषणा की, जबकि नकली शराब पीने के बाद अस्पताल में भर्ती कराए गए लोगों के लिए 50,000 रुपये की राशि स्वीकृत की गई है। शुरूआती जांच के अनुसार, यह पाया गया कि विल्लुपुरम जिले के मरक्कनम में घटना तब हुई जब कुछ लोगों ने स्थानीय शराब का सेवन किया। हालांकि, चेंगलपट्टू जिले में मौत का कारण बनने वाली शराब में मेथनॉल मिला कर इसे पतला किया गया था। अन्नाद्रमुक महासचिव और तमिलनाडु के पूर्व मुख्यमंत्री एडप्पादी के. पलानीस्वामी (ईपीएस) मंगलवार को क्षेत्र का दौरा करेंगे। ईपीएस ने मीडियाकर्मियों से बातचीत करते हुए कहा कि शराब कांड राज्य में कानून व्यवस्था की विफलता का स्पष्ट संकेत है। उन्होंने कहा कि पूर्ववर्ती अन्नाद्रमुक सरकार के 10 साल के कार्यकाल में जहरीली शराब के सेवन से किसी की मौत नहीं हुई।

ममता बनर्जी के प्रस्ताव को राज्य कांग्रेस ने ठुकराया

कोलकाता ,16 मई 2023(ए)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने उन राज्यों में कांग्रेस को समर्थन देने की पेशकश की, जहां कांग्रेस मजबूत है, बशर्ते राज्य में कांग्रेस की तरह उनकी तृणमूल कांग्रेस को भी समर्थन मिले। हालांकि, राज्य कांग्रेस नेतृत्व ने अपने अंत से प्रस्ताव को अस्वीकार कर दिया है और कहा है कि राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा के प्रभाव को राष्ट्रीय स्तर पर स्वीकार करने में मुख्यमंत्री की अनिच्छा वास्तव में कांग्रेस के बारे में उनकी वास्तविक धारणा को मान्य करती है। ममता ने कहा, शुरुआत से मैं कह रही थी कि संबंधित क्षेत्रों में ताकत रखने वाले दलों को वहां सीधे भाजपा का मुकाबला करना चाहिए .. जैसे दिल्ली में आप, बिहार में राजद-जद-यू, उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी और तमिलनाडु में द्रमुक-कांग्रेस और पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस। हमने कर्नाटक में कांग्रेस का समर्थन किया था, अब उन्हें पश्चिम बंगाल में भी हमारे साथ वैसा ही करना चाहिए। यह सही नहीं है कि कर्नाटक में वे हमारे समर्थन का आनंद लेंगे और पश्चिम बंगाल में हमारा विरोध करेंगे।

हालांकि, राज्य कांग्रेस अध्यक्ष अधीर रंजन चौधरी ने कर्नाटक में कांग्रेस को समर्थन देने के उनके दावों को पूरी तरह से खारिज कर दिया।

चौधरी ने कहा, वह कर्नाटक में भाजपा को वोट नहीं देने का नारा बुलंद करने का दावा कर रही हैं। लेकिन उन्होंने एक बार भी कर्नाटक के लोगों से कांग्रेस को वोट देने की अपील की? पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस के खिलाफ हमारी लड़ाई जारी रहेगी।

जेनेरिक की जगह ब्रांडेड दवाइयों की पर्ची लिखने वाले डाक्टरों पर होगी कड़ी कार्रवाई

नई दिल्ली ,16 मई 2023(ए)। जेनेरिक दवाएं लिखने के नियमों का पालन नहीं करने पर अब डॉक्टरों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। केंद्र सरकार के अस्पतालों और सीजीएचएस वेलनेस सेंटरों के लिए जारी चेतावनी में कहा गया है कि अब अस्पताल परिसरों में चिकित्सा प्रतिनिधियों के प्रवेश पर भी पूरी तरह पाबंदी होगी।

केंद्र ने अपने सरकारी अस्पतालों एवं केंद्र सरकार स्वास्थ्य योजना के तहत आने वाले आरोग्य केंद्रों के चिकित्सकों को चेतावनी दी है कि वे मरीजों के लिए जेनेरिक दवाइयां लिखने के नियम का पालन करें, अन्यथा उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। केंद्र सरकार ने चिकित्सकों को यह भी सुनिश्चित करने को कहा कि अस्पतालों में मेडिकल रीप्रजेंटेटिव (दवा कंपनियों के प्रतिनिधियों) के आने पर रोक लगाई जाए। सरकार के आदेश के अनुसार, केंद्र सरकार के अस्पतालों, सीजीएचएस आरोग्य केंद्रों और पॉलीक्लिनिक के चिकित्सकों को समय-समय पर निर्देश दिया गया है कि वे केवल जेनेरिक दवाएं ही लिखें। स्वास्थ्य सेवाओं के महानिदेशक डॉ. अतुल गोयल ने 12 मई को जारी एक आदेश में कहा कि इसके बावजूद, यह देखा गया है कि कुछ मामलों में चिकित्सक अब भी ब्रांडेड दवाएं लिख रहे हैं। आदेश के अनुसार, सभी संस्थानों के प्रमुखों से कहा गया है कि वे अपने अधीन काम करने वाले चिकित्सकों द्वारा इसका सख्ती से पालन सुनिश्चित करें। इसमें कहा गया है कि आदेश का पालन नहीं करने पर कार्रवाई की जाएगी।

संपादकीय

ये नतीजे जो बताते हैं

अगर एक दूसरे प्रस्थान बिंदु से देखें, तो कहा जा सकता है कि महंगाई और अन्य आर्थिक समस्याओं, कुशासन और भ्रष्टाचार जैसे ठोस मुद्दों के बावजूद भाजपा अपने वोट आधार को बचाए रखने में लगभग सफल रही है।

कर्नाटक विधानसभा के चुनाव परिणाम से ना सिर्फ कांग्रेस, बल्कि पूरे भाजपा विरोधी खेमे का उत्साहित होना लाजिमी है। आखिर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और पार्टी के अन्य नेताओं की हिंदुत्व को और उग्र रूप देने की कोशिश वहां कामयाब नहीं हो सकी। साथ ही पिछले तीन साल में वहां भाजपा सरकार ने जिस तरह से सांप्रदायिक उबाल को बनाए रखा, वह भी काम नहीं आया। इतना सब कुछ होने के बावजूद भाजपा के वोट प्रतिशत में मामूली-सी सेंध लग गई। लेकिन यहां इस हकीकत के प्रति भी विपक्ष को अवश्य आगाह रहना चाहिए कि यह सेंध मामूली ही है। अगर दूसरे प्रस्थान बिंदु से देखें, तो कहा जा सकता है कि महंगाई और अन्य आर्थिक समस्याओं, कुशासन और भ्रष्टाचार जैसे ठोस मुद्दों के बावजूद भाजपा अपना वोट आधार बचाए रखने में लगभग सफल रही है। इसका अर्थ यह है कि भाजपा ने अपने मुद्दों पर मतदाताओं के जिन हिस्सों को गोलबंद किया है, वह बाकी तमाम मसलों को दरकिनार कर पार्टी के साथ बने हुए हैं। ऐसा ही संकेत हाल में देश के अन्य हिस्सों में हुए तमाम चुनावों में भी मिला है। इसलिए कर्नाटक में जीत के उत्साह में यह सोच लेना अब देश में नैरेटिव बदल गया है और 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा के सामने प्रतिकूल स्थितियां होंगी, गलत आकलन होगा। कम से कम यह तो जरूर कहा जा सकता है कि ऐसे आकलन को अभी सिर्फ जल्दबाजी या अति-उत्साह कहा जा सकता है। इसे नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए कि शनिवार को ही उत्तर प्रदेश के दो विधानसभा उपचुनावों के साथ-सथ स्थानीय निकाय चुनावों के भी परिणाम भी आए। इनमें भाजपा गठबंधन को भारी जीत मिली। इसलिए सारे देश में सियासी माहौल बदल जाने की बात निराधार है। वैसे भी कर्नाटक में कांग्रेस एक मजबूत समर्थन आधार के साथ मैदान में उतरी थी।

सेवा और कल्याण की राजनीति से मिलता है वोट पर्सेंट, पोस्टर बैनर लगाने से नहीं?

» **हाईकमान को अब नेताओं की पोस्टर बाजी, नोट बटाई, पर्सेंट नीति, छिपी कमाई से क्रांतिकारी परिवर्तन लाकर सेवा कल्याण की राजनीति पर लाना ज़रूरी**

भारत में 13 मई 2023 का वह दिन भारतीय इतिहास में यादगार बनकर रहेगा जब एक राज्य केजनादेश के परिणाम सुनाएं दिखाए जा रहे थे और एक पार्टी के पक्ष में यह तेजी के साथ परिणाम टर्न होते जा रहे थे और जब 224 में से 136 सीटें लेकर पार्टी जीती तो सारे देश का चौंकना स्वाभाविक ही था। मैं इस राज्य के चुनावी तारीख की घोषणा के पहले से ही नजर लगाए हुए था, जिस तरह वहां माहौल, अन्य सभी पार्टियों सहित खासकर सत्ताधारी पार्टी क्रिएट कर रही थी, परिणाम उसका ठीक उलट ही आए। चुनाव जीती पार्टी ने जिस तरह सरकार की तथाकथित दुखती रग 40 परसेंट कमीशन और पेसीएम का मुद्दा जोर-शोर से उठाया, सीएम के फोटो के साथ पेसीएम का प्रचार किया, तो जनता जनार्दन का ध्यान बराबर उस पॉइंट पर गया और जनता जनार्दन के मैंने कई ग्राउंड रिपोर्टिंग टीवी चैनलों पर देखी जिसमें इस तथाकथित परसेंट नीति के बारे में दुखड़ा रो रहे थे, तो कई शासकीय दफ्तरों में चक्करों का दुख जता रहे थे।वैसे मैंअपने राज्य के बारे में बताऊं तो इन बातों को यहां भी महसूस किया हूं जिसकी चर्चा आगे अपने एक पैराग्राफ में नीचे लास्ट में करूंगा। सबसे बड़ी बात आज दिनांक 15 मई 2023 को केंद्रीय परिवहन मंत्री ने राजस्थान में एक कार्यक्रम में संबोधन कर सेवा और कल्याण की राजनीति पर बल दिया और घोषणा की कि वे अबकी बार 2024 के लोकसभा चुनाव में अपने लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र में बिना पोस्टर बैनर लगाए और बिना किसी को चाय पानी पिलाए चुनाव लड़ेंगे और पिछली 2019 के लोकसभा से 3.5 लाख़ वोट के अंतर से अधिक अंतर से जीत दर्ज करेंगे। यह बताना ज़रूर है कि यह माननीय नेता नागपुर से चुनाव लड़ते हैं औरबहुत ईमानदार नेता छवि के नेता है इनकी इस छवि को मैंने प्रिंट मीडिया के हस्ते पिछले 25 से अधिक वर्षों से जानता हूं कि यह व्यक्तित्व क्लियर कट और साफ-सुथरे व्यक्तित्व हैं हालांकि मैं कभी उनके सामने भी नहीं गया हूं परंतु इनके कामकाज व बयानों, वक्तव्य को पिछले 25 वर्षों से सुन रहा हूं इसलिए अब समय आ गया है कि हम परसेंट छवि पोस्टर बैनर, नोट बटाई, परसेंट नीति छिपी कमाई से उभरें जिसका सबसे अधिक ध्यान अब सत्ताधारी पार्टी के शीर्ष नेतृत्व जोड़ी को देना होगा, अब उनकी अपनी ही पार्टी में कुछ नेताओं की राजनीति को टर्निंग प्वाइंट में लाकर क्रांतिकारी परिवर्तन कर सेवा कल्याण की राजनीति को टर्निंग पॉइंट में लॉकर क्रांतिकारी परिवर्तन कर सेवा कल्याण की राजनीति करने वालों को आगे लाना होगा उन्हें उच्च पदों पर बैठाना होगा ताकि इस थीम को

पीढ़ियों तक आगे ले जाया जा सके। इसलिए आज हम इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, राजनीति का टर्निंग प्वाइंट लाने की ज़रूरत है।

साथियों बात अगर हम माननीय केंद्रीय मंत्री के 15 मई 2023 को एक कार्यक्रम में संबोधन की करें तो उन्होंने सेवा कल्याण की राजनीति पर प्रकाश डालते हुए कहा कि वह अगले चुनाव में अपने निर्वाचन क्षेत्र में कोई पोस्टर नहीं लगाएंगे या लोगों को चाय की पेशकश नहीं करेंगे। उन्होंने जोर देकर कहा कि वोट पोस्टर और बैनर के बजाय सेवा की राजनीति के आधार पर जीते जाते हैं। वे राजस्थान के एक गांव में पूर्व उपराष्ट्रपति की पुण्यतिथि पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि उन्होंने पिछला चुनाव बहुत कठिन निर्वाचन क्षेत्र (नागपुर) से लड़ा था और लोगों ने उन्हें वहां से चुनाव नहीं लड़ने के लिए कहा था, लेकिन वह दृढ़ संकल्प के साथ आगे बढ़े। उन्होंने कहा कि अब मैंने तय किया है कि अगले चुनाव में मैं कोई पोस्टर या बैनर नहीं लगाऊंगा, मैं किसी को चाय नहीं दूंगा और न ही कुछ करूंगा। जो लोग मुझे वोट देना चाहते हैं वे ऐसा करेंगे और जो नहीं करना चाहते हैं, वे नहीं करेंगे। उन्होंने विश्वास जताया कि वह पिछली बार की तुलना में बड़े अंतर से चुनाव जीतेंगे। केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री ने कहा कि सेवा की राजनीति की अवधारणा आरएसएस के विचारक द्वारा लाई गई थी, और उन्होंने इस अवधारणा पर अपनी राजनीति को परिभाषित किया। उन्होंने कहा कि राजनीति की सबसे बड़ी समस्या विचारों का खालीपन है। पूर्व उपराष्ट्रपति सिद्धांतों पर कायम रहे और उन्होंने अपनी विचारधारा से कभी समझौता नहीं किया। मेरा विश्वास है कि पहले साढ़े तीन लाख मतों का अंतर था और अब इसमें एक डेढ लाख का इजाफा होगाउन्होंने कहा कोई पोस्टर से चुनाव नहीं जीतता है, वोट नहीं पाता है। गांवों में गरीबी का कल्याण करने से वोट मिलता है स्वास्थ्य शिक्षा की सुविधाएं देकर लोगों की सेवा करने से और युवाओं को रोजगार देने से, बच्चों को अच्छे स्कूल देने से और गरीबों को अच्छेअस्पताल देने से वोट मिलता है, उन्होंने कहा कि आज पीएम के नेतृत्व में समय के साथ परिस्थितियां बदली है, किसान अन्नदाता बने हैं बाद में किसान उजरादाता बने हैं और बायोमास से कोलतार बनाया जा रहा है।उन्होंने कहा कि मैं दिल्ली से जयपुर इलेक्ट्रिक राजमार्ग बना रहा हूं और जब इलेक्ट्रिक बस चलेगी तो टिकट किराया वर्तमान से तीस प्रतिशत कम होगा।

साथियों बात अगर मैं 25 वर्ष पहले के अपने ख़ुद के साथ बीते हुए अनुभव को बताऊं तो मैं छोटा था पिताजी के साथ दुकान पर बैठता था। हमारी दुकानों की लाइन में दो-तीन दुकानें जल गई थी तो हम सभी दुकानदार नई दुकान बनाने की परमिशन के लिए नगर परिषद सीओ के ऑफिस गए। बता दें दुकाने नगर परिषद के किराए की थी, उन्होंने आश्वासन दिया, आपका काम किया जाएगा, लेकिन फिर खेल चालू हुआ, वहां का प्रशासनिक अधिकारी और एक छुटभैया नेता ने मिलकर हमारे दुकानदारों के अध्यक्ष और कुछ लोगों को नेता के घर बुलाकर हर दुकानदार को ढाई हजार का शेयर देकर 25 हज़ार की मांग की हमने मीटिंग की जिसे हमने दे दिया। जब फाइल नगर परिषद अध्यक्ष के समक्ष गई तो उन्होंने लटका दी और फिर हरे गुलाबी की मांग की गई जहां हर एक दुकानदार को उस समय 20 से 25 हज़ार दिए। हम गरीब थे मेरे पिताजी ने नहीं दिए और नगर परिषद के चक्रे काटना शुरू किया पर काम नहीं हुआ। फिर एक उद्योगपति के थ्रू अध्यक्ष महोदय के घर पर मिले और उन्हें 5 हज़ार दिए। पुरानी दुकान तोड़कर नई बनाई इस तरह मेरा मानना है कि यह सिस्टम करीब-करीब हर क्षेत्र में छिपा हुआ चालू होगा ऐसा मेरा मानना है। इसी तरह ही अनेक कामों में 40 परसेंट मुद्दा भी उस राज्य में जनता के हृदय में समाया होगा। इसलिए अब मेरी हर पार्टी के हाईकमान से निवेदन है कि अपने पार्टी के हर नेताओं कार्यकर्ताओं पदासीन मंत्रियों से लेकर पंचायत समिति तक पद धारकों को पर्सेंट नीति, छिपी कमाई, पोस्टर बाजी, नोट बटाई से क्रांतिकारी परिवर्तन कर अब सेवा कल्याण की राजनीति पर लाना होगा और हमारे केंद्रीय परिवहन मंत्री नागपुर के सांसद जैसी घोषणा उपयुक्त मंचों से 2024 के चुनाव के लिए करने पर जोर देने की सलाह हर पार्टी के हाईकमान द्वारा ज़ारी करना समय की मांग है।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर उसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि राजनीति का टर्निंग प्वाइंट।सेवा और कल्याण की राजनीति से मिलता है वोट , पर्सेंट पोस्टर बैनर लगाने से नहीं? हाईकमान को अब नेताओं की पोस्टर बाजी, नोट बटाई, पर्सेंट नीति, छिपी कमाई से क्रांतिकारी परिवर्तन लाकर सेवा कल्याण की राजनीति पर लाना ज़रूरी है।

एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी
गोंदिया महाराष्ट्र

अधिकारों की चाहत नहीं, उत्तरदायित्व फिक्र होनी चाहिए

वर्तमान के इस दौर में जब देश में लोकतंत्र अपनी अस्मिता बचाने की जद्दोजहद में है वहां समाज का हर नागरिक अपने लिए अधिक से अधिक अधिकारों की इच्छा रखता है ताकि पूरी स्वतंत्रता का उपभोग कर सके। इसी के फलस्वरूप हर रोज अधिकारों की बढ़ती मांग और कर्तव्य की अवहेलना से समाज वातावरण में असंतुलन बढ़ता जा रहा है। वॉलटेयर जी ने इस संदर्भ में ठीक ही कहा है कि अधिकार बढ़ने के साथ-साथ समानुपातिक रूप से उत्तरदायित्व भी धीरे-धीरे बढ़ जाता है हमें अपने अधिकारों के साथ अपनी जिम्मेदारियों का भी ज्ञान बोध होना जरूरी है। आपको ऐसा नहीं लगता है कि अधिकार तथा उत्तरदायित्व समानुपातिक है और समाज में हर व्यक्ति समुदाय के साथ संग संग चलते हैं। ऐसा कुछ है कि स्वतंत्रता और खुलेपन के संग उत्तरदायित्व जी जीवन की यात्रा में सहयात्री है। स्वतंत्रता या खुलेपन का अतिक्रमण किसी व्यक्ति के दायित्वों का हनन है हम जहां जिस ग्राम नगर अथवा देश में रहते हैं वहां पर यह सुनिश्चित है कि अधिकार एवं जिम्मेदारी हमारे साथ साथ विचरण करते दिखाई देते हैं। भारतीय संविधान में अधिकारों की मीमांसा करते हुए यह मूल रूप से माना गया है कि यहां देश में मूल अधिकारों को महत्व इसीलिए दिया जाता है की भारतीय जनमानस का बड़ा प्रतिशत अशिक्षित है अतः संविधान अशिक्षित व्यक्तियों के लिए ज्यादा से ज्यादा स्वतंत्रता और समानता प्रदाय कर सके ताकि फिर कोई समाज या राज्य उसका हनन न कर सके, दूसरी तरफ यदि कर्तव्य की बात करें तो सदैव यह हिदायत दी जाती रही है कि भारत की जनता अधिक मात्रा में अशिक्षित हैं अतः उन्हें अपने दायित्वों का ज्ञान तथा अनुभूति नहीं होगी और दायित्व और कर्तव्यों के बीच बड़ी लक्ष्मण रेखा खिच गई है।

व्यक्ति और समाज जैसे जैसे विकसित होता गया है और आधुनिकता के इस दौर में नागरिकों की अधिकारों की मांग बढ़ती जा रही है। हमें अधिकार धीरे-धीरे मिल भी रहे जिस तरह माननीय सर्वोच्च न्यायालय ने निजता के अधिकार को मूल अधिकार की श्रृंखला में रखकर नागरिकों की स्वतंत्रता को सुरक्षित बनाने का प्रयास किया है। अब ऐसे में हमारा दायित्व बनता है कि हम अपनी निजता के अधिकार को अपने पास रखते हुए दूसरे की व्यक्तिगत स्वतंत्रता को नुकसान ना पहुंचाएं या उसकी स्वतंत्रता पर अतिक्रमण न करें, जिससे जिम्मेदारी और कर्तव्य बोध संग संग चलते रहे और सामाजिक परिवेश का कर्तव्य तथा अधिकार के बोध में सामंजस्य बना रहे। हम अपने व्यक्तिगत हित के कारण यह तथ्य विस्मित कर देते हैं कि हम एक लोकतांत्रिक राज्य के नागरिक हैं और हमें लोक कल्याण की अवधारणा को मूर्त रूप देना है जिससे कि राष्ट का विकास संभावित है। हम अपने आधुनिकता के चलते अपने दायित्व और मूल्यों के प्रति असावधान होते जा रहे हैं भारतीय समाज में बदलते समय के साथ नागरिक नैतिक मूल्यों की परवाह किए बगैर अपनी स्वच्छंदता एवं शक्ति के बल पर मनमानी तथा भ्रष्टाचार निरंकुशता को सर्वोपरि बनाने में लगे हुए है। देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था के अंतर्गत देश के आम नागरिकों के द्वारा राजनीतिक पार्टियों के जनप्रतिनिधियों को विधिवत चुनकर संसद तथा विधान भवन भेजती है ताकि राज्य और देश का कल्याण हो सके किंतु अपने अधिकारों के प्रति उत्साहित यह राजनेता अपने मूलभूत कर्तव्य को भूलकर जनता का शोषण करने में लीन हो गए हैं और अधिकार संपन्न होकर निरंकुशता की श्रेणी में आकर बैठ गए हैं। इन जनप्रतिनिधियों ने अपने अधिकार तथा उत्तरदायित्व में तालमेल न बिठा कर शासन की व्यवस्था को बिगाड़ कर रखा है।

अर्थशास्त्र में कौटिल्य ने लिखा है कि जिस देश की आम जनता झोपड़पट्टी में रह रही हो उस देश के शासक प्रशासक को महलों में रहने का कोई अधिकार नहीं बनता है। यह बात उन्होंने बहुत पहले कही थी पर यह आज भी अत्यंत प्रासंगिक तथा समीचीन है। वर्तमान में देश में यह बात तो एकदम स्पष्ट है कि हमें अपने अधिकारों को तब भली-भांति ज्ञान व बोध है किंतु उत्तरदायित्व के प्रति हम जानबूझकर अनजान बने हुए हैं यह देश के विकास के लिए उचित नहीं है इससे देश के विकास में बाधा होती है। अधिकारों तथा उत्तरदायित्व के संदर्भ में कई समितियों ने बड़ी ही नकारात्मक अनुशंसा प्रस्तुत की है जिसमें इस बात का हवाला है कि राजनीति तथा प्रशासन में सब तरफ लालफीताशाही, भ्रष्टाचार, भाई भतीजावाद फैला हुआ है क्योंकि हमारे राजनेता शासक प्रशासक अपने अधिकारों का तो समुचित प्रयोग करते हैं किंतु उत्तरदायित्व के मामले में अपने आप को अनभिज्ञ बताते हुए जनता के सामने हाथ खड़े करके निरीह बने रहते हैं।

सरकारी सुविधाओं का उपयोग करना तो हमारा अधिकार है पर उसका रखरखाव और उससे साफ सुथरा रखना हमारा दायित्व भी है किंतु हम अपने दायित्व के प्रति आंखें बंद कर अधिकारों के लिए अंधी दौड़ में शामिल हो चुके हैं। एक संकट जैसे कि पर्यावरण संकट किसी व्यक्ति समाज और राष्ट्र के लिए नहीं है यह वैश्विक समस्या है और यदि हम इसके प्रति सजग नहीं हुए तो 1 दिन संपूर्ण सामाजिक व्यवस्था पृथ्वी धरा नष्ट हो जाएगी और मनुष्य सांस लेने के लिए हवा, पीने के लिए पानी को तरसने लगेगा। यह हमारा नैतिक कर्तव्य बनता है कि हम सत्य निष्ठा के साथ सदाचारी बनकर नैतिकता को अपने व्यवहार में उतार कर अपने लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा कर अपने अधिकारों के साथ मूल दायित्व को भी उतनी ही गंभीरता से उपयोग में लाएं जिससे व्यक्ति समाज और राष्ट्रहित हो सके।

संजीव ठाकुर,
चौबे कालोनी
रायपुर छत्तीसगढ़,

पंजाब में अगली बार किसकी होगी सरकार?

पंजाब में भाजपा ऊहापोह की स्थिति में है। अकाली दल से समझौते से पूर्व जनसंघ/भारतीय जनता पार्टी पंजाब में 0 से लेकर 9 विधानसभा सीटों तक सिमटी हुई थी। आपात स्थिति के उपरान्त 1977 में हुए चुनावों में भी जब जनता पार्टी और अकाली दल ने मिल कर चुनाव लड़ा था तो जनता पार्टी में जनसंघ ग्रुप को विधानसभा में महज 12 सीटें मिली थी। कालान्तर में जब भाजपा और अकाली दल ने आपस में मिल कर चुनाव लडने् का मन बना लिया तो भाजपा को 12 से 18 के बीच सीटें मिलने लगी थीं। इसमें कोई शक नहीं कि यह राजनीतिक सुविधा का समझौता था। भाजपा ने मान लिया था कि वह पंजाब में हिन्दुओं के एक तबके की पार्टी है और अकाली दल ने मान लिया था कि वह मोटे तौर पर पंजाब के जट्ट/सिख की पार्टी है। दोनों पार्टियों के लिए जरूरी था कि वे अपने प्रभाव क्षेत्र को बढ़ा कर पूरे पंजाबियों की पार्टी बनने की कोशिश करतीं । अन्यथा उनकी स्थिति पंजाब की राजनीति में दबाव समूह से आगे नहीं बढ़ पाएगी। अकाली दल का प्रभाव क्षेत्र यकीनन भाजपा से ज्यादा था, लेकिन वह समस्त पंजाबियों की पार्टी न होकर जाटों के एक हिस्से और कुछ सीमा तक खत्री सिखों के एक हिस्से की पार्टी मात्र ही थी। लेकिन भारतीय जनता पार्टी का प्रभाव क्षेत्र अकाली दल से भी कम था। इस स्थिति में दोनों पार्टियों के पास सत्ता के सिंहासन तक पहुंचने का एक ही रास्ता था, या तो अपना प्रभाव क्षेत्र बढ़ा कर समस्त पंजाबियों की पार्टी बनती या फिर सत्ता तक पहुंचने का कोई बाईपास ही तलाशतीं। दोनों पार्टियों ने दूसरे रास्ते को ही सरल व प्रभावकारी समझा। उन्होंने आपस में समझौता कर लिया और सत्ता पर कब्जा कर लिया। यकीनन इस राजनीतिक प्रयोग में भाजपा की हैसियत %छोटे भाई% की ही होती। यह प्रयोग दो-तीन दशक तक चला। लेकिन इस प्रयोग में दोनों पक्ष ही असन्तुष्ट दिखाई देने लगे। भाजपा के कार्यकर्ताओं को यह लगने लगा था कि अकाली दल से समझौते के कारण पार्टी का विस्तार रुक गया है, जबकि यह सोच यथार्थ पर आधारित नहीं थी। समझौते से पूर्व के तीन दशकों में भी पार्टी पूरे पंजाब, खासकर राज्य का हृदय कहे जाने वाले मालवा क्षेत्र में तो अपना प्रभाव कहीं भी बना नहीं सकी थी। अकाली दल को यह भ्रम होने लगा था कि अब पंजाब के अन्य समुदायों में भी उसने अपना संगठन खड़ा कर लिया है और अपने बलबूते वह पंजाब में अपनी सरकार बना सकता है। इसलिए किसान आन्दोलन के बहाने उसने भाजपा से अपना पुराना गठबन्धन तोड़ लिया। लेकिन इससे दोनों पक्ष ही प्रसन्न दिखाई दे रहे थे। अकाली दल को लगता था उसकी पीठ से बोझ उतर गया और भाजपा को लगा कि उसके विकास के रास्ते की दीवार हट गई। सचमुच इसका क्या परिणाम हुआ, यह 2022 के विधानसभा चुनावों से पता चला जब भारतीय जनता पार्टी को दो और अकाली दल को महज तीन साटों पर ही संतोष करना पड़ा। आम आदमी पार्टी ने 118 सीटों वाली विधानसभा में 92 सीटें झटक लीं। लेकिन लगता है आम आदमी पार्टी की जीत पंजाब में विकल्पहीनता की स्थिति का परिणाम था। इसका सबूत चुनावों के तुरन्त बाद, संगरूर लोकसभा की सीट के चुनाव परिणामों से मिला। सीट मुख्यमंत्री भगवन्त सिंह मान के त्यागपत्र से खाली हुई थी। भगवन्त सिंह दो बार निरन्तर यह सीट लाखों के मार्जिन से जीत चुके थे। लेकिन उनके मुख्यमंत्री बनने के तुरन्त बाद आम आदमी पार्टी यह सीट हार गई। जीत अलगाववाद के समर्थक सिमरनजीत सिंह की पार्टी अकाली दल (अमृतसर) की हुई। प्रत्याशी भी सिमरनजीत सिंह स्वयं थे। पंजाब में इस नई राजनीतिक स्थिति ने प्रदेश की राजनीति की दिशा बदल दी। अकाली दल को लगा कि उसे अपने पुराने अड्डे पर वापस लौट जाना चाहिए। इसलिए वह पंथ के हितों की रक्षा वाले अपने पुराने स्वरूप की ओर लौटने लगी। अभी तक उसकी कोशिश थी कि भारतीय जनता पार्टी से छुटकारा पा लिया जाए और स्वयं को पंजाबियों की पार्टी के तौर पर स्थापित किया जाए। लेकिन अब वह वापस अपने पुराने घर की ओर चल पड़ी। लेकिन भाजपा इस स्थिति में कौनसा रास्ता अख्तियार करे? क्या वह भी अपने उस पुराने घरौंदे में सिमटी रहे या फिर वह भी पूरे पंजाबियों की पार्टी बनने के रास्ते पर चल निकले।

अजय दीक्षित

गर्मी:आया मौसम हिट स्ट्रोक का

गर्मी के मौसम में सामान्य रूप से गर्मी बढ़ जाती है। जिसके कारण आदमी के शरीर का तापमान बढ़ जाने की संभावना बढ़ जाती है। इसी तरह गर्मी की धूप के कारण या किसी बाहरी वजह से अगर आदमी के शरीर का तापमान 104 डिग्री फारेनहाइट अथवा 40 डिग्री सेल्सियस से भी अधिक हो जाता है तो इसे हिट स्ट्रोक अथवा लू लगना कहा जाता है।

कारण

हिट स्ट्रोक के कारणों में मुख्य रूप से वातावरण में गर्मी बढ़ जाना महत्वपूर्ण भूमिका अदा करता है। पर इसके अलावा भी एक कारण यह भी है कि अगर आदमी क्षमता से अधिक श्रम करता है या व्यायाम करता है तो भी लू लग सकती है।

लक्षण

अगर आदमी को हिट स्ट्रोक होता है तो इसमें मुख्य रूप से
* सिर में दर्द
* चक्कर आना
* आंखों के आगे अंधेरा छाना
* होश खो देना
* दौरा आना
* बेहोश हो जाने जैसे दिमागी लक्षण भी देखने को मिलते हैं

इसके अलावा भी कुछ लक्षण देखने को मिलते हैं जैसे कि
* स्नायुओं में दर्द
* थकान का अनुभव
* शरीर में कमजोरी का अनुभव
* पेशाब कम होना
* मुंह सूखना
* टट्टी-उलटी होने जैसे लक्षण सामान्य रूप से देखने को मिलते हैं।

कॉम्पलीकेशन

हिट स्ट्रोक में दिखाई देने वाले कॉम्पलीकेशंस में अक्सर रोगी को दौरा आना, बेहोश हो जाना और कोमा में चले जाने जैसे लक्षणों से ले कर ब्लडप्रेशर घट जाना, किडनी डैमेज हो जाना या फेल हो जाना तथा मल्टीआर्गन फ्लेयर की भी संभावना रहती है।

निदान

हिट स्ट्रोक का निदान सामान्य रूप से रोगी के लक्षणों और रोगी की हिस्ट्री पर क्लिनिकल एग्जामिनेशन के दौरान किया जाता है। इसके अलावा रोगी के शरीर में डिहाइड्रेशन बताने वाले लक्षण और रोगी का ब्लडप्रेशर घट जाना। रोगी के होंठ, जीभ, गला आदि सूख जाना जैसे लक्षणों पर भी फिजीशियन डाक्टर सही निदान करते हैं। जरूरत पड़ने पर डाक्टर लेबोरेटरी टेस्ट भी कराते हैं जैसे कि लीवर, किडनी की रिपोर्ट

तथा क्षार की रिपोर्ट द्वारा भी हिट स्ट्रोक का निदान किया जाता है।

इलाज

* हिट स्ट्रोक होने का कारण अधिक देर तक धूप या गर्मी के संपर्क में आना होता है। इसलिए इस रोग का निदान शुरू हो उस व्यक्ति को धूप वाली जगह से तत्काल छाया वाली जगह में चले जाना चाहिए।
* अगर रोगी ने अधिक फिटिंग वाले कपड़े पहने हैं तो उन्हें निकाल कर ढीले और सूती कपड़े पहना देना चाहिए।
* रोगी के शरीर पर ठंडे पानी के छींटे मारना चाहिए।
* जरूरत के अनुसार आइस बैग या ठंडे पानी में भीगे कपड़े से स्पंजिंग करना चाहिए।
* अगर व्यक्ति होश में है तो उसे मुंह से अधिक से अधिक मात्रा में तरल देना चाहिए। जिसमें खाली पानी देने के बजाय क्षार वाला पानी देना चाहिए। जैसे कि ओआरएस, इलेक्ट्राल पाउडर वाला पानी या विविध प्रकार के खट्टे फलों का जूस देना अधिक फायदेमंद है।
* अगर रोगी होश में नहीं है तो उसे तत्काल अस्पताल ले जाना चाहिए।
* रोगी क्यों बेहोश है, इसके सभी कारणों की जांच जरूरी है। लेबोरेटरी टेस्ट के अलावा जरूरत हो तो सीटी स्कैन या एमआरआई करवा लेना चाहिए।
* हिट स्ट्रोक के कारण रोगी मल्टीआर्गन फ्लेयर न हो जाए इसके लिए जरूरत के अनुसार इंटेंसिव केयर यूनिट (आईसीयू) में रख कर रोगी का उचित इलाज करना चाहिए।
* अगर रोगी पर हिट स्ट्रोक का अधिक असर है और इसकी वजह से रोगी के शरीर में अति तीव्र डिहाइड्रेशन (पानी की कमी) हो गई है तो इस परिस्थिति में रोगी का ब्लडप्रेशर काफी कम हो जाता है। जिसका असर तुरंत रोगी की किडनी पर होता है। किडनी जिसका काम शरीर का कचरा पेशाब द्वारा बाहर निकालना है, यह काम वह कर नहीं सकती, जिसके कारण शरीर में टॉक्सिक प्रोडक्ट (जहरीले तत्व) की मात्रा बढ़ जाती है। इसकी वजह से किडनी फेल हो सकती है। ऐसी परिस्थिति में जरूरत पड़ने पर डायलिसिस कर के रोगी की किडनी को बचाने की कोशिश की जाती है।

इस तरह बचें हिट स्ट्रोक से

* कुछ व्यवसाय ऐसे होते हैं, जिनमें बाहर निकलना जरूरी होता है। ऐसे व्यक्ति को बाहर निकलते समय जितना संभव हो ढ़ीला और सूती कपड़ा पहनना चाहिए।
* पानी की बोतल हमेशा साथ रखनी चाहिए। थोड़ी-थोड़ी देर में पानी पीते रहना चाहिए।
* दिन के दौरान यूरीन की फिक्वेंसी पर नजर रखनी चाहिए। अगर दिन में यूरिन (पेशाब) कम मात्रा में हो रहा है तो तरल लेना बढ़ा दें।
* गर्मी में ज्यादा व्यायाम न करें।
* धूप में बाहर निकलने से पहले सनस्क्रीन लोशन का उपयोग फायदेमंद है। पर सनस्क्रीन जरूरत के अनुसार और डाक्टर की सलाह के अनुसार ही लगाएं। अलग-अलग सनस्क्रीन लोशन में (सन प्रोटेक्टिंग फैक्टर) विविध मात्रा में होता है। व्यक्ति की त्वचा के अनुरूप अलग-अलग प्रतिशत का एसपीएफ वाले सनस्क्रीन लोशन का उपयोग फायदेमंद है।
* तमाम लोग अतिशय गरम वाले वातावरण में से ठंडे वातावरण में आ कर आंखों या मुंह पर एकदम ठंडा पानी के छींटे मारने की आदत होती है। यह करने के पहले सामान्य पानी से मुंह धोना चाहिए। उसके बाद ठंडे पानी से मुंह धोना या नहाना चाहिए। इसके बाद ठंडा पानी या जूस पीना चाहिए।
* कभी अगर एकदम गरम से एकदम ठंड का अनुभव हो तो यह ओवर रिएक्ट करता है तो ऐसे में लू लग सकती है या एलर्जी हो सकती है।

स्नेहा सिंह
नोएडा
उत्तरप्रदेश

आओ जगवाले को समझायें

आओ जगवाले तुम्हें समझायें
रंग विरंगे गुलशन को लगायें
प्रेम मोहब्बत के फूल लगायें
खुशबू से इस जग को महकायें
गुलशन में होगा रंग विरंगा फूल
विपरीत मत की मिटेगा उसूल
पुरानी बातें तब हो जायेगा गुल
दुश्मनी तब सब जायेगें भूल
आओ चमन में नई महक बनायें
भाईचारा की गुलाब लगायें
सच्चाई की मार्ग अब अपनायें
बेईमानी को सबक सिखलायें
नहीं चाहिये हमें कागज के फूल
महक ना पाये नफरत के धूल
पनप ना पाये दुश्मन की तूल
प्रायश्चित करना है अपनी भूल
जग में मानवता की दीप जलाये
इन्सानियत से जग को चमकायें
प्रेम प्यार की पाठ सिखलायें
कायनात को फिर से सजायें

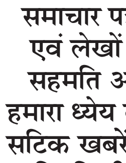

उदय किशोर साह
जयपुर जिला
बॉका बिहार

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

बिश्रामपुर क्षेत्र..रिकार्ड उत्पादन देने के बाद भी खदानों में कार्यरत कर्मचारी कई सुविधाओं से है वंचित

» कैंटीन,रेस्ट सेल्टर, लेट्रिन बाथरूम तथा पीने का शुद्ध पानी की नहीं है पुख्ता व्यवस्था

» केंद्रीय चिकित्सालय में भी है सुविधाओं का है भारी अभाव

- ओमकार पांडेय -
सूरजपुर,16 मई 2023
(घटती-घटना)।

बिश्रामपुर क्षेत्र...रिकार्ड उत्पादन देने के बाद भी बिश्रामपुर क्षेत्र की खदानों में कार्यरत कर्मचारियों, ठेका श्रमिक के लिए नहीं है कैंटीन, रेस्ट सेल्टर, लेट्रिन बाथरूम तथा पीने का शुद्ध पानी की पुख्ता व्यवस्था द्य केंद्रीय चिकित्सालय में भी है सुविधाओं का भारी अभाव है!

उक्त संबंध मे अजय विश्वकर्मा, सदस्य एसईसीएल वेलफेयर बोर्ड ने बताया कि दो दिन पूर्व केंद्रीय चिकित्सालय तथा खदानों का निरीक्षण के दौरान पाया गया कि एसईसीएल के निदेशक कार्मिक के उद्घाटन किये जाने के बाद पिछ्ले दो साल से डायलेसिस सेंटर बंद हो गया है! चिकित्सालय में मरीजों का बेड वर्षो पुराना होने के कारण आरामदायक नहीं रहे, कई बेड के पाया में ईट लगाकर काम चलाया जा रहा है, एडमिट मरीजों का दवा टेबल/मिनी आलमीरा क्षतिग्रस्त है, ओपीडी तथा वार्ड में मरीजों के बैठने का फर्नीचर वर्षो पुराने एवं क्षतिग्रस्त है! अधिकारी स्टाफ तथा अतिगंभीर मरीजों के लिए निर्मित केबिन का विंडो ए.सी. ख़राब होकर बिखरे हुए है! चिकित्सालय का जेनरेटर सेट काफी पुराना है जो चलते चलते बंद हो जाते है जिससे एडमिट मरीजों को काफी परेशानी तथा चिकित्सीय कार्य में बाधा होती है! चिकित्सालय का मर्चुरी सर्वे ऑफ हो चूका है दो शव वाला नया मर्चुरी का फाइल 3-4 वर्ष से लंबित है, सुरक्षा कि दृष्टि से चिकित्सालय में सीसी टीवी कैमरा लगाना नितांत आवश्यक है, चिकित्सालय में मॉडलर किचेन नहीं है, एडमिट मरीजों को 2-3 वर्षो से फल नहीं

मिल रहे है, बताया गया कि 120/- रूपये में प्रति मरीज की राशि काम है! द्वितीय तथा तृतीय पल्ली में वार्ड आया की बेहद कमी के कारण एडमिट मरीजों को परेशानी हो रही है, चिकित्सालय में कार्यरत वार्ड आया, सफाई कर्मचारी, लेब एक्स रे फार्मासिस्ट को विगत 3 वर्ष से ड्रेस प्रदान नहीं किया गया है! दवाओं की काफी कमी है।

विश्वकर्मा ने बताया कि खदान गायत्री खदान में 632 कर्मचारी तथा 150 ठेका श्रमिक कार्यरत है, गायत्री खदान के केंटीन में 4 विंडो ए.सी. में 2 ए.सी. वर्षो से बंद है, केंटीन में कर्मचारियों के बैठने हेतु सिर्फ 8 चेयर तथा 3 प्लास्टिक के क्षतिग्रस्त टेबल है, सिर्फ एक पल्ली में चलने वाला केंटीन बंद होने के बाद पुरे गायत्री खदान परिसर में कर्मचारियों को पिने के लिए वाटर कूलर आर.ओ.शुद्ध पानी की व्यवस्था नहीं होती है, खदान के भीतर 8 घंटा जी तोड़ मेहनत करने वाले कर्मचारियों को शुद्ध पिने का पानी भी नहीं मिलता है और ना ही किसी भी कर्मचारी को पानी का डब्बा उपलब्ध कराया गया है! इसी प्रकार रेहर खदान में 558 कर्मचारी और 40 ठेका श्रमिक है जिनके आराम के लिए रेस्ट सेल्टर की कोई व्यवस्था नहीं है 10×15 फिट के कमरे को रेस्ट सेल्टर बताया गया पर सिर्फ पल्ली के प्रभारी इसका उपयोग करते है! दोनों खदान में कर्मचारियों के लिए बने लेट्रिन बाथरूम में पानी बिजली, एग्झास्ट फैन साफसफाई की व्यवस्था नहीं है बिल्डिंग क्षतिग्रस्त तथा उपयोग में नहीं है! गायत्री खदान का रेस्ट सेल्टर में साफसफाई, पानी की व्यवस्था नहीं है, सीलिंग पंखे प्रकाश की पर्याप्त व्यवस्था नहीं है! रेहर, गायत्री, केतकी खदान के लिए अलग अलग एम्बुलेंस है परन्तु सिर्फ एक कॉमन ड्राइवर ही नियुक्त है.. वेलफेयर सदस्य ने निरीक्षण रिपोर्ट एसईसीएल के निदेशक कार्मिक को प्रेषित करते हुए त्वरित निराकार की की मांग किया है।

घर के बाहर से ऑटो चोरी, चोर सीसीटीवी में कैद

- संवाददाता -
अम्बिकापुर,16 मई 2023
(घटती-घटना)।

अज्ञात चोरों ने घर के पीछे सडक़ पर खड़े ऑटो को पार कर दिया है। ऑटो चालक ने मामले की रिपोर्ट कोतवाली में दर्ज कराया है। पुलिस अज्ञात के खिलाफ अपराध दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। ऑटो चोरी करते चोर घटनास्थल के पास लेगे सीसीटीवी में भी कैद हुआ है। ऑटो चालक ने मामले की रिपोर्ट कोतवाली में दर्ज कराया है। पुलिस अज्ञात के खिलाफ अपराध दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार मनोज कश्यप शहर के ब्रह्मरोड का रहने वाला है। वह ऑटो चलाकर परिवार का भरण पोषण करता है। वह अपनी ऑटो क्रमांक सीजी 15 सीवाई 8817 को 12 मई की रात को घर के पीछे सडक़ पर खड़ा किया था। इस दौरान अज्ञात चोर ने ऑटो को पार कर दी। सुबह उठा तो ऑटो नहीं थी। घटनास्थल के पास लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाला तो पता चला की घटना दिवस रात करीब 11.55 बजे अज्ञात चोर द्वारा ऑटो चोरी कर ले जाते सीसीटीवी फुटेज में कैद हुआ है। ऑटो चालक ने मामले की रिपोर्ट कोतवाली में दर्ज कराया है। पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ अपराध दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

एसपी ने इंटीग्रेटेड कण्ट्रोल रूम के मॉनिटरिंग कक्ष का किया निरीक्षण

- संवाददाता -
अम्बिकापुर,16 मई 2023
(घटती-घटना)।

आईजी राम गोपाल गर्ग के मार्गदर्शन में पुलिस अधीक्षक भावना गुप्ता द्वारा इंटीग्रेटेड कण्ट्रोल रूम के मॉनिटरिंग कक्ष की व्यवस्था का जायजा लेने एवं साइबर सेल कार्यालय की कार्यप्रणाली की जांच करने हेतु मंगलवार को आकस्मिक निरीक्षण किया गया। एसपी द्वारा निरीक्षण के दौरान इंटीग्रेटेड कण्ट्रोल रूम के सीसीटीवी सर्विलेंस रूम की जांच कर किए जा रहे कार्वाईयों के सम्बन्ध में कंट्रोल रूम प्रभारी से जानकारी ली गई एवं त्रिनेत्र अभियान के तहत फोन पर बात कर वाहन चलाने वाले वाहन चालकों एवं अवैध अमानक साइलेंसर का उपयोग कर वाहन चलाने वाले वाहन चालकों पर लगतार कार्रवाई करने हेतु दिशा निर्देश दिए गए। निरीक्षण के दौरान सभी कैमरों के उपयोग के सम्बन्ध में भी अधतन जानकारी ली गई। सभी कैमरे सही रूप से निर्बाध संचालन कार्य करते पाये जाने पर अधिकारियों कर्मचारियों की प्रशंसा कर बेहतर कार्य करने हेतु प्रोत्साहित किया गया। पुलिस अधीक्षक सरगुजा द्वारा आकस्मिक निरीक्षण के दौरान साइबर सेल कार्यालय का निरीक्षण कर साइबर सेल प्रभारी को आमजनता से प्राप्त शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई कर निराकरण करने के दिशा निर्देश दिए गए। साइबर सेल में उपयोग किये जा रहे आवश्यक तकनिकी संसाधनों के सम्बन्ध मे जानकारी ली गई एवं बेहतर कार्रवाई के लिए नये नये तकनीक का प्रयोग करने के निर्देश दिए गए। कार्रवाई के दौरान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विवेक शुक्ला, नगर पुलिस अधीक्षक स्मृतिक राजनाला, उप पुलिस अधीक्षक एसएस पैकरा, प्रशिक्षु उप पुलिस अधीक्षक शुभम तिवारी, रक्षित निरीक्षक जयराम चेरमाको, साइबर सेल प्रभारी निरीक्षक विजय प्रताप सिंह, कंट्रोल रूम प्रभारी निरीक्षक अंजू चेलक, थाना प्रभारी कोतवाली उप निरीक्षक रुपेश नारंग एवं पुलिस विभाग के अधिकारी कर्मचारी शामिल रहे।

बाजार से लौट रही नाबालिग लडक़ी का अपहरण कर सामूहिक अनाचार,दो गिरफ्तार

- संवाददाता -
अम्बिकापुर,16 मई 2023
(घटती-घटना)।

नबालिग लडक़ी का अपरिणकर दुष्कर्म करने के मामले में लुण्ड्रा पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है। जानकारी के अनुसार प्रार्थी ने 15 मई को थाना लुण्ड्रा में रिपोर्ट दर्ज कराया था कि घटना दिवस 10 मई को मेरी नबालिग लडक़ी साप्ताहिक बाजार करने पास के गांव में गई थी, जो शाम को वापस आते समय दो लडक़े गर्रा उर्फ धनेश्वर एवं शैलेष पैकरा द्वारा मेरी नाबालिग लडक़ी को अकेला देखकर जबरन अपने दुपहिया वाहन में बैठाकर अन्यत्र स्थान ले जाकर जान से मारने की धमकी देकर बारी-बारी से अनाचार किया है। प्रार्थी की रिपोर्ट पर पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ धारा धारा 363, 366(क), 376 (घ), 506 एवं पाक्सो एक्ट की धारा 4, 6 के तहत अपराध दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी थी। विवेचना के दौरान पुलिस ने आरोपी आरोपी गर्रा उर्फ धनेश्वर एवं शैलेश पैकरा साकिन उदारी लुन्ड्रा की घेराबंदी कर पकडक़र पूछताछ किया गया जो आरोपियों द्वारा नाबालिग बालिका के साथ सामूहिक अनाचार की घटना कारित किया जाना स्वीकार किया गया। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है। सम्पूर्ण कार्यवाही में थाना प्रभारी लुण्ड्रा उप निरीक्षक संदीप कौशिक, महिला आरक्षक प्रेमा मरावी, आरक्षक दीपक पाण्डेय, निरंजन बड़ा शामिल रहे।

स्वामी आत्मानंद स्कूल केशवपुर में प्रवेश हेतु पात्र अभ्यर्थियों का चयन लॉटरी द्वारा

- संवाददाता -
अम्बिकापुर,16 मई 2023
(घटती-घटना)।

स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी विद्यालय केशवपुर के प्राचार्य ने बताया है कि शैक्षणिक सत्र 2023-24 में अंग्रेजी माध्यम में प्रवेश प्रक्रिया में पात्र अभ्यर्थियों का चयन जिला स्तरीय समिति के सम्मुख कक्षा 1ली, 6वीं, 7वीं एवं कक्षा 8वीं में लॉटरी द्वारा 19 मई 2023 को प्रातः 8:00 बजे से होना निर्धारित हैं। उक्त संबंध में विस्तृत विवरण संस्था के सूचना पटल पर देखा जा सकता है।

संस्था के प्राचार्य श्री संतोष कुमार साहू ने छात्रों एवं अभिभावकों से आग्रह किया है कि उक्त तिथि को नियत समय पर उपस्थित होकर प्रवेश प्रक्रिया को सफल बनाने में सहयोग प्रदान करें। प्राचार्य ने यह भी बताया कि अभिभावकों को इस संबंध में किसी भी समस्या के निराकरण हेतु नोडल अधिकारी अनिल कुमार त्रिपाठी से संपर्क कर सकते हैं।

तेज धूप ने लोगों को किया बेहाल,तापमान 41 डिग्री

- संवाददाता -
अम्बिकापुर,16 मई 2023 (घटती-घटना)।

जेठ का महीना अब तपना शुरू हो गया है। अप्रैल महीने में लगातार तापमान के उतार चढ़ाव के बीच मई महीने के प्रथमा सप्ताह में भी बादलों की आवाज जाही रही। वहीं चक्रवाती तूफान मोचा के कारण तापतान में नमी थी। पर मोचा तूफान की सक्रियता कमजोर होते ही तापमान में एक बार फिर बढ़ोतरी शुरू हो गई है। मौसम विज्ञानी के अनुसार मंगलवार का तापमान 41.6 डिग्री रहा। इधर तेज धूप व गर्मी अपना तेवर दिखाना शुरू कर दिया है। धूप तल्ख होती जा रही है। वहीं गर्म हवा भी लोगों को झुलसाने लगे हैं। सुबह आठ बजे तक तो थोड़ी राहत थी लेकिन इसके बाद सूर्यदेव की तीखी किरणों का सामना करना लोगों के लिए मुश्किल होता जा रहा है। सुबह 10 बजते-बजते गर्म हवा भी शुरू हो जा रही है। ऐसे में लोग घर से बाहर निकलने से परहेज कर रहे हैं। मौसम के रूख को देखते हुए लोग घरों में दुबके रहे। वहीं धूप की तल्खी व गर्म हवा के प्रकोप से न सिर्फ लोग, बल्कि पशु-पक्षी भी बेहाल हैं। वहीं अंबिकापुर का अधिकतम तापमान 41 डिग्री सेल्सियस रहा। घरों के अंदर भी कुलर पंखें भी बेअसर साबित हो रहे हैं।

श्री रामचरितमानस गायन वादन महासम्मेलन चार दिवसीय प्रतियोगिता 17 मई से प्रारम्भ

- संवाददाता -
सूरजपुर,16 मई 2023
(घटती-घटना)।

श्रीराम जन्मभूमि पर बन रहे प्रभु श्री राम के भव्य मन्दिर के साथ साथ लोगो मे भी धर्म के प्रति आस्था और तेजी से जागृत हो रही है। सूरजपुर भैयाथान रोड स्थित सरस्वती शिशु मंदिर में दिनांक 17 मई से 20 मई तक श्री रामचरितमानस गायन वादन महासम्मेलन प्रतियोगिता का भव्य आयोजन है। आयोजन की भव्य तैयारियों के बीच मानस मंडली महिला मंडली व बाल बालिका मंडली के प्रतियोगियों का 12 मई तक पंजीयन लिया गया। कार्यक्रम में सरगुजा संभाग से 128 मंडलियों ने अपना पंजीयन कराया है। सरस्वती शिशु विद्या मंदिर के व्यवस्थापक श्री भीमसेन अग्रवाल जी से प्राप्त जानकारी अनुसार प्रतियोगिता में मंडलियों को विभिन्न विधाओं में अंक निर्धारित किए गए हैं, जिसमें वंदना में 5 अंक, पोशाक में 5 अंक, अनुशासन में 10 अंक, स्वर संगम 5 अंक, गायन वादन 15 अंक, भाषा की शुद्धता 5 अंक, आदर्श वाणी 10 अंक, भावार्थ 15 अंक, मानस मंथन 10 अंक, मानस जिज्ञासा 10 अंक, व भजन में 10 अंक निर्धारित हैं, भजन गायन में एक अंतरा भी गायन अनिवार्य है। मानस मंडलियों के उत्साहवर्धन के लिए पुरस्कृत भी किया जाएगा, मानस मंडली व महिला मंडली को प्रथम पुरस्कार 7100 द्वितीय 5100 तृतीय 3100 चतुर्थ 2100 व पंचम 1100 रुपए नगद का पुरस्कार दिया जाएगा, वहीं बाल मंडली, बालिका मंडली को प्रथम 5100 रुपए द्वितीय 3100 तृतीय 2100 चतुर्थ व पंचम आने वाले मंडली को 1100-1100 का पुरस्कार दिया जाएगा। इसके साथ ही प्रत्येक मंडल को सांत्वना पुरस्कार से पुरस्कृत दिया जाएगा। सभी मंडलियों को सुबह समय पर उपस्थित होना अनिवार्य है, सुबह 8:00 बजे पूजा के बाद 10:00 बजे से प्रतियोगिताएं प्रारंभ होगी। कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु सरस्वती शिशु मंदिर के अध्यक्ष सत्यनारायण अग्रवाल, उपाध्यक्ष श्री आर के शुक्ला, व्यवस्थापक व सचिव भीमसेन अग्रवाल, सह व्यवस्थापक डॉ एसजे सिंघल, कोषाध्यक्ष वेद प्रकाश जैन सहित सदस्य भोला प्रसाद अग्रवाल, हरिदास अग्रवाल, राधा किशन अग्रवाल, अनिल गोयल,कैलाश यादव, संत कुमार साहू, महेंद्र ठाकुर, श्री तानसिंह सिदार,राम नारायण प्रजापति, कृष्ण चंद्र पुरी, बोधन प्रजापति, सुंदर लाल सिंह सहित अन्य सदस्य व विद्यालय के आचार्य गण कार्यक्रम के आयोजन को लेकर अत्यंत उत्साहित व सक्रिय रूप से लगे हुए हैं। कार्यक्रम में पूरे संभाग से मानस श्रद्धालु मानस मंडली या बालक बालिका मंडली सहित श्रोता गण सादर आमंत्रित हैं।

शाम होते ही पीजी कॉलेज मैदान में जम जाता है असामाजिक तत्वों का जमावड़ा

- संवाददाता -
अम्बिकापुर,16 मई 2023
(घटती-घटना)।

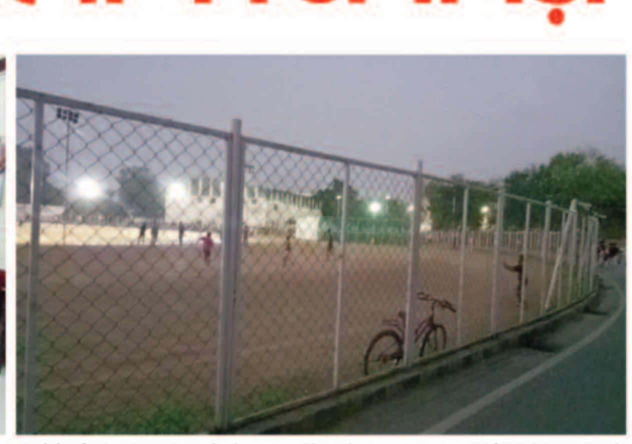

शहर के गांधी स्टेडियम की कई समस्याएं सामने आ रही हैं जिससे आमजन को काफी परेशानीयों का सामना करना पड़ रहा है। स्टेडियम के अंदर की बाउंड्री नीचे होने के कारण मैदान में खेल रहे बच्चों द्वारा फुटबॉल तेज गति से मारा जाता है जो की बाउंड्री के दूसरी ओर जाती है जहां आमजन को गंभीर चोट लगने की संभावना बनी रहती है। यह समस्या अमूमन शाम के समय देखा जा सकता है जहां बच्चे, महिलाएं, बुजुर्ग सभी टहलने आते हैं जिन्हें खतरा रहता है। दूसरी ओर स्टेडियम के अंदर नालियों के ऊपर की लोहे की जाली पूरी तरह से टूट चुकी है अंधेरा होते ही उसमे छोटे जानवरो के गिरने व पैर फसने की संभावना बनी रहती है। वहीं दूसरी ओर शहर के बड़े मैदान पी.जी कॉलेज में शाम को आमजन घूमने, टहलने आते हैं शाम ढलते ही जहां अंधेरा होता है वहीं लाइट की व्यवस्था न होने से असामाजिक तत्वों का आवागमन बढ़ जाता है। आये दिन अंधेरे का फायदा उठाकर कुछ लोग नशीले पदार्थों का सेवन करते हैं साथ ही अन्य प्रकार के असामाजिक कृत्य करते हैं। वहां लाइट न होने से दिन पर दिन ऐसी घटनाएं बढ़ती जा रही हैं। शहर के इन मुख्य स्थानों की समस्याओं को लेकर गैर राजनीतिक दल आजाद सेवा संघ के प्रदेश सचिव रचित मिश्रा के नेतृत्व में संघ द्वारा कलेक्टर के नाम ज्ञापन सौंपा गया और स्टेडियम के अंदर की बाउंड्री को ऊंचा करवाने एवं नाली के ऊपर टूटे हुए जाली की मरम्मत करवाने की मांग की गई। वहीं पी.जी कॉलेज मैदान में लाइट की व्यवस्था करवाने की संघ द्वारा ज्ञापन के ज़रिए मांग की गई। इस दौरान संघ के प्रतीक गुप्ता, पुष्पम पटेल, कोलेश्वर सिंह, रवि गुप्ता, गुरप्रीत सिंह, अमन सिंह, हर्ष सोनी, सत्यप्रकाश दास, संजय बड़ा, आदि सदस्य उपस्थित रहे।

नाती ने तवा से मारकर दादी को किया अधमरा,फिर कुएं में ढकेला,मौत

- संवाददाता -
अम्बिकापुर,16 मई 2023
(घटती-घटना)।

बलरामपुर जिले के सनावल थाना क्षेत्र के ग्राम त्रिशुली में सोमवार को एक युवक ने अपनी वृद्ध दादी को रोटी बनाने वाली दवा से बेदम पिटाई कर दी। पिटाई करने के बाद दादी को घर के बाहर कुएं में ढकेल दिया। इस दौरान वह स्वयं भी गिर गया। जानकारी मिलने पर परिजन दोनों को कुएं से बाहर निकाले और अचेत वृद्धा को इलाज के लिए वाड्रफनगर अस्पताल ले गए। यहां चिकित्सकों ने उसकी स्थिति को गंभीर देखते हुए अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर कर दिया। यहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

जानकारी के अनुसार केरती यादव पति स्व. चरकु यादव उम्र 70 वर्ष सनावल थाना क्षेत्र के ग्राम त्रिशुली की रहने वाली थी। सोमवार की दोपहर केरती यादव घर में थी। इस दौरान इसका नाती जयकांत यादव आया और रोटी बनाने वाली तवा से बेदम पिटाई करने लगा। पिटाई करने के बाद घर के बाहर कुएं में ढकेल दिया। कुएं में ढकेलने के दौरान वह स्वयं भी कुएं में गिर गया। दूसरे नाती ने देखा तो घटना की जानकारी अपने पिता को दी। परिजन गांव वालों की मदद से दोनों को बाहर निकाले और अचेत वृद्धा को इलाज के लिए वाड्रफनगर अस्पताल ले गए। यहां चिकित्सकों ने उसकी स्थिति को गंभीर देखते हुए अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर कर दिया। यहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

उपद्रवियों पर कड़े सैन्य कानूनों के तहत होगी कार्रवाई, पाकिस्तानी सेना ने बयान जारी कही ये बात

नई दिल्ली, 16 मई 2023। पाकिस्तानी सेना के शीर्ष अधिकारियों ने रावलपिंडी में सेना के मुख्यालय पर हमला करने सहित सैन्य प्रतिष्ठानों पर हाल में हुए हमलों में शामिल %उपद्रवियों% पर पाकिस्तानी सेना अधिनियम और आधिकारिक गोपनीयता कानून समेत अन्य कानूनों के तहत कार्रवाई होगी। पिछले मंगलवार को इस्लामाबाद उच्च न्यायालय परिसर में रेंजर्स की ओर से पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की गिरफ्तारी से पाकिस्तान में अशांति फैल गई थी जो शुक्रवार तक जारी रही। प्रदर्शनकारियों के हमलों के दौरान कई मौतें हुईं और दर्जनों सैन्य और सरकारी प्रतिष्ठानों को नष्ट कर दिया गया।

देश के इतिहास में पहली बार खान के समर्थकों ने रावलपिंडी में सेना मुख्यालय पर धावा बोल दिया था और लाहौर में ऐतिहासिक कोर कमांडर हाउस में आग लगा दी थी। अब सेना ने इन उपद्रवों में शामिल लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने का एलान कर दिया है। उपद्रवियों के खिलाफ सख्त सेना अधिनियम और सरकारी गोपनीयता अधिनियम के तहत कार्रवाई करने को पाकिस्तानी सेना का एक गंभीर कदम माना जा रहा है। इसके प्रावधानों के तहत खान और उनकी पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) समर्थकों पर ऐसे आरोप लगाए जा सकते हैं जो मौत की सजा या आजीवन कारावास की सजा का कारण बन सकते हैं।

पाकिस्तानी सैन्य मुख्यालय हुए सम्मेलन में लिया गया फैसला

पाकिस्तानी सेना की मीडिया शाखा इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) की ओर से सोमवार को जारी एक बयान के अनुसार रावलपिंडी स्थित सेना मुख्यालय में सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर की अध्यक्षता में आयोजित विशेष कोर कमांडरों के सम्मेलन में यह फैसला लिया गया। इस सम्मेलन में यह भी संकल्प लिया गया कि सैन्य प्रतिष्ठानों पर हमला करने वालों के प्रति अब संयम नहीं बरता जाएगा।

सैन्य और सार्वजनिक प्रतिष्ठानों पर हुए हमलों की सेना ने की निंदा

बयान के अनुसार, विशेष कोर कमांडरों के सम्मेलन में भाग लेने वालों ने सैन्य प्रतिष्ठानों और सार्वजनिक व निजी संपत्तियों के नुकसान की निंदा की है। बयान में कहा गया, ÷अब तक एकत्र किए गए अकाट्य सबूतों के आधार पर, सशस्त्र बल इन हमलों के साजिशकर्ताओं, उकसाने वालों और अपराधियों से अच्छी तरह से वाकिफ हैं।÷ बयान में कहा गया है कि इस मामले में भटकाने की कोशिशें बिल्कुल व्यर्थ हैं। इस बीच, पाकिस्तानी सेना के बयान के जवाब में विपक्षी पार्टी पीटीआई ने ट्वीट किया, ÷पाकिस्तान में एक जिम्मेदार और सबसे बड़े राजनीतिक संस्थान के रूप में पार्टी की संविधान और लोकतंत्र के प्रति अटूट प्रतिबद्धता है।÷

भारतीय-अमेरिकी डॉक्टर ने इलाज के लिए लिखीं प्रतिबंधित नशीली दवाएं, 20 साल की होगी जेल!

वाशिंगटन, 16 मई 2023। कैलिफोर्निया में एक 76 वर्षीय भारतीय-अमेरिकी डॉक्टर को इलाज के लिए प्रतिबंधित दवाएं लिखने का दोषी माना गया है। अधिकारियों ने बताया कि डॉक्टर ने खुद स्वीकार किया है कि उसने अवैध रूप से प्रतिबंधित ओपिऑयड सहित अन्य दवाइयां लिखी थीं।

अमेरिका अटॉर्नी फिलिप ए. टलबर्ट के अनुसार, मोडेस्टो के स्वतंत्र चोपड़ा को बीते बुधवार को प्रतिबंधित ओपिऑयड और अन्य दवाओं को लिखने के मामले में आरोपी माना गया था। उस पर तीन मामले दर्ज किए गए थे, जिसे उसने स्वीकार लिया है। बताया गया कि उसने अपने अभ्यास के दौरान मरीजों को ऐसी दवाएं लिखी थीं, जिस पर प्रतिबंध लगा हुआ था।

बता दें, ये दवाएं अफीम से बनती हैं। इनसे नशे की लत लगती है। इसका आमतौर पर लोग दुरुपयोग करते हैं। इसलिए इन दवाओं को सिर्फ तभी लिखा जा सकता है, जब मरीज के स्वास्थ्य के लिए बहुत जरूरी हो।

अधिकारी ने बताया कि चोपड़ा ने 2020 में अपना मेडिकल लाइसेंस सरेंडर कर दिया था क्योंकि मामला लंबित था। अब आरोपी को 5 सितंबर को सजा सुनाई जानी है। दोषी पाए जाने पर अधिकतम 20 साल की जेल और एक मिलियन डॉलर का जुर्माना देना पड़ सकता है।

'देश के साथ संबंधों के लिए पाकिस्तान का मजबूत होना जरूरी,' क्यों कही अमेरिका के विदेश मंत्रालय ने यह बात

वाशिंगटन, 16 मई 2023। पाकिस्तान में लगातार हो रही घरेलू कलह के बीच अमेरिका ने अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का समर्थन किया है। उसका कहना है कि हिंसा में बिना भाग लिए व्यक्ति को अभिव्यक्त करने की स्वतंत्रता होनी चाहिए। साथ ही उसने दोहराया कि देश के साथ संबंधों के लिए पाकिस्तान का मजबूत, स्थिर और समृद्ध होना जरूरी है।

राज्य विभाग के उप प्रवक्ता वेदांत पटेल ने पाकिस्तान के पूर्व पीएम इमरान खान की गिरफ्तारी को लेकर पत्रकारों से बात की। उन्होंने कहा कि हमारा मानना है कि लोगों को बिना हिंसा में भाग लिए खुद को अभिव्यक्त करने की स्वतंत्रता होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि मैंने इमरान कि गिरफ्तारी पर पिछले सप्ताह थोड़ी बात की थी। अब पाकिस्तान में चल रहे घटनाक्रम के बारे में आप पूछेंगे तो यही कहूंगा कि अमेरिका का किसी एक राजनीतिक दल या एक उम्मीदवार से कोई मतलब नहीं है। हमारा मतलब एक मजबूत, स्थिर और समृद्ध पाकिस्तान से है, जो अमेरिका-पाकिस्तान संबंधों के लिए महत्वपूर्ण है। उन्होंने आगे कहा कि किसी भी गिरफ्तारी के लिए ऐसे व्यक्ति को उनके कानूनों के अनुसार बुनियादी मानवाधिकारों का भुगतान किया जाता है।

पाकिस्तान में प्रेस की स्वतंत्रता के बारे में पूछे जाने पर, पटेल ने कहा कि मौजूदा स्थिती को देखकर कोई भी धारणा बनाना सही नहीं है। उन्होंने कहा कि मेरे पास यहां से पेश करने के लिए कोई आकलन नहीं है। हालांकि, हम पूरी तरह से स्पष्ट है कि हमारी मीडिया और जानकारी तक पहुंच होनी चाहिए। साथ ही सरकार और पत्रकारों के बीच भी सूचना लगातार आदान-प्रदान होती रहनी चाहिए। गौरतलब है, पिछले मंगलवार को इस्लामाबाद उच्च न्यायालय परिसर से खान की गिरफ्तारी के बाद पाकिस्तान में अशांति फैल गई थी, जो शुक्रवार तक जारी रही। प्रदर्शनकारियों के हमले में कई मौतें हुईं। वहीं दर्जनों सैन्य और सरकारी भवनों को नष्ट कर दिया गया। पाकिस्तान के इतिहास में पहली बार, प्रदर्शनकारियों ने रावलपिंडी में सेना मुख्यालय (जीएचक्यू) पर धावा बोला और लाहौर में कोर कमांडर के घर में आग लगा दी थी। पुलिस ने हिंसक झड़पों में मरने वालों की संख्या 10 बताई है, जबकि खान की पार्टी का दावा है कि सुरक्षाकर्मियों की गोलीबारी में उसके 40 कार्यकर्ताओं की जान गई है।

आपको देखकर खुशी हुईः सुप्रीम कोर्ट में इमरान खान पर दिए बयान को लेकर फंसे CJP! विवाद बढ़ा तो देनी पड़ी सफाई

नई दिल्ली, 16 मई 2023। पाकिस्तान के चीफ जस्टिस उमर अता बंदियाल के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को अभिवादन करने के बाद सुर्खियों में आ गए हैं। दरअसल, मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट में इमरान खान को देखकर चीफ जस्टिस ने उन्हें कहा था कि आपको देखकर खुशी हुई। उनके इस बयान के बाद विपक्ष उनकी आलोचना कर रही है।

अल-कादिर ट्रस्ट भ्रष्टाचार मामले में कोर्ट में उनकी पेशी के दौरान चीफ जस्टिस ने ये टिप्पणी की थी। पीएम शहबाज शरीफ की उपस्थिति में एक संघीय कैबिनेट की बैठक के दौरान पीएम ने कहा कि पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ पार्टी के प्रमुख को लेकर चीफ जस्टिस द्वारा ऐसी टिप्पणी करना देश के न्यायापालिका के ऊपर धब्बा लगाना है।

आलोचनाओं के बाद चीफ जस्टिस बंदियाल ने अपनी सफाई में कहा- ÷इमरान खान का अभिवादन करने के बाद मेरी हर तरफ आलोचना हो रही है। हालांकि, मैं हमेशा इसी बोल का उपयोग करता हूं।÷

उन्होंने आगे कहा- ÷मैं सभी का इसी तरह से सम्मान करता हूं, क्योंकि सम्मान सभी के लिए बराबर है। सभी को सम्मान और शिष्टाचार का पाने का पूरा अधिकार है।÷

बता दें कि इमरान खान की गिरफ्तारी के बाद उनके समर्थकों ने कानून प्रवर्तन एजेंसी के 40 वाहन जलाने के साथ 14 सरकारी इमारतों को नष्ट कर दिए। समर्थकों ने जिन्ना हाउस से प्रचलित कॉर्प्स कमांडर हाउस में भी आग लगा दी।

इमरान की गिरफ्तारी के बाद शुक्रवार को बंदियाल के नेतृत्व वाली सुप्रीम कोर्ट की तीन सदस्यीय बेंज ने उन्हें जमानत दे दी थी। बंदियाल द्वारा इमरान खान को अभिवादन किए जाने के बाद पीएमएल(एन) के प्रमुख आयोजक मरियम नवाज सुप्रीम कोर्ट के बाहर चीफ जस्तीफ के इस्तीफा की मांग करने लगी।

प्रधान मंत्री शरीफ के नेतृत्व वाली कैबिनेट ने भी देश भर में 120 से अधिक मामलों का सामना कर रहे खान की गिरफ्तारी में बंदियाल के हस्तक्षेप की निंदा की है।कैबिनेट को संबोधित करते हुए शरीफ ने इसे न्याय का दोहरा मापदंड बताया।

पाकिस्तान के रक्षा मंक्षी खवाजा मोहम्मद आसिफ ने कहा कि अब समय आ गया है कि संसद इस स्थिति में अपनी संवैधानिक भूमिका निभाए।उन्होंने इस मामले पर संविधान के अनुच्छेद 209 के तहत सर्वोच्च न्यायिक परिषद को नोटिस भेजने के लिए एक संसदीय समिति के गठन की मांग की।

यूरोपीय संघ से मजबूत हो रहे भारत के रिश्ते, एआई-सेमीकंडक्टर तकनीक करेंगे साझा

नई दिल्ली ,16 मई 2023। विदेश मंत्री एस जयशंकर इन दिनों बेल्जियम के दौरे पर गए हुए हैं। वहां उन्होंने बेल्जियम के प्रधानमंत्री एलेक्जेंडर डे क्रू से मुलाकात की और द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने पर चर्चा की। यूरोप के साथ भारत के संबंध हाल के सालों में मजबूत हुए हैं और इन संबंधों के लिहाज से विदेश मंत्री का यह बेल्जियम दौरा बेहद अहम माना जा रहा है। दरअसल विदेश मंत्री जयशंकर मंगलवार को बेल्जियम की राजधानी ब्रूसेल्स में आयोजित होने वाली भारत-यूरोपीय संघ की ट्रेड एंड टेक्नोलॉजी काउंसिल की पहली बैठक में शामिल होंगे। विदेश मंत्री के साथ ही आईटी मंत्री राजीव चंद्रशेखर और वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल भी इस बैठक में शामिल होंगे।

भारत और यूरोपीय संघ के रिश्ते हुए मजबूत

भारत और यूरोपीय संघ के संबंध बीते कुछ सालों में काफी मजबूत हुए हैं। बीते साल जब यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन ने भारत का दौरा किया तो उस दौरान ही पीएम मोदी और यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष ने ट्रेड एंड टेक्नोलॉजी काउंसिल (व्यापार और तकनीक परिषद) की शुरुआत की थी। इसके तहत भारत और यूरोपीय संघ ने तीन वर्किंग ग्रुप बनाए हैं। जिनमें पहले वर्किंग ग्रुप के तहत भारत और यूरोपीय संघ रणनीतिक तौर पर अहम तकनीक, डिजिटल प्रशासन और डिजिटल कनेक्टिविटी के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाएंगे।

एआई, सेमीकंडक्टर जैसी तकनीक में सहयोग बढ़ाएंगे भारत और ईयू

पहले वर्किंग ग्रुप के तहत भारत और यूरोपीय संघ क्रिटिकल टेक्नोलॉजी जैसे आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस, क्वांटम कंप्युटिंग, सेमीकंडक्टर और साइबर सिक्योरिटी जैसी अहम तकनीकों के क्षएत्र में सहयोग बढ़ाएंगे। वहीं दूसरे वर्किंग ग्रुप के तहत हरित ऊर्जा और अक्षय ऊर्जा तकनीक के क्षेत्र में सहयोग करेंगे। तीसरे वर्किंग ग्रुप के तहत दोनों पक्ष निवेश, व्यापार के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाएंगे। यूरोपीय संघ से पहले भारत अमेरिका के साथ भी ट्रेड एंड टेक्नोलॉजी काउंसिल समझौता कर चुका है। मंगलवार को ब्रूसेल्स में होने वाली टीटीसी की पहली बैठक होगी।

मुद्रास्फीति भले गिरी हो, लेकिन उपभोक्ताओं को महंगाई से राहत नहीं

वॉशिंगटन, 16 मई 2023। अमेरिका में मुद्रास्फीति दर में गिरावट के बावजूद महंगाई का रुझान बना हुआ है। ऐसा दशकों में पहली बार हुआ है। बाजार पर्यवेक्षकों के मुताबिक कोरोना महामारी और यूक्रेन युद्ध के कारण उपभोक्ता वस्तुओं की कीमतों में जो इजाफा हुआ, उसे घटने के कोई संकेत नहीं हैं। इससे आम अर्थव्यवस्था पर महंगाई के कारण जो नकरात्मक असर होता है, वह बना हुआ है। अर्थशास्त्रियों के मुताबिक अमेरिका में दिख रहे इस ट्रेंड का विश्व अर्थव्यवस्था पर भी असर महसूस किया जाएगा।

अमेरिका में फिलहाल मुद्रास्फीति दर पांच फीसदी के नीचे चली आई है। जबकि साल भर पहले यह नौ फीसदी तक पहुंच गई थी। जानकारों के मुताबिक ऊर्जा की कीमत में गिरावट और सप्लाई चेन संबंधी दिक्कतों से राहत मिलने की वजह से मुद्रास्फीति दर में यह गिरावट देखी गई है। अमेरिकी प्रशासन की आर्थिक परामर्श परिषद के पूर्व सदस्य जेसॉन फरमैन ने वेबसाइट एक्सियोस.कॉम से कहा- मुद्रास्फीति दर चार से पांच फीसदी के बीच आ गई है, लेकिन इसे 3 से 4 फीसदी तक के दायरे में सीमित किए जा सकने की संभावना अभी भी नहीं दिखती। दो फीसदी तक लाना तो दूर है, जिसे फेडरल रिजर्व (अमेरिका का सेंट्रल बैंक) ने अपना लक्ष्य घोषित कर रखा है।

जो बाइडन प्रशासन के पूर्व उप राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार दलीप सिंह ने कहा है- 'अब ऐसे ढांचागत पहलू अस्तित्व में आ गए हैं, जो मुद्रास्फीति को ऊंचे स्तर पर बनाए रखेंगे।'

लॉबिस्ट ब्रुश मेहलमैन ने हाल में अपने एक प्रेजेंटेशन में ऐसे ढांचागत पहलुओं का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि अब चीन एक मध्यम आय वाला देश बन गया है, जिस कारण वहां मजदूरी महंगी हो गई है। इस कारण वहां आने वाली उपभोक्ता सामग्रियां महंगी मिल रही हैं। इसके अलावा दशकों तक टेक्नोलॉजी के विकास का असर कीमतें घटने के रूप में आता था। लेकिन नियमों में सख्ती और डाटा स्थानीयकरण की बढ़ी प्रवृत्ति के कारण वह लाभ खत्म हो गया है। फिर व्यापार में ग्लोबलाइजेशन और आउटसोर्सिंग से जो लाभ अमेरिकी उपभोक्ताओं को मिला था, वह स्थिति भी अब बदल रही है। अब अमेरिकी कंपनियों से अमेरिका में ही उत्पादन करने को कहा जा रहा है, जिससे उत्पादित चीजें महंगी होती जा रही हैं।

सैन फ्रांसिस्को राज्य में फेडरल रिजर्व की शाखा की प्रमुख मेरी डेली ने कुछ समय पहले एक भाषण में कहा था कि अमेरिका में चीजें सस्ती मिलने के पीछे प्रमुख कारण ग्लोबलाइजेशन था। अब ग्लोबलाइजेशन की प्रक्रिया धीमी हो गई है। उसका असर मुद्रास्फीति की ऊची दर के रूप में सामने आ रहा है। कुछ अन्य विशेषज्ञों ने कहा है कि ग्रीन ऊर्जा का चलन बढ़ाने के प्रयासों के कारण ऊर्जा के दाम बढ़ रहे हैं।

न्यूयॉर्क के फेडरल रिजप्व प्रमुख जॉन विलियम्स ने पिछले हफ्ते एक चर्चा में कहा- 'हमारा कर्त्तव्य है कि मुद्रास्फीति दर निम्न स्तर पर और स्थिर रहे। ऐसा ग्लोबलाइजेशन की दिशा पलटने के दौर में भी किया जा सकता है। इसीलिए ब्याज दरें बढ़ाई गई हैं, ताकि मुद्रास्फीति दर घटाई जा सके।' लेकिन विश्लेषकों ने ध्यान दिलाया है कि मुद्रास्फीति दर गिरने का मतलब असल में महंगाई घटना नहीं होता है और इसका अहसास फिलहाल अमेरिकी उपभोक्ताओं को हो रहा है।

तुर्किये की मांग के आगे झुका ट्विटर, विकिपीडिया के संस्थापक ने लगा दी एलन मस्क की क्लास

वॉशिंगटन , 16 मई 2023। विकिपीडिया के संस्थापक जिमी वेल्स ने ट्विटर के सीईओ एलन मस्क को अभिव्यक्ति की आजादी के मुद्दे पर घेरा है। दरअसल, हाल ही में तुर्की की सरकार ने राष्ट्रपति रजब तैयब अर्दोआन के एक आलोचक की ओर से साझा की गई सामग्री को ट्विटर से हटाने की मांग की थी। ट्विटर ने इन निर्देशों को मानते हुए आलोचक के ट्वीट्स को हटा लिया। इसके बाद से ही एलन मस्क को लगातार अभिव्यक्ति की आजादी के समर्थकों द्वारा निशाना बनाया जा रहा है। इनमें एक नाम जिमी वेल्स का भी है, जिन्होंने तुर्किये का ही उदाहरण देते हुए मस्क की क्लास लगा दी।

क्या था पूरा घटनाक्रम?

तुर्किये की ओर से राष्ट्रपति के खिलाफ ट्वीट हटाने की मांग को लेकर एलन मस्क को कई पत्रकारों ने घेरा। इनमें ब्लूमबर्ग के एक स्तंभकार मैथ्यू इग्लेशियस का नाम भी शामिल था। उन्होंने मस्क की आलोचना करते हुए कहा कि तुर्किये की सरकार ने चुनाव से ठीक पहले ट्विटर को अपने विपक्षी को प्रतिबंधित करने के लिए कहा और एलन मस्क ने इसे मान लिया। इस बारे में एक दिलचस्प ट्विटर फाइल्स स्टोरी की रिपोर्टिंग हो सकती है।

हालांकि, इग्लेशियस के इस ट्वीट पर मस्क भड़क गए। उन्होंने कहा, इग्लेशियस क्या आपका दिमाग आपके सिर से गिर गया। विकल्प यही है कि या तो ट्विटर को पूरी तरह ही दबा दिया जाता या कुछ ट्वीट्स को प्रतिबंधित किया जाता। आप क्या चाहते हैं?

म्यांमार में बंदरगाह निर्माण पूरा कर भारत ने दी है चीन को कड़ी चुनौती

यंगून ,16 मई 2023। म्यांमार में चीन के बढ़ते जा रहे प्रभाव को अब कड़ी चुनौती मिली है। भारत के सहयोग से बना एक बंदरगाह यहां चालू हो गया है। समझा जाता है कि इस बंदरगाह से म्यांमार के अंतरराष्ट्रीय व्यापार में बढ़ोतरी होगी। यह बंदरगाह म्यांमार के रखाइन प्रांत में बना है। सित्तवे पोर्ट नामक इस बंदरगाह पर पिछले मंगलवार को पहला कार्गो (मालवाही) जहाज पहुंचा। यह जहाज कोलकाता से चला था। जहाज के स्वागत के लिए उस मौके पर वहं भारत और म्यांमार के सैन्य अधिकारी मौजूद थे।

सित्तवे पोर्ट भारत के मल्टी-मॉडल ट्रांजिट ट्रांसपोर्ट प्रोजेक्ट का हिस्सा है। इस प्रोजेक्ट के तहत कोलकाता से म्यांमार के पश्चिमी तट तक समुद्री रास्ता तैयार किया गया है। उस जगह से जमीनी मार्ग से म्यांमार के अलग-अलग हिस्सों में माल पहुंचाने के रास्ते तैयार किए जा रहे हैं। इनमें एक रास्ता कलादान नदी के जरिए जाएगा, जबकि एक हाईवे भी बन रहा है। भारत के जहाजरानी मंत्री सर्वोनंद सोनेवाल ने कहा है कि इस समुद्री मार्ग के तैयार होने से भारत के उत्तर-पूर्वी क्षेत्र का दक्षिण-पूर्व एशिया से सीधा संपर्क बन गया है।

कलादन परियोजना के निर्माण के लिए भारत और म्यांमार के बीच 2008 में समझौता हुआ था। तब इस पर साढ़े 48 करोड़ डॉलर खर्च होने का अनुमान लगाया गया था। बंदरगाह के उद्घाटन के मौके पर भारत के अधिकारियों ने आशा जताई कि इससे देश के उत्तर-पूर्वी इलाके का हिंद महासागर से संपर्क बनेगा और उससे उस पूरे क्षेत्र के आर्थिक विकास का रास्ता खुलेगा।

विश्लेषकों ने ध्यान दिलाया है कि चीन भी म्यांमार के रास्ते हिंद महासागर तक अपनी पहुंच बनाने में जुटा हुआ है। चीन के विदेश मंत्री चिन गांग ने इस महीने के पहले हफ्ते में म्यांमार का दौरा किया। बीते दो मई को चिन की यहां सैनिक तानाशाह मिन आंग हलायंग से बातचीत हुई। इसके बाद चिन ने कहा कि उनका देश चीन-म्यांमार इकॉनमिक कॉरिडोर के निर्माण का कार्य अब तेज कर देगा। इस परियोजना के तहत म्यांमार में लॉजिस्टिक्स और औद्योगिक इन्फ्रास्ट्रक्चर का निर्माण होना है। इस इन्फ्रास्ट्रक्चर के जरिए चीन की हिंद महासागर तक पहुंच बन जाएगी। चीन ने रखाइन प्रांत के कयोकप्यू में एक बड़े बंदरगाह और औद्योगिक क्षेत्र के निर्माण की योजना बनाई है।

लिहाज से फिलहाल भारत ने बाजी मार ली है। हालांकि कलादान ट्रांसपोर्ट कॉरिडोर के तहत बनने वाले हाइवे का निर्माण कार्य धीमी गति से ही आगे बढ़ पा रहा है। इसका कारण उस क्षेत्र में म्यांमार की सेना और लोकतंत्र समर्थक गुटों के बीच चल रहा गृह युद्ध है, जहां इसका निर्माण होना है।

भारतीय थिंक टैंक इंडियन काउंसिल ऑफ वर्ल्ड अफेयर्स ने बीते महीने एक वर्कशॉप का आयोजन किया था। उसमें भारत के सरकारी अधिकारियों और विशेषज्ञों के अलावा म्यांमार के सैनिक शासन के अधिकारियों को भी आमंत्रित किया गया था। उस दौरान म्यांमार में भारत की परियोजनाओं पर काम की गति तेज करने पर विचार-विमर्श हुआ। इस दौरान इस बात पर जोर दिया गया कि दोनों देशों के बीच लंबी सीमा है, इसलिए उन्हें आपसी सहयोग बढ़ाना चाहिए, ताकि वे सीमा पार गतिविधियां चलाने वाले उग्रवादी समूहों और अन्य चुनौतियों का प्रभावी ढंग से मुकाबला कर पाएं।

आदिवासी महिला को उसके 4 माह के बच्चे के साथ रात भर थाने में बैठा..

अगले दिन भेजा जेल..मामले में थाना प्रभारी की बढ़ सकती है मुसीबत

- महिला को 10 लीटर शराब के साथ लाया और 30 लीटर शराब जप्त होने का केस बना कर जेल भेजने का पुलिस पर लगा था बड़ा आरोप
- छत्तीसगढ़ के मुखिया से हुई थी शिकायत,थाना प्रभारी सहित कई पुलिसकर्मियों की पड़ सकती हैं मुसीबत
- घर में अकेले थी आदिवासी महिला जिसे मनेंद्रगढ़ पुलिस रात में घर से उठाकर भेजा था जेल
- ना थाना ना बदला ना जिला बदला एक ही थाने में लंबे समय से कैसे हैं जमे हुए मनेंद्रगढ़ थाना प्रभारी?
- 4 महीने की दुधमुही बच्ची से मां को दूर कर पुलिस ने भेजा था जेल,पुलिस की कार्यवाही की हुई थी निंदा
- पुलिस ने जब आबकारी मामले में इतनी बड़ी कार्यवाही की तो प्रेस विज्ञप्ति क्यों जारी नहीं की?
- आदिवासी गरीब महिला का जेल जाना पूरे शहर में था चर्चा का विषय
- आखिर कब मिलेगा मनेंद्रगढ़ वासियों को इस थाना प्रभारी से निजात
- उप निरीक्षक से निरीक्षक हो गए फिर भी स्थानांतरण का इंतजार,पदोन्नति के बाद तबादले की सूची का इंतजार
- इनके कार्यकाल में बड़े अपराधी पाक साफ छोटे तबके के लोग आरोपी क्यों?

- रवि सिंह -
मनेंद्रगढ़ 16 मई 2023
(घटती-घटना)।

अविभाजित कोरिया से लेकर विभाजित एमसीबी जिले का इकलौता मनेंद्रगढ़ थाना जहां एक प्रभारी अपने 3 साल का कार्यकाल पूरा करने की दहलीज ही पर खड़े है जो 3 दिन बाद पूरा होगा, इनके एक ही थाने में इतने लंबे कार्यकाल के दौरान शिकायतों की लंबी सूची है लेकिन इसके बावजूद इन पर मेहरबानी बरसती रही यह भी एक बड़ा सवाल है कि आखिर मेहरबानी किसकी वजह से बरसती रही? जनता भले दुखी हो जाए पर थाना प्रभारी पर मेहरबानी बरसती रहेगी चाहे क्यों ना चुनाव में हार का सामना करना पड़ेगा पर मेहरबानी तो थाना प्रभारी पर बरसती रहेगी, कुछ इसी अंदाज में मनेंद्रगढ़ थाना प्रभारी पर मेहरबानी बरस रही है? शिकायत करने वाले शिकायत कर रहे हैं मनेंद्रगढ़ थाना प्रभारी से प्रताड़ना की शिकायत कई बार हो चुकी है पर जांच में कथन लेने के बाद पूरा मामला ठंडे बस्ते में पड़ जाता है, दो माह पूर्व मनेंद्रगढ़ थाना प्रभारी सहित कुछ कर्मचारियों की शिकायत मुख्यमंत्री सहित तमाम उच्च अधिकारियों से की गई है और उन पर आरोप लगाया गया है अवैध शराब बिक्री करने वाली महिला को उसके 4 महीने के बच्चे से दूर कर उसे जेल भेज दिया गया, जिसकी शिकायत पर जांच चल रही थी अब सूत्रों का मानना है की जांच अंतिम पड़ाव पर है थाना प्रभारी सहित महिला को घर से उठाकर लाने वाले कर्मचारियों की मुसीबत बढ़ सकती है, जिसे लेकर थाना प्रभारी तरह-तरह के हथकंडे अपना रहे हैं और मामले को कंप्रोमाइज करने के लिए पीड़ित पर दबाव बनाया जा रहा है। आदिवासी नेताओं को भी उस महिला से सुलह कराने के लिए मनाया जा रहा है जोर आजमाइश जारी है पर वही महिला के साथ गोंडवाना गणतंत्र पार्टी उसके न्याय के लिए खड़ी है और न्याय मिले इसके लिए वह पूरा प्रयास कर रही है। सूत्रों की माने तो कुछ पत्रकारों के माध्यम से भी आदिवासी नेताओं से संपर्क कर मामले में पटाछेप करने की जद्दोजहद शुरू है।

यह है पूरा मामला

ज्ञात हो कि महिला के भाई दीपक सिंह ने छत्तीसगढ़ मुख्यमंत्री से शिकायत करते हुए अपनी बहन के साथ हुए घटना की पूरी आप बीति को बताते हुए आरोप लगाया था की मेरे बड़े पापा की लड़की सिपाही पारा में निवास करते हैं। हम आदिवासियों को शासन द्वारा अपने घर में शराब बनाकर पीने की छूट है। दिनांक 25/02/2023 दिन शनिवार को मेरे बहन घर में अकेली थी मेरा जीजा भी बाहर अमरकंटक गए हुए थे, अचानक पुलिस वाले मेरी बहन के घर में दबिश देखकर घुस गए घर में तलाशी लेने लगे 10 बोतल कच्ची महुआ शराब जप्त हुई, मेरी बहन से केस नहीं बनाएंगे ऐसे कह कर पैसे की डिमांड किया, पुलिसकर्मियों के द्वारा 15 हजार की मांग की गई थी मेरी बहन ने कहा कि मेरे पास 2 हजार है अभी आप ले लीजिए बाकी का पैसा मैं आपको कल दे दूंगी नहीं माने, बिना महिला पुलिस के शाम के 07 बजे से 08 का बिच मेरी बहन को जबरदस्ती पुलिस वाले अपने साथ में 4 माह के छोटा बच्चा के साथ गाड़ी में बैठा कर मनेंद्रगढ़ थाना कोतवाली ले गए। घटना दिनांक 25/02/2023 दिन शनिवार मनेंद्रगढ़ कोतवाली थाने में महिला पुलिस के बगैर उपस्थिति रात भर बहन को थाने में बैठा कर रखा गया। दिनांक 26/02/2023 को 10 लीटर शराब जप्त कर, 30 लीटर शराब का केस बना कर जेल भेज गया था, पीड़ित के द्वारा 25/02/2023 सीसीटीवी कैमरा की जांच कर फुटेज की मांग की गई थी। ताकि सचा का पता लग सके की मेरी बहन के साथ कोई अन्याय तो नहीं हुआ है क्योंकि महिला पुलिस के बिना मेरी बहन रात भर थाना में रही। जिसके बाद मामले की जांच शुरू हो गई थी और वही सूत्रों का मानना है कि मामला काफी गंभीर है और इस पर दोषी पुलिसकर्मियों पर कार्यवाही होनी है जिसे लेकर थाना प्रभारी सहित इस मामले में शामिल कर्मचारी दहशत में और मामला कैसे कर पटाक्षेप हो इसका पूरा प्रयास कर रहे हैं।

गोंडवाना गणतंत्र पार्टी एमसीबी जिलाध्यक्ष केवल सिंह

शिकायतकर्ता ने कहा है हमे घर पर पीने के लिए शराब बनाने की थी छूट

शिकातकर्ता ने प्रदेश के मुखिया सहित अन्य को भेजे गए शिकायत में उल्लेख किया है की वह आदिवासी समुदाय से आते है और उन्हे घर पर शराब बनाकर पीने की छूट है। उसके बावजूद उनकी बहन के ऊपर शराब मामले में कार्यवाही की गई है और उनकी बहन जिसका तीन वर्षीय बच्चा भी है को गिरफ्तार किया गया है जो गलत है।

पत्रकार कर रहे थाना प्रभारी को बचाने की पैरवी

जहां पर आदिवासी महिला को सही न्याय मिल सके वहां पर पत्रकार को उनकी सहायता करनी चाहिए पर पत्रकार न्याय को ही प्रभावित करने का प्रयास कर रहे हैं, मनेंद्रगढ़ के एक तथाकथित पत्रकार थाना प्रभारी की पैरवी में आदिवासी नेता को फोन लगाकर महिला व पुलिस के बीच सुलह कराने की बात कर रहे थे। पुलिस में जहां समाज की रक्षा करने की जिम्मेदारी है पर समाज ही पुलिस से असुरक्षित है तो आप समझ सकते हैं की पुलिस समाज को कैसे सुरक्षित रहेगा।

मामला को पटाक्षेप करना आदिवासी नेताओं से साधा जा रहा है संपर्क

मामला भले ही फरवरी 2023 का है पर यह मामला काफी गंभीर है इसलिए जांच भी कछुए की चाल पर हो रही है पर अब सूत्रों की माने तो जांच अधिकारी अपना जांच प्रतिवेदन पुलिस अधीक्षक को सौंप दिया है अब देखना है कि क्या कार्यवाही दोषी पुलिस वालों पर होती है या फिर जांच में दोषमुक्त पाए जाते हैं?

घटती घटना | कोरिया,एमसीबी सरगुजा | अम्बिकापुर, गुरुवार 02 मार्च 2023 | 5

छत्तीसगढ़ के मुखिया से लगाई न्याय की गुहार,मनेंद्रगढ़ पुलिस पर लगाए आरोप

पुलिस अधीक्षक थाना प्रभारी को बचाने का कर रहे प्रयास परिवार आदिवासी नेता को बुलाकर उनके पक्ष में की बात

सूत्रों का कहना है कि पुलिस अधीक्षक थाना प्रभारी से कुछ ज्यादा ही प्रभावित हैं इसीलिए उन्हें बचाने का प्रयास कर रहे हैं आदिवासी नेताओं से उन्हें बचाने के लिए संपर्क भी साधा था पर आदिवासी नेताओं ने न्याय के सामने झुकना मुनासिब नहीं समझा, इसलिए जांच को ही धीमी कर दी गई थी और लगातार आदिवासी नेता से संपर्क कर इस मामले को समझौते पर खत्म करने का प्रयास हो रहा है पर आदिवासी नेता भी यह ठाने बैठे हैं की महिला के साथ न्याय होगा और उसके साथ जो गलत किया है उस पर कार्यवाही जरूर होगी इसके लिए हुए आंदोलन भी कर सकते हैं।

महिला के साथ सही न्याय होना चाहिए

गोंडवाना गणतंत्र पार्टी एमसीबी जिलाध्यक्ष केवल सिंह मरकाम ने प्रेस विज्ञप्ति जारी करते हुए बताया बोरिडान्ड आदिवासी महिला को पुरी रात छोटे से बचे के साथ महिला को थाना कोतवाली में बैठा कर रखा गया, पीड़िता महिला ने एसपी कलेक्टर को शिकायत दी है 2 माह से ऊपर होने जा रहा है। इस पर पुलिस ने क्या कार्रवाई की है? प्रेस मीडिया के सामने खुलासा करें। मरकाम ने कहा कि पुलिस समाज की सुरक्षा के लिए है ना कि समाज कोई असुरक्षित करने के लिए, पुलिस का दायित्व है कि समाज को है मुक्त व सुरक्षित रखें पर ऐसा होता नहीं दिख रहा, गरीब व आदिवासी समुदाय के लोगों पर पुलिस कहर बरसा रही, महिला के साथ जो घटना घटी वह बिल्कुल भी सही नहीं है उसके साथ न्याय होना चाहिए चाहे वह गरीब हो या आदिवासी हो या फिर कमजोर तबके का व्यक्ति हो न्याय पर सभी का अधिकार है, आगे उन्होंने बताया कि गोंडवाना गणतंत्र के हमारे प्रदेश अध्यक्ष के पास एक पत्रकार महोदय का फोन भी आया था मामले को वापस लेने के लिए दबाव बनाया जा रहा है। यह बात हमारे प्रदेश अध्यक्ष संजय कमरों ने हमसे बताया था, मनेंद्रगढ़ थाना प्रभारी सचिन सिंह पर कई आरोप है लिखित में शिकायत भी दी गई है कार्यवाही क्यों नहीं हो रही है? क्योंकि दिनांक 15/05/2023 को मनेंद्रगढ़ एसडीओपी राकेश कुर्रे से मैंने बोरिडान्ड आदिवासी महिला के केस की जानकारी के बारे में पूछा एसडीओपी महोदय का कहना है मैंने विवेचना कर रिपोर्ट एसपी कार्यालय भेज दी है, शासन प्रशासन से अनुरोध है की बोरिडान्ड आदिवासी महिला का मामला जल्द से जल्द न्याय करे और जो भी पुलिसकर्मी दोषी हैं उस पर उचित कार्रवाई करें।

शासन की योजना का प्रचार करने के बजाय शासकीय दीवारों पर पार्टी का हो रहा प्रचारः केवल सिंह मरकाम

- एमसीबी गोगपा जिलाध्यक्ष ने शासकीय दीवारों पर राजनितिक पार्टी के प्रचार प्रसार को लेकर कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

- रवि सिंह -
मनेन्द्रगढ़ बैकुण्ठपुर, 16 मई 2023
(घटती-घटना)।

गोंडवाना गणतंत्र पार्टी एमसीबी जिलाध्यक्ष केवल सिंह मरकाम ने कहा कि सत्ता पक्ष के नशे में कांग्रेस पार्टी के लोग इतना चूर है कि उन्हें यह नहीं पता कि शासकीय दीवारों में किसी पार्टी का प्रचार नहीं किया जा सकता, यदि इतना ही प्रचार का शौक है तो अपने सरकार की योजना का प्रचार करें तो ज्यादा अच्छा है पर यहां पर राजनीतिक पार्टी का प्रचार करना न्यायोचित है और इसके खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए।

शासकीय भवनों के दीवारों पर कांग्रेस पार्टी के प्रचार को लेकर गोंडवाना गणतंत्र पार्टी के एमसीबी जिलाध्यक्ष केवल सिंह मरकाम ने एमसीबी जिले के कलेक्टर को ज्ञापन सौंपते हुए बताया कि शासकीय स्कूल, कॉलेज के दीवाल पर कॉन्ग्रेस पार्टी का प्रचार-प्रसार हो रहा है ऐसा लग रहा है कि अब चुनाव आज चला है और हर दीवारों पर सिर्फ कांग्रेस के पंजा छाप व स्थानीय विधायक का प्रचार प्रसार किया जा रहा है इससे पूर्व में भी इसी प्रचार-प्रसार को लेकर विवाद की स्थिति नेशनल हाईवे पर देखी गई थी, इसके बावजूद प्रचार प्रसार का मामला थमने का नाम नहीं ले रहा। इसे अब सत्ता का नशा ना कहें तो क्या कहें? इतना ही प्रचार-प्रसार का शौक है तो अपनी सरकार की योजनाओं का हीं प्रचार प्रसार कर ले जो इस समय चल रही है पर अपनी पार्टी का व्यक्तिगत प्रचार करना कहीं से भी सही नहीं है, इसका विरोध गोंडवाना गणतंत्र पार्टी करती है और इस पर कार्यवाही होनी चाहिए इसकी मांग भी करती है। जनकपुर मार्ग में वन विभाग के मुनारा पर भी विज्ञापन लिखा गया है। जो कि उचित नहीं है अतः कलेक्टर से अनुरोध किया गया है की जहां कहीं शासकीय दीवारों पर विज्ञापन लिखा गया है उस जगह से विज्ञापन को मिटाने का कार्य शीघ्र कराया जाए। गोंडवाना गणतंत्र पार्टी इसका भरपूर विरोध करती है और यह मांग करती है शासन प्रशासन के कार्यप्रणाली पर हमें सवाल करना पड़े जहां कहीं भी विज्ञापन हो लगाए गए हैं उसे तत्काल हटाने की कृपा करें। नियम विरुद्ध शासन कोई कार्य न करें। गोंडवाना गणतंत्र की मांग है कि एक सप्ताह के अन्दर शासकीय दीवारों से विज्ञापन हटाया जाए। अन्यथा गोंडवाना गणतंत्र पार्टी जो सिर्फ आज तक पिछल कई महीनों से आवेदन पर आवेदन दिया है कार्यवाही किसी एक पर भी नहीं हुई है। अन्यथा हम लोग आंदोलन कर अपनी बात को शासन प्रशासन से मनवाने के लिए बाध्य होंगे जिसकी समस्त जवाबदारी शासन प्रशासन की होगी।

तहसीलदार ने हड़प ली जमीन,पीड़ित ग्रामीण ने की कलेक्टर से शिकायत

- राजा मुखर्जी -
कोरबा, 16 मई 2023
(घटती-घटना)।

एक ग्रामीण ने तहसीलदार कृष्ण कुमार लहरे पर जमीन हड़पने का सनसनी खेज आरोप लगाया है। मामले की शिकायत कलेक्टर जन चौपाल में की गई है। पीड़ित ने न्याय नहीं मिलने तक जल त्याग करने और आत्मदाह की चेतावनी दी है।तहसील बरपाली के ग्राम गुमिया निवासी मुकेश कुमार साहू पिता फूलचंद साहू ने यह शिकायत की है। शिकायत में कहा है कि वह अपने खुद के जमीन पर दुकान घर और बाड़ी लगा के जीवन यापन कर रहा है। जिस जमीन को तहसीलदार कृष्ण कुमार लहरे पिता गोरे लाल लहरे आईटीआई रामपुर कोरबा वाले ने अपने नाम पर अवैध रजिस्ट्री करा लिया है। जिसका रजिस्ट्री गलत है और न्यायालय में केस चल रहा था। जिस पर आदेश दिया गया है कि ये रजिस्ट्री में दोष है और गलत है तो यह रजिस्ट्री इस न्यायालय से रद्द नहीं हो सकता इसलिए समक्ष न्यायालय आवेदक चाहे तो जा सकता है, लेकिन बरपाली तहसील से बार- बार आरआई और पटवारी आकर जबरदस्ती सीमांकन कर रहे हैं और ना ही कोई चौहद्दी है एवं किसान को सीमांकन का नोटिस देता है साथ ही धनीराम भार्गव और दूजे राम ने दुकान में आकर उसे कालर पकड़कर मारने की कोशिश किया था और ये सब आरआई और पटवारी सामने होते हुए देख रहे थे जिसपर मौके पर पिता फूलचंद साहू और मां के आने पर उनसे भी पटवारी और आरआई गाली गलौज किया था। पीड़ित का कहना है कि जब तक इस रजिस्ट्री पेपर को रद्द करने का आदेश नहीं देते तब तक हम जल का एक बूंद नहीं पियेंगे। त्रस्त मुकेश साहू ने आत्मदाह करने का फैसला लिया है।जिसके जिम्मेदार तहसीलदार कृष्णा कुमार,धनी भार्गव और दूजे राम होंगे।

जनप्रतिनिधियों की उदासीनता से अभी तक वापिस नहीं आ सका लोक निर्माण विभाग का संभागीय कार्यालय

- जिला विभाजन के 9 महीने बाद भी मनेंद्रगढ में हो रहा संचालित
- शासन ने अभी तक एमसीबी जिले के लिए नही बनाया है विभागीय सेटअप
- कार्यालय कोरिया का और आहरण के लिए एमसीबी कोषालय के लिए जारी हुआ पत्र

- रवि सिंह-
बैकुण्ठपुर 16 मई 2023
(घटती-घटना)।

कोरिया से मनेंद्रगढ का विभाजन बीते वर्ष 15 अगस्त को हुआ था,तब से लेकर नये जिले एमसीबी में कई जिला स्तरीय कार्यालयों की स्थापना की जा चुकी है,मातृ जिले कोरिया में भी कई जिला स्तरीय कार्यालय जो कि मनेंद्रगढ़ में स्थित थे उनमें भी कई कार्यालय कोरिया जिले में वापिस आ चुके हैं लेकिन अभी तक लोक निर्माण विभाग का संभागीय कार्यालय मनेंद्रगढ़ में ही संचालित किया जा रहा है, इसे कोरिया के जिम्मेदार जनप्रतिनिधियों की उदासीनता का प्रत्यक्ष उदाहरण माना जा सकता है। जिला विभाजन के 9 महीने बाद भी कोरिया जिले का कार्यालय मनेंद्रगढ में संचालित होना बड़ा ही हास्यप्रद है तो वहीं अब विभाग के प्रधान कार्यालय द्वारा एक पत्र जारी कर उक्त कार्यालय का लेनदेन एमसीबी कोषालय से करने हेतु कहा गया है,जानकारों का कहना है कि लोक निर्माण विभाग का कार्यालय दबाव के बाद एमसीबी से वापिस नही आ सका है जबकि उसे यहां से संचालित होना चाहिए, क्योंकि वहां पदस्थ स्टाफ की पदस्थापना कोरिया हेतु किया गया था न कि एमसीबी हेतु।

अधिकारी की मनमानी या विधायकों का दबाव,समझ से परे

कोरिया जिला गठन के बाद लोक निर्माण विभाग का संभागीय कार्यालय मनेंद्रगढ में स्थापित किया गया था जबकि कोरिया जिला मुख्यालय में अनुविभागीय अधिकारी का कार्यालय स्थापित था। सभी प्रमुख कार्य संभागीय कार्यालय मनेंद्रगढ से ही संचालित होते थे। गत वर्ष एमसीबी जिले के गठन के बाद से ही कई जिला कार्यालय जो कि मनेंद्रगढ में संचालित थे उन्हे नियमानुसार कोरिया जिले मे वापिस आ जाना था क्योंकि वहां संचालित कार्यालय कोरिया जिले के सेटअप अनुसार संचालित हो रहे थे न कि एमसीबी जिले के लिए। हलांकि कई विभाग ऐसे हैं जिनके बारे में अभी तक शासन ने सुध नही लिया है लेकिन जानकारों का कहना है कि वहां संचालित कार्यालय तत्काल यहां स्थापति होने थे यदि अभी तक कोरिया जिले के कार्यालय एमसीबी से संचालित हो रहे हैं तो यह नियम विरूद्ध है और इसके लिए दोनो जिले के अधिकारियों से लेकर विधायक भी जिम्मेदार माने जा रहे हैं। सूत्रों ने बतलाया कि नए जिले के विधायक यह नही चाहते कि एमसीबी में संचालित हो रहे जिले वापिस कोरिया जांए इसलिए उन कार्यालयों का संचालन अभी तक एमसीबी से ही किया जा रहा है। इस मामले में बैकुंठपुर विधायक का सुस्त रवैया बहुत हद तक जिम्मेदार बताया जा रहा है,विधायक एक जिम्मेदार जनप्रतिनिधि हैं और उनके कार्यकाल में यदि इस प्रकार की स्थिति बनी हुई है तो यह बहुत बड़ी विडंबना है। कुछ सूत्रों ने बतलाया कि लोक निर्माण विभाग के संभागीय कार्यालय मनेंद्रगढ में पदस्थ अधिकारी व स्टॉफ भी कोरिया नही आना चाहते इसलिए इस प्रकार की स्थिति निर्मित हुई है।

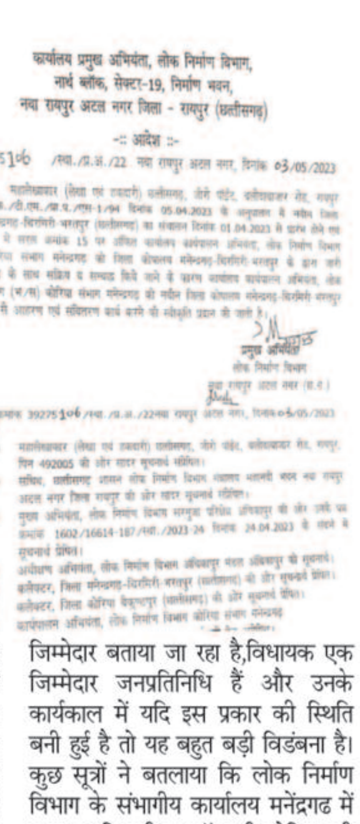
कार्यालय प्रमुख अभियंता, लोक निर्माण विभाग,
नार्थ ब्लॉक, सेक्टर-19, निर्माण भवन,
नवा रायपुर अटल नगर जिला - रायपुर (छत्तीसगढ़)
-: आदेश :-

प्रमुख अभियंता ने जारी किया पत्र

एमसीबी जिले में कोषालय स्टाफ की पदस्थापना अप्रैल माह से हुई है,जिसके बाद शासकीय लेनेदेन के मामले में दिक्कते आ रही थी,अब जाकर लोक निर्माण विभाग के प्रमुख अभिंयता ने इस विषय में एक पत्र जारी किया है। जारी पत्र के अनुसार महालेखाकार छत्तीसगढ के पत्र दिनांक 5 अप्रैल 2023 के अनुपालन में नवीन जिला कोषालय एमसीबी का संचालन 1 अप्रैल 2023 से प्रारंभ होने एवं संलग्न सूची में सरल क्रमांक 15 पर अंकित कार्यालय कार्यपालन अभियंता लोक निर्माण विभाग कोरिया संभाग मनेंद्रगढ को जिला कोषालय एमसीबी के द्वारा जारी डीडीओ कोड के साथ सक्रिय व संबंध किये जाने के कारण कार्यालय कार्यपालन अभियंता लोक निर्माण विभाग कोरिया संभाग मनेंद्रगढ को नवीन जिला कोषालय एमसीबी से आहरण एवं संवितरण कार्य करने की स्वीकृति प्रदान की जाती है। जानकारों का कहना है कि इस प्रकार का पत्र गलत जारी कराया गया है यह भी कोरिया जिले के साथ छलावा है।

अभी भी कई विभागो की नही हुई स्थापना

एमसीबी जिले के गठन के बाद इसे शासन का सुस्त रवैया ही कहा जा सकता है कि अभी तक वहां नये जिला कार्यालयों की स्थापना नही की जा सकी है,जिससे कि कोरिया में पदस्थ कई विभाग के अधिकारियों को एमसीबी का कार्य भी देखना पड़ रहा है। बतलाया जाता है कि समग्र शिक्षा अभियान, सांख्यिकी, आदिवासी विकास, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी आदि अनेक ऐसे जिला कार्यालय है जिनकी स्थापना अभी तक एमसीबी मे नही हुई है जिससे कि कोरिया जिले के अधिकारियो को एमसीबी जाकर काम करना पड़ रहा है। रोजगार कार्यालय जो कि कोरिया जिले का है वह भी एमसीबी में संचालित था और अभी भी वहीं से संचालित किया जा रहा है। एमसीबी में शिक्षा विभाग के लिए ओएसडी के रूप में कोरिया के पूर्व डीएमसी अजय मिश्रा की पदस्थापना की गई है जिनके द्वारा शिक्षा विभाग का कार्यालय अस्थाई तौर पर संचालित किया जा रहा है। इस विषमता के कारण प्रशासनिक स्तर पर कामकाज में भी दिक्कतो का सामना करना पड़ रहा है।

खड़गवां विकास खंड में नदी में उच्च स्तरीय पुल एवं पहुंच मार्ग का निर्माण कार्य बिना आर एम सी प्लांट के घटिया और गुणवत्ता विहीन हो रहा है?

और इसका लोकार्पण भी किया जा रहा है जबकि क्षेत्र में निर्माण हुए सभी पुल बिना आर एम सी प्लांट के निर्माण कार्य हुए हैं उसके बाद भी इनके गुणवत्ता और मापदंड की अनदेखी कर अधिकारियों के द्वारा पुल का लोकार्पण भी करा दिया जा रहा है ?

- राजेन्द्र शर्मा -
खड़गवां,16 मई 2023 (घटती-घटना)।

शिकायत के बाद भी बिना आर एम सी प्लांट के करोड़ों रुपए के लागत का उच्चस्तरीय पुल का निर्माण कार्य ठेकेदार और छत्तीसगढ़ शासन लोक निर्माण विभाग सेतु संभाग अंबिकापुर उप संभाग मनेंद्रगढ़ के अधिकारियों के द्वारा आपसी साठ गांठ से धड़ल्ले से पुल का निर्माण कार्य कराया जा रहा है?

» खड़गवां क्षेत्र में कई पुल का गुणवत्ता विहीन निर्माण कार्य गुणवत्ता विहीन सामाग्री का उपयोग कर किया जा रहा है। पुल का निर्माण कार्य ठेकेदार के द्वारा मनमाने तरीके से धड़ल्ले से किया जा रहा है?

» खड़गवां क्षेत्र में जितने भी उच्चस्तरीय पुल का निर्माण कार्य लोक निर्माण विभाग सेतु निगम संभाग अंबिकापुर उप संभाग मनेंद्रगढ के अधिकारीओ के द्वारा कराया जा रहा है वो लोक निर्माण सेतु संभाग अंबिकापुर उप संभाग मनेंद्रगढ़ के अधिकारियों के संरक्षण में ठेकेदार के द्वारा कराया जा रहा है?

» इस करोड़ों रुपए की लागत का पुल बिना आर एम सी प्लांट के निमित्त किया जा रहा है क्या इसकी गुणवत्ता पर प्रश्नचिन्ह नहीं लग रहा है। क्या भविष्य में किसी प्रकार की कोई जनमाल की हानि हुई तो क्या ठेकेदार या विभागीय अधिकारी जिम्मेदार होंगे?

» क्या इस करोड़ों के लागत के पुल निर्माण कार्य की क्वालिटी बिना आर एम सी प्लांट के निर्माण कार्य को कैसे कार्य करने की अनुमति प्रदान कर दी इस पर भी प्रश्नचिन्ह लग रहा है?

» इस खड़गवां क्षेत्र में बन रहे और बन चुके उच्चस्तरीय पुलो की लागत करोड़ों रुपए होने के बाद भी इनके गुणवत्ता और मापदंड को ठेकेदार

के द्वारा बिना आर एम सी प्लांट के निर्माण कार्य किया गया है और किया जा रहा है जबकि शासन के सारे नियम शर्तों का पालन करने का अनुबंध ठेकेदार के द्वारा किया जाता हैं उसके बाद ही विभाग के द्वारा निर्माण कार्य का आदेश दिया जाता हैं?

क्या लोक निर्माण विभाग सेतु संभाग अंबिकापुर के एवं उप संभाग मनेंद्रगढ़ के अधिकारियों को पता नहीं था कि आर एम सी प्लांट के बिना उच्चस्तरीय पुल का निर्माण कार्य नहीं किया जाना है?

क्या जो नियम शर्तें शासन के द्वारा तय किया गया था उसके तहत उच्च स्तरीय पुल का निर्माण कार्य किया जा रहा है क्या ?

देवाडाड से पेंडरी व्हाया मंगोरा से जाने वाले मार्ग पर ग्राम पंचायत मंगोरा में बुधरा नदी में उच्च स्तरीय पुल का निर्माण कार्य सकडा जरौधा से पोंड़ीडीह सड़क पर बरदर जलाशय के वेस्ट वियर के ऊपर पुल निर्माण कार्य एवं खड़गवां विकास खंड में अन्य पुल निर्माण कार्य में लोक निर्माण विभाग सेतु निगम विभाग संभाग अंबिकापुर उपसंभाग मनेंद्रगढ़ के द्वारा नियम शर्तों को दरकिनार कर ठेकेदार के द्वारा विभाग के अधिकारियों के साथ सांठगांठ कर करोड़ों रुपए की लागत से निर्माणाधीन पुल में बिना आर एम सी प्लांट के निर्माण कार्य को किया जा रहा है जो एक गंभीर जाच का विषय है? जो निर्माणाधीन पुल पर कई तरह के गुणवत्ता पर सवाल खड़ा कर रहा है ?

करोड़ों रुपए की लागत का उच्च स्तरीय पुल लोक निर्माण सेतु विभाग के नियम शर्तों एवं मापदंडो के बिना पुल का निर्माण कार्य कैसे करा दिया जा रहा है ये सेतु संभाग अंबिकापुर उप संभाग मनेंद्रगढ़ पर सवालिया निशान खड़ा कर रहा है?

इस उच्च स्तरीय पुल के निर्माण कार्य में जो गिट्टी का इस्तेमाल किया जा रहा है वह गिट्टी क्वालिटी कंट्रोल के एवं पुल निर्माण कार्य किए जाने के भी गुणवत्ता विहीन है एवं पुल निर्माण में जो कांक्रीट बिना आर एम सी प्लांट के तैयार किया जा रहा है उसे कैसे क्वालिटी कंट्रोल के द्वारा पास कर दिया गया होगा जबकि इस पुल निर्माण कार्य की जांच करने रायपुर कि टीम भी आई थी क्या उन्हें पुल निर्माण स्थल पर आर एम सी प्लांट नहीं दिखाई दिया इस करोड़ों की लागत का पुल निर्माण कार्य करने वाले ठेकेदारों की लम्बी पहुंच होने के कारण किसी प्रकार की कोई कार्य वाही का ना होना कई शंकाओं को जन्म देता है जब इस पुल निर्माण कार्य में जिस प्लांट और मशीनों से सामाग्री को तैयार कर गुणवत्ता और मापदंड पर निर्माण कार्य किया जाना है उसका उपयोग ही नहीं किया जा रहा है। तो उसकी गुणवत्ता कितनी होगी ये सहज ही अंदाजा लगाया जा सकता है?

ये क्षेत्र में हों रहे पुल निर्माण कार्य लोक निर्माण सेतु विभाग के अधिकारियों के आंखों के सामने बिना आर एम सी प्लांट के उच्च स्तरीय पुलो का निर्माण कार्य धड़ल्ले से ठेकेदारों के द्वारा कराया जा रहा है। इस तरह के निर्माण कार्य से उच्च स्तरीय पुल की गुणवत्ता क्या होगी ये बुद्ध जीवों के द्वारा सोचा और समझा जा सकता है कि कितनी गुणवत्ता से करोड़ों रुपए की लागत से हो रहे निर्माण कार्य कितने गुणवत्ता युक्त हो रहे हैं।

इस पुल निर्माण कार्य में गुणवत्ता विहीन 20 एम एम गिट्टी की जगह 25 एवं 30 एम एम गिट्टी का उपयोग जो किया गया है उस गिट्टी का उपयोग पुल निर्माण कार्य में नहीं किया जाना है मगर अधिकारियों और ठेकेदार की मिली भगत से कार्य पूर्ण किए कई पुलों का निर्धारित दिनांक समाप्त होने के बाद भी ठेकेदार के द्वारा मनमाने ढंग से पुल निर्माण कार्य घटिया सामाग्री का उपयोग कर कंक्रीट कार्य किया जा रहा है।

*करोड़ों की लागत के पुल का निर्माण कार्य बिना आर एम सी (रेडी मिक्स कंक्रीट) प्लांट किया जा रहा है और सीमेंट कांक्रीट का निर्माण कार्य इस भीषण गर्मी में जब की दिन का तापमान 40 से 42 डिग्री सेल्सियस होने के बाद भी कांक्रीट कार्य किया जा रहा है जबकि सीमेंट कांक्रीट का निर्माण कार्य उच्च तापमान पर नहीं किया जाना है इस निर्माण कार्य को एक निर्धारित तापमान पर किया जाना है जो विभागीय अधिकारियों एवं राज्य स्तर से आई उच्च अधिकारियों की टीम के सामने सारे नियम शर्तों को दरकिनार कर मनमाने ढंग से पुल का निर्माण कार्य किया जा रहा है।

क्या सही निर्माण कार्य हों रहा है इससे ऐसा प्रतीत होता है कि ठेकेदार के साथ उच्च स्तरीय अधिकारियों एवं विभागीय अधिकारियों की मिलीभगत से किया जा रहा है।

इस संबंध में लोक निर्माण सेतु निगम विभाग के कार्य पालन अभियंता ने इस पुल निर्माण कार्य में आर सी सी कंक्रीट निर्माण कार्य में आर एम सी प्लांट के बिना पुल का निर्माण कार्य नहीं किया जाना है ये सेतु संभाग अंबिकापुर के कार्य पालन अभियंता के द्वारा कहा जा रहा है।

इस उच्च स्तरीय पुल निर्माण कार्य के साइड इंजिनियर जी आर कवर ने कहा कि पुल निर्माण कार्य में आर एम सी प्लांट के बिना कंक्रीट कार्य किया जा सकता है।

अब सवाल ये उठता है कि इस उच्च स्तरीय पुल निर्माण कार्य में विभागीय कार्य पालन अभियंता ने कहा कि बिना आर एम सी प्लांट के पुल निर्माण कार्य में कंक्रीट का कार्य नहीं किया जा सकता है ठेकेदार को निर्माण कार्य प्रारंभ से पहले आर एम सी प्लांट लगा कर ही कार्य करना है और एक तरफ पुल निर्माण कार्य के साइड इंजिनियर जी आर कवर कह रहे हैं कि बिना आर एम सी प्लांट के निर्माण कार्य किया जा सकता है अब सवाल उठता है कि इस निर्माण कार्य में हो रही लापरवाही में उच्च अधिकारी के द्वारा दिए गए जानकारी को माने या साइड इंजिनियर जी आर कवर के द्वारा दी गई जानकारी को माने?

विभागीय एस डी ओ फोन नहीं उठाते हैं जिसके कारण पुल निर्माण से संबंधित जानकारी प्राप्त नहीं हो रही है।

दहेज का पैसा लेकर शादी करने से इंकार

पिता-पुत्र को पुलिस ने झारखंड से किया गिरफ्तार

- संवाददाता -
कोरबा,16 मई 2023 (घटती-घटना)।

मामला डी डी एम रोड तुलसी नगर का है जहां प्रार्थी अमित सिंह पिता स्व. बिरेन्दर सिंह उम्र 24 वर्ष साकिन डी. डी. एम. रोड तुलसी नगर का दिनांक 19.04.2023 को थाना कोतवाली उपस्थित आकर लिखित रिपोर्ट दर्ज कराया था कि प्रार्थी की बहन नेहा सिंह की शादी का रिश्ता रेल्वे कालोनी गोमो तहसील व जिला धनबाद निवासी विकास सिंह पिता अशोक सिंह के साथ तय किये थे। जिसकी विवाह के विषय में विकास सिंह, अशोक सिंह, राकेश सिंह, सुभाष सिंह, सावित्री प्रसाद, एवं अयोध्या सिंह के द्वारा दहेज के रूप में बारह लाख रूपये प्रार्थी के पिता बिरेन्दर सिंह से मांग किये और धीरे-धीरे कुल विभिन्न किश्त में शादी करने से इंकार कर देंगे कहते हुये डरा धमका कर कुल 21 लाख रूपये लिये उसके बाद भी और पैसा की मांग करने लगे तथा शादी करने से इंकार कर धोखाधड़ी किये तथा दिये गये रूपयों को भी लौटाने से मना कर दिये कि रिपोर्ट पर थाना कोतवाली कोरबा में धारा-420, 384, 34 भा.द.वि. व 05 दहेज प्रतिषेध अधिनियम कायम कर विवेचना कार्यवाही में लिया गया। मामले की

गंभीरता को देखते हुये घटना के बारे में पुलिस अधीक्षक महो को अवगत कराया गया। पुलिस अधीक्षक ने सभी आरोपियों को जल्द गिरफ्तार कर कड़ी कार्यवाही के निर्देश दिये। घटना के बाद अतिरिक्त पुलिस अभिषेक वर्मा एवं नगर पुलिस अधीक्षक कोरबा विश्वदीपक त्रिपाठी के मार्गदर्शन पर नगर निरीक्षक रूपक शर्मा के नेतृत्व में आरोपियों का पकड़ने के लिये कोतवाली पुलिस की टीम बनाकर झारखंड भेजा गया। जहां दो आरोपी अशोक कुमार सिंह पिता स्व. राम राज सिंह उम्र 59 वर्ष साकिन सुभाष नगर गोमो थाना हरिहरपुर जिला धनबाद (झारखण्ड) एवं राकेश सिंह पिता अशोक कुमार सिंह उम्र 31 वर्ष साकिन सुभाष नगर गोमो थाना हरिहरपुर जिला धनबाद (झारखण्ड) को कड़ी मशक्कत कर घेराबंदी कर पकड़े तथा माननीय न्यायालय से ट्रांजिट रिमांड प्राप्त कर कोरबा ले करआय, शेष 4 आरोपियों की पता तलाश जारी है शीघ्र किया जायेगा गिरफ्तार आरोपी फरार है। मामले में दोनों आरोपियों के विरूद्ध अपराध क्रमांक- 263 / 2023 धारा 420, 384, 34 भा.द.वि. व 05 दहेज प्रतिषेध अधि पर्याप्त अपराध सबूत पाये जाने तथा अपना अपराध स्वीकार करने पर विधिवत गिरफ्तार कर मामनीय न्यायालय पेश किया जा रहा है।उपपरियोजनाओं में नगर निरीक्षक रूपक शर्मा के नेतृत्व में स.उ.नि. ईश्वरी प्रसाद लहरे, स.उ.नि. लक्ष्मीप्रसाद कुर्रे, आरक्षक सुनील राजपूत व म. आर. राजेश्वरी लकड़ा की सक्रिय भूमिका रही।

जन चौपाल में खेल मैदान में ठेले,खोमचे और सब्जी दुकान को आमजनों द्वारा हटाने की गई मांग

- संवाददाता -
कोरबा,16 मई 2023 (घटती-घटना)।

कलेक्टोरेट कार्यालय के सभाकक्ष में आयोजित जन चौपाल में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए लोगों ने अधिकारियों के सामने अपनी शिकायतें प्रस्तुत कर निराकरण की मांग की। कलेक्टर संजीव कुमार झा के निर्देशन में अपर कलेक्टर विजेंद्र कुमार पाटले, श्री प्रदीप साहू ने आम लोगों से आवेदन लेकर उनकी समस्याओं को गंभीरता से सुना और संबंधित अधिकारियों को पत्र अग्रेषित कर इसके त्वरित निराकरण करते हुए आवेदकों के सूचना के लिए जनचौपाल के वेबसाइट पर निराकरण की स्थिति को अपलोड करने के निर्देश दिए। जन चौपाल में आज कुल 140 आवेदन प्राप्त हुए हैं। जिसके अंतर्गत पम्प हाऊस-पंद्रह ब्लॉक कॉलोनी अंतर्गत खेल मैदान में ठेले-खोमचे, सब्जी, मछली और चिकन की दुकानें संचालित होने से आसपास गंदगी फैलने तथा असामाजिक तत्वों का जमावड़ा लगने की शिकायत की गई। खेल मैदान को अतिक्रमण से मुक्त कराने और बच्चों तथा खिलाड़ियों के लिए माहौल विकसित करने की मांग की गई। पम्प हाउस-पंद्रह ब्लॉक तुलसीनगर मार्ग में गड्ढे निर्मित होने तथा इस सड़क में दिन-रात ट्रैक्टर और मिनी ट्रक संचालित होने से दुर्घटनाओं की संभावना बनने की शिकायत करते हुए मार्ग में ब्रेकर बनाने की मांग की गई। अपर कलेक्टर ने सम्बंधित विभाग के अधिकारियों को कार्यवाही के लिए निर्देशित किया है।जनचौपाल में ग्राम कोरकोमा के दिव्यांग बरंग साय राठिया निःशक्तजन विवाह प्रोत्साहन योजना के तहत दी जाने वाली सहायता राशि उपलब्ध कराने का आवेदन लेकर पहुंचे। उन्होंने अधिकारियों को जानकारी देते हुए बताया कि वर्ष 2020 में निःशक्तजन विवाह प्रोत्साहन योजना के तहत उनका विवाह हुआ था, उनकी पत्नी भी दिव्यांग है। योजना के अंतर्गत विवाहित जोड़े में से दोनों के निःशक्त होने पर एक लाख रुपए सहायता राशि दी जाती है, परंतु आज तक उन्हें सहायता राशि नहीं मिल पाई है। अपर कलेक्टर ने उक्त प्रकरण को गंभीरता से लेते हुए समाज कल्याण विभाग के अधिकारी को तत्काल जांच करते हुए राशि उपलब्ध के निर्देश दिए।

कटघोरा विकासखंड के ग्राम जवाली के रहने वाले गजरूप सिंह द्वारा अपने मकान के सामने अवैध निर्माण पर रोक लगाने हेतु जनचौपाल में आवेदन किया गया। अपर कलेक्टर ने एसडीएम कटघोरा को आवेदन की जांच कर आवश्यक कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया।

शासकीय जमीन पर हो रहे अवैध कब्जे पर वार्ड पार्षद ने कलेक्टर से की शिकायत

- संवाददाता -
कोरबा,16 मई 2023 (घटती-घटना)।

जिले में शासकीय भूमि पर कब्जा करने का प्रयास किया जा रहा है जिसे लेकर वार्ड पार्षद प्रदीप जायसवाल ने कलेक्टर से शिकायत की है। पार्षद ने शिकायत में कहा है कि

वार्ड नं. 29, पोड़ीबहार में शासकीय वन भूमि खसरा न.728 स्थित है। वार्ड के बच्चों के द्वारा उक्त भूमि को खेल के मैदान के रूप में उपयोग किया जाता है, साथ ही धार्मिक कार्यक्रम जैसे दुर्गा पूजा, गणेश पूजा आदि विगत 10-12 वर्षों से उसी भूमि पर किया जाता है । वर्तमान में उक्त भूमि को कुछ अतिक्रमण कर्ताओं व जमीन दलालों के द्वारा जबरन कब्जा किया जा रहा है। जिस कारण वार्ड में खेल मैदान व धार्मिक पूजा पाठ आदि की समस्या उत्पन्न हो जायेगी। इसलिए उक्त शासकीय वन भूमि खसरा नं. 728 को वार्ड के बच्चों के खेल मैदान के रूप में संरक्षित किया जाना अति आवश्यक है। उक्त भूमि को भू-व्यवस्थापन के जरिए दबंग लोगों द्वारा अपने नाम पर कराने का प्रयास किया जा रहा है। जिससे वार्ड नं. 29 के वार्ड वासियों को आपत्ति है। अन्यथा की स्थिति में वार्डवासियों के द्वारा उग्र आंदोलन किया जावेगा।

शिकायत के बाद भी महापौर के जाति प्रमाण पत्र की नहीं हुई जांच

» पार्षद ऋतु ने कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

- संवाददाता -
कोरबा,16 मई 2023 (घटती-घटना)।

नगर निगम के वार्ड क्रमांक 13 की पार्षद ऋतु चौरसिया ने महापौर राजकिशोर प्रसाद के जाति प्रमाण पत्र को फर्जी बताते हुए पूर्व में शिकायत की थी। शिकायत के बाद भी जाति प्रमाण पत्र की जांच नहीं होने से अब आक्रोश भड़कने लगा है। अब पार्षद ने पुनः मामला कलेक्टर के संज्ञान में लाते हुए लंबित शिकायत की जिला स्तरीय प्रमाण पत्र जांच समिति से जांच कराने की मांग की है। पार्षद ऋतु चौरसिया ने बताया कि उनके द्वारा 12 फरवरी 2021 को महापौर राजकिशोर प्रसाद के जाति प्रमाण पत्र की कूटनीतिक रूप से बनवाए जाने संबंधित शिकायत कलेक्टोरेट कार्यालय के जिला स्तरीय प्रमाण पत्र सत्यापन समिति में की गई थी। अभी तक उक्त जांच की कार्यवाही नहीं की गई है। यह जनहित का विषय है। कूटनीतिक तरीके से दस्तावेज निर्माण कर राजकिशोर प्रसाद महापौर पद पर काबिज हैं। उन्होंने मांग की है कि उक्त जांच कार्यवाही को पूर्ण करा कर न्याय देने हेतु कार्यवाही करें अन्यथा आगामी सात दिवस पश्चात जनता के साथ सुस्त प्रशासनिक रवैये के विरुद्ध आंदोलन के लिए वे बाध्य होंगे।

महिला बाल विकास विभाग कार्यालय में 355 आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को स्मार्टफोन का वितरण

- संवाददाता -
लखनपुर,16 मई 2023 (घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ राज्य सरकार ने आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को वेतन वृद्धि की सौगात के बाद एक और नई सौगात दी है अब आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के हाथों में स्मार्टफोन होगा। स्मार्टफोन मिलने के बाद आंगनबाड़ी केंद्रों में संचालित योजनाओं की जानकारी भेजने कार्यालयों में कार्यकर्ताओं को आसानी होगी। इसी कड़ी में 16 मई दिन मंगलवार को लखनपुर महिला बाल विकास विभाग कार्यालय में स्मार्टफोन वितरण कार्यक्रम आयोजित की गई जिसमें अतिथि के रूप में जनपद अध्यक्ष श्रीमती मोनिका सिंह पैकरा जनपद उपाध्यक्ष अमित सिंह देव, विशिष्ट अतिथि किसान कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष राम सुजान द्विवेदी मौजूद रहे।सुपरवाइजरो के उपस्थिति में जनपद अध्यक्ष व उपाध्यक्ष के हाथो आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को स्मार्ट फोन का वितरण किया गया है। स्मार्टफोन मिलने उपरांत कार्यकर्ताओं के बीच खुशी का माहौल है। गौरतलब है कि

आंगनबाड़ी केंद्रों में संचालित योजनाओं की जानकारी भेजने की जिम्मेदारी कार्यकर्ताओं की है पोषण आहार वितरण, टीकाकरण, वजन त्यौहार ,बच्चों का वजन जैसे आवश्यक जानकारी आंगनबाड़ी केंद्रों के रजिस्टर में प्रतिदिन दर्ज किया जाता है इन जानकारियों को सप्ताह के अंत में कार्यालय में भेजा जाता है। मैनुअल रिकॉर्ड को भेजने के लिए समय के साथ आवागमन का भी खर्च लगता है साथ ही कार्य भी प्रभावित होता है। इस समस्या को देखते हुए कार्यकर्ताओं के द्वारा सरकार से स्मार्टफोन की मांग लंबे समय से की जा रही थी। मांगो उपरांत छत्तीसगढ़ सरकार के द्वारा पूरे प्रदेश में आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को स्मार्टफोन का वितरण किया जा रहा है। स्मार्टफोन वितरण को लेकर आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं में हर्ष व्याप्त है। इस दौरान आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं ने कहा कि आंगनबाड़ी केंद्रों में संचालित योजनाओं के क्रियाव्यन में काफी आसानी होगी साथ ही उन्होंने सरकार के प्रति आभार व्यक्त किया है।स्मार्टफोन वितरण के दौरान सहायक ग्रेड 1रामनारायन रजवाड़े, रामकुमार, सुपरवाइजर आसो तिर्की, मीना रजवाड़े, रीना ठाकुर, पार्वती सिंह , आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, प्रभा दास, फिरोजा खातून ,सुशीला गुप्ता, पावित्री चौधरी, तबस्सुम, सहित सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

कार्यालय कार्यपालन अभियंता
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड बलरामपुर,जिला-बलरामपुर

निविदा आमंत्रण सूचना

निविदा एकल प्रणाली के तहत श्रेणी 'डी' एवं उपर के पंजीकृत ठेकेदारों से प्रपत्र 'ए' में केवल स्पीडपोस्ट/रजिस्टर्ड पोस्ट द्वारा आमंत्रित की जाती है तथा नियत तिथि को उपस्थित निविदाकारों या उनके प्रतिनिधियों के समक्ष खोले जावेंगे।

समय सारणी:-
1. निविदा प्रपत्र हेतु आवेदन देने की अंतिम तिथि- 31/05/2023 (अपरान्ह 5:30 बजे तक)
2. कोरेनिविदा प्रपत्र क्रय करने की अंतिम तिथि - 01/06/2023 (अपरान्ह 5:30 बजे तक)
3. निविदा रजिस्टर्ड/स्पीड पोस्ट डाक से प्राप्त करने की अंतिम तिथि - 02/06/2023(अपरान्ह5:30 बजे तक)
4. निविदायें खोलने की तिथि/समय - 05/06/2023 (पूर्वान्ह 11:30 बजे से)

कार्य का विवरण:- construction of broken Platform work as per Unicef type design at Block - Wadrafnagar,Dist-Balrampur-Ramanujganj

निविदा सूचना क्र.11 दिनांक 09.05.2023 निविदा प्रपत्र का मूल्य 750.00 है।

समूह क्रमांक	विकास खण्ड	नलकूप की संख्या	अनुमानित लागत	धरोहर की राशि
1	वाड्रफनगर	48	438096	4000

निविदा की सामान्य शर्ते,धरोहर राशि,विस्तृत निविदा विज्ञप्ति,निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी कार्यालीन अवधि में कार्यालय से निविदा प्रपत्र क्रय करने की अंतिम तिथि तक प्राप्त की जा सकती है।

जी.नं.-01197/2

कार्यपालन अभियंता
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड
बलरामपुर (छ.ग.)

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी(रा) सूरजपुर,जिला सूरजपुर (छ0ग0)

रा0प्र0क्रं0/ /अ-2/2022-23

-: ईश्तहार :-

एतद् द्वारा आम ग्रामीण जन ग्राम-मानपुर को सूचित किया जाता है कि आवेदक निर्मल सिंह आ0 लाल सिंह, जाति-गोंड़ निवासी ग्राम-मानपुर तहसील-सूरजपुर,जिला-सूरजपुर (छ0ग0) द्वारा उनके स्वत्व एवं अधिपत्य की भूमि ग्राम -मानपुर, प0ह0न0-12 रा0नि0म0-सूरजपुर तहसील-सूरजपुर,जिला-सूरजपुर (छ0ग0) स्थित भूमि खसरा क्रं 710/2 रकबा 0.021 हे0 भूमि को आवासीय प्रयोजन के लिए भूमि व्यपवर्तन हेतु इस न्यायालय में आवेदन-पत्र प्रस्तुत किया गया है।
अतएव उक्त संबंध में ग्राम-मानपुर के किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा किसी विधिक प्रतिनिधि के माध्यम से दिनांक 25.05.2023 को न्यायालयीन समयावधि में उपस्थित होकर दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। उसके पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।
आज दिनांक 11.05.2023 को न्यायालयीन पदमुद्रा एवं मेरे हस्ताक्षर से जारी किया गया।

सील | विशेष कर्त्तव्याधिकारी भूमि व्यपवर्तन,सूरजपुर

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी(रा) भैयाथान,जिला सूरजपुर (छ0ग0)

-: ईश्तहार :-

रा0प्र0क्रं0/ /अ-2/2022-23

एतद् द्वाराआम ग्रामीणजन ग्राम पंचायत/नगर पंचायत/नगर पालिका परिषद बंजा को सूचित किया जाता है कि श्री गुलाब सिंह पिता/पति श्री रनसू निवासी बंजा के द्वारा अपने स्वत्व एवं अधिपत्यकी भूमि खसरा न0- 2662 रकबा 0.41 हे0 जो ग्राम बंजा प0ह0न0 10 रा0नि0म0 शिवप्रसादनगर तहसील भैयाथान जिला सूरजपुर मे स्थित है के आवासीय भू-परिवर्तन (डायवर्सन) हेतु इस न्यायालय में आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।
अतः उक्त संबंध में ग्राम पंचायत/नगर पंचायत/नगर पलिका निगम क्षे0 बंजा के किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा किसी विधिक प्रतिनिधि के माध्यम से प्रकरण में नियत दिनांक 31/05/2023 को न्यायालयीन समयावधि में उपस्थित होकर दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।
आज दिनांक 11/05/2023 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुद्रा से जारी किया गया है।

सील | अनुविभागीय अधिकारी(रा) भैयाथान जिला-सूरजपुर(छ0ग0)

न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर जिला सरगुजा,छ0ग0

ईश्तहार

रा.प्र.क्र.202305021000005 /ब-121/2022-23

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, कि आवेदक अनिकेत तिवारी आ0 स्व0 श्री चन्द्रकांत तिवारी निवासी शहीद भगत सिंह वार्ड नम्बर 28 चर्च के सामने केदारपुर नगर अम्बिकापुर जिला-सरगुजा छ0ग0 के द्वारा मोहल्ला केदारपुर नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लाट नम्बर 1247/2, 1248/3 रकबा क्रमशः 0.08, 0.10 एकड़ भूमि में भू-तल पर रकबा 127.89 वर्गमीटर एवं प्रथम तल पर रकबा 127.89 वर्गमीटर भूमि पर प्रस्तावित नक्शानुसार आवासीय भवन निर्माण कराने की अनापत्ति प्रमाण पत्र हेतु आवेदन पत्र मेनटेनेन्स खसरा एवं प्रस्तावित ब्लूप्रिंट नक्षा की प्रति सहित इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है।
अतः उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो वे अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं या अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 31/05/2023 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।
आज दिनांक 09/05/2023 को मेरे न्यायालयीन मुद्रा एवं हस्ताक्षर से जारी किया गया।

सील | नजूल अधिकारी अम्बिकापुर

CMYK

दिल्ली पर बड़ी जीत दर्ज करने की उम्मीद से उतरेगा पंजाब किंग्स

धर्मशाला, 16 मई 2023। पंजाब किंग्स की टीम बुधवार को यहां दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ बड़ी जीत दर्ज करके इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के प्लेऑफ में जगह बनाने की अपनी उम्मीद को जीवंत रखने की कोशिश करेगी।

दिल्ली की टीम पहले ही प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो चुकी है और वह इस मैच में सम्मान बनाए रखने और पंजाब किंग्स के समीकरण बिगाड़ने की कोशिश करेगी।

पंजाब के लिए अभी तक का अभियान उतार-चढ़ाव वाला रहा है। उसने अब तक छह मैच जीते हैं लेकिन उसे इतने ही मैचों में हार का सामना भी करना पड़ा है। उसकी टीम 12 अंक लेकर आठवें स्थान पर है लेकिन अब भी वह प्लेऑफ में जगह बनाने की दौड़ में शामिल है। उसे हालांकि अपने नेट रन रेट में सुधार करना होगा जो कि अभी माइनस 0.268 है।

पिछले सप्ताह दिल्ली के खिलाफ 31 रन की जीत से पंजाब का मनोबल बढ़ा होगा और शिखर धवन की अगुवाई वाली टीम इस बार भी अनुकूल परिणाम हासिल करने के लिए अपनी तरफ से कोई कसर नहीं छोड़ेगी।

पंजाब को हालांकि अपनी बल्लेबाजी में काफी बेहतर प्रदर्शन करना होगा। दिल्ली के खिलाफ सलामी बल्लेबाज प्रभसिमरन सिंह के अलावा का कोई भी बल्लेबाज नहीं चल पाया था। धवन और कुछ हद तक प्रभसिमरन को छोड़कर उसके बाकी बल्लेबाज अभी तक अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं।

पंजाब के गेंदबाजों को भी अपने प्रदर्शन में सुधार करने की जरूरत है। उसके पास नाथन एलिस, सैम कुरेन और अर्शदीप सिंह के रूप में अच्छा गेंदबाजी आक्रमण है लेकिन वे अक्सर अपने स्कोर का बचाव करने में नाकाम रहे हैं।

दूसरी तरफ दिल्ली कैपिटल्स के लिए यह सत्र बुरे सपने की तरह रहा है और वह प्लेऑफ में जगह बनाने की दौड़ से बाहर हो चुका है।

दिल्ली को इस पूरे सत्र में उसके बल्लेबाजों ने निराश किया। दिल्ली की टीम में शामिल भारतीय बल्लेबाजों में से केवल अक्षर पटेल ही अच्छा प्रदर्शन कर पाए हैं। पृथ्वी साव और सरफराज खान की असफलता दिल्ली को भारी पड़ी है। ऐसे में टीम को शीर्ष क्रम में अपने विदेशी बल्लेबाजों को उतारना पड़ा। कप्तान डेविड वॉर्नर, विकेटकीपर बल्लेबाज फिल सॉल्ट और ऑलराउंडर मिशेल मार्श ने बल्लेबाजी में कुछ हद तक अच्छा प्रदर्शन किया है लेकिन जब यह तीनों जल्दी आउट हो जाते हैं तो दिल्ली की पारी लड़खड़ाने लगती है।

पंजाब के खिलाफ पिछले मैच में दिल्ली की टीम जीत की तरफ बढ़ रही थी लेकिन उसने अपने अंतिम आठ विकेट 67 रन के अंदर गंवा दिए।

दिल्ली की टीम में शामिल भारतीय गेंदबाजों ने हालांकि अच्छा प्रदर्शन किया है। दिल्ली की चार में से तीन जीत में गेंदबाजों ने अहम भूमिका निभाई थी। अनुभवी इशांत शर्मा अपनी भूमिका अच्छी तरह से निभा रहे हैं जबकि खलील अहमद भी उनका अच्छा साथ दे रहे हैं। स्पिनर कुलदीप यादव और अक्षर पटेल ने भी किफायती गेंदबाजी की है।

टीम इस प्रकार हैं:

पंजाब किंग्सः शिखर धवन (कप्तान), शाहरुख खान, मैथ्यू शॉर्ट, प्रभसिमरन सिंह, भानुका राजपक्षे, जितेश शर्मा, गुरनूर सिंह बराड़, ऋषि धवन, लियाम लिविंगस्टोन, अथर्व तायडे, अर्शदीप सिंह, बलतेज सिंह, नाथन एलिस, कगिसो रबाडा, राहुल चाहर, हरप्रीत बराड़, सैम कुरेन, सिकंदर रजा, हरप्रीत भाटिया, विद्वाथ कावेरप्पा, मोहित राठी, शिवम सिंह।

दिल्ली कैपिटल्सः डेविड वार्नर (कप्तान), पृथ्वी साव, मिशेल मार्श, सरफराज खान, अमन हाकिम खान, अभिषेक पोरेल (विकेटकीपर बल्लेबाज), अक्षर पटेल, खलील अहमद, कुलदीप यादव, रोवमैन पॉवेल, रिले रोसौव, मुस्तफिजुर रहमान, चेतन सकारिया, मुकेश कुमार, फिल साल्ट, लुंगी एनगिडी, प्रवीण दुबे, ललित यादव, रिपल पटेल, विक्की ओस्तवाल, ईशांत शर्मा, मनीष पांडे, कमलेश नागरकोटी, यश ढुल।

मैच भारतीय समयानुसार शाम साढ़े सात बजे से शुरू होगा।

एशिया कप 2023 की मेजबानी छिनने के डर से बौखलाया पाकिस्तान

भारत के साथ-साथ श्रीलंका को भी दी धमकी

लाहौर, 16 मई 2023। एशिया कप को लेकर तनाव जारी है। एशिया कप को लेकर पाकिस्तान को मेजबानी दी गई थी। लेकिन भारत ने वहां जाने से साफ तौर पर इनकार कर दिया है। इसके बाद कई अन्य क्रिकेट बोर्डों ने भारत का समर्थन किया है। इसके बाद ऐसी स्थिति बनी है जिससे कि एशिया कप की मेजबानी पाकिस्तान से छिन सकती है। यही कारण है कि पाकिस्तान बौखलाया हुआ है और वह लगातार भारत को धमकी दे रहा है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के प्रमुख नजम सेठी ने एक बार फिर कहा है कि इस बात की बहुत वास्तविक संभावना÷ है कि अगर पाकिस्तान एशिया कप के मेजबानी अधिकार खो देता है तो वह भारत में 2023 विश्व कप का बहिष्कार करेगा।

नजम सेठी ने साफ तौर पर कहा कि भारत को यह स्थिति नहीं बनाना चाहिए। ऐसी स्थिति जहां हम एशिया कप और विश्व कप का भी बहिष्कार करते हैं...और फिर भारत चैंपियंस ट्रॉफी का बहिष्कार करता है...यह एक बड़ी गड़बड़ी होगी। आपको बता दें कि बीसीसीआई के अलावा श्रीलंका और बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने भी कहा है कि एशिया कप का आयोजन पाकिस्तान के बाहर होना चाहिए। श्रीलंका एशिया कप के नए वेन्यू के तौर पर उभरकर सामने आया। लेकिन पीसीबी इसे मानने के लिए तैयार ही नहीं है। इतना ही नहीं, श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड को भी धमकाने की कोशिश की है। पीसीबी ने श्रीलंका से कहा कि अगर वे पाकिस्तान में एशिया कप को लेकर उसका साथ नहीं देंगे तो पाकिस्तानी टीम टेस्ट सीरीज खेलने के लिए श्रीलंका नहीं जाएगी।

पाकिस्तान एक हाईब्रिड मॉडल भी लेकर आया था जिसमें कहा गया था कि भारत के मुकाबले किसी अन्य देश में कराए जा सकते हैं। बाकी के पाकिस्तान में होंगे। फिलहाल खबर यह है कि पाकिस्तान के इस मॉडल को भी खारिज कर दिया गया है। सेठी ने भारत-पाकिस्तान मैच के महत्व पर प्रकाश डाला और पाकिस्तान में खेलने वाली अन्य भारतीय खेल टीमों के उदाहरणों का हवाला देते हुए पाकिस्तान का दौरा करने की भारत की अनिच्छा के पीछे तर्क पर सवाल उठाया। अध्यक्ष ने एक स्पष्टीकरण के लिए आग्रह किया और ऐतिहासिक प्रतिद्वंद्विता को बनाए रखने के महत्व पर जोर देते हुए भारत की क्रिकेट टीम को पाकिस्तान का दौरा करने के लिए कहा। पाकिस्तान को 2023 एशिया कप और 2023 चैंपियंस ट्रॉफी दोनों का आयोजन करना है। ÷बीसीसीआई को एक अच्छा, तर्कसंगत निर्णय लेना चाहिए ताकि हमें आगे बढ़ने में कोई समस्या न हो।

रेयान, दोंडापति का एशियन जूनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप कैंप के लिए चयन

भुवनेश्वर, 16 मई 2023। प्रतिभाशाली स्प्रिंटर्स रेयान बाशा और दोंडापति मृत्यम जयराम को 2023 एशियाई जूनियर एथलेटिक्स चैम्पियनशिप शिविर में भाग लेने के लिए चुना गया है, जो एनएसएससी, बेंगलुरु में आयोजित किया जाएगा।

रेयान और दोंडापति दोनों ओडिशा रिलायंस फाउंडेशन हाई परफॉर्मेंस सेंटर में प्रशिक्षण लेते हैं।

रेयान ओडिशा अंडर-18 लड़कों और भारत अंडर-18 लड़कों का प्रतिनिधित्व करता है। मार्च 2023 में उडुपी में आयोजित 18वीं राष्ट्रीय युवा एथलेटिक्स अंडर-18 चैम्पियनशिप में उनके नाम एक स्वर्ण (100 मीटर स्प्रिंट), दो रजत (200 मीटर स्प्रिंट और 1000 मीटर मेडले रिले में प्रत्येक में एक-एक) पदक हैं। अप्रैल 2023 में उज्बेकिस्तान के ताशकंद में आयोजित 5वीं एशियाई यूथ अंडर-18 एथलेटिक्स चैंपियनशिप में उन्होंने लड़कों की मेडले रिले में रजत पदक जीता था।

दूसरी ओर, दोंडापति मृत्यम जयराम ने खेलो इंडिया यूथ गेम्स में 100 मीटर स्प्रिंट में 10:53 सेकंड के समय के साथ स्वर्ण पदक जीता। उन्होंने 100 मीटर वर्ग में जूनियर फेड कप चैंपियनशिप 2023 और नेशनल जूनियर चैंपियनशिप 2022 में भी पहला स्थान हासिल किया था। उन्हें एशियाई अंडर-20 चैम्पियनशिप शिविर के लिए रिले टीम के लिए भी चुना गया था। फरवरी 2023 में, दोंडापति को इस साल फरवरी में आयोजित खेलो इंडिया यूथ गेम्स में 100 मीटर स्प्रिंट में 10.96 सेकंड के त्रुटिहीन समय के साथ स्वर्ण पदक जीतने के लिए 1 लाख रुपये से सम्मानित किया गया था।

ओडिशा रिलायंस हाई परफॉर्मेंस सेंटर के मुख्य कोच मार्टिन ओवेन्स ने एक मीडिया विज्ञप्ति में रेयान और जयराम के प्रदर्शन के बारे में कहा, ÷मुझे लड़कों पर बहुत गर्व है। वे पिछले कुछ महीनों से असाधारण रूप से अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। मुझे यकीन है कि वे इससे काफी आत्मविश्वास लेंगे और आने वाले महीनों में इसे और बेहतर बनाने की कोशिश करेंगे।

कोच ओवेन्स ने आगे स्प्रिंटर्स की उनके समर्पण और उनकी कड़ी मेहनत के लिए प्रशंसा की। उन्होंने कहा, हमने उन्हें पिछले साल देखा और फिर हमने उन्हें उच्च प्रदर्शन केंद्र में परीक्षण के लिए बुलाया। जब से वे शामिल हुए हैं, वे केवल बेहतर हो रहे हैं और रिकॉर्ड तोड़ रहे हैं। उन्हें हमेशा हमारा पूरा समर्थन मिलेगा और मुझे यकीन है कि बहुत से युवा उन्हें अपने आदर्श और प्रेरणा के रूप में देखेंगे।

मार्सेलो बिल्सा बने उरुग्वे के नए मुख्य कोच

मोंटेवीडियो, 16 मई 2023। मार्सेलो बिल्सा को उरुग्वे की राष्ट्रीय टीम का मुख्य कोच नियुक्त किया गया है और उनका कार्यकाल 2026 विश्व कप तक रहेगा। 67 वर्षीय, डिएगो अलोंसो की जगह पर आये हैं, जिनका अनुबंध कतर में 2022 विश्व कप के ग्रुप चरण से आगे बढ़ने में उरुग्वे की विफलता के बाद समाप्त कर दिया गया था।

एयूएफ के एक बयान में कहा गया है, ÷उरुग्वे फुटबॉल संघ (एयूएफ) ने कनाडा, संयुक्त राज्य अमेरिका और मैक्सिको में 2026 फीफा विश्व कप के लिए राष्ट्रीय टीम के नए कोच के रूप में मार्सेलो बिल्सा को नामित किया है।÷

समाचार एजेंसी शिन्हुआ की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि पिछले साल फरवरी में लीड्स युनाइटेड से अलग होने के बाद से बिल्सा का यह पहला कोचिंग कार्य होगा।

चार दशकों से अधिक के अपने कोचिंग करियर में बिल्सा अर्जेंटीना और चिली की राष्ट्रीय टीमों के प्रभारी भी रहे हैं।

बिल्सा ने उरुग्वे की पेशकश को स्वीकार करने से पहले कथित तौर पर प्रीमियर लीग क्लब बोर्नमाउथ और एवर्टन के साथ-साथ ब्राजील और अर्जेंटीना के क्लबों को आकर्षित किया था।

जोफ्रा आर्चर आगामी एशेज सीरीज से बाहर

लंदन, 16 मई 2023। इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने आईसीसी के अनुसार आयरलैंड के खिलाफ इंग्लैंड के एकमात्र टेस्ट के लिए टीम की घोषणा के दौरान जोफ्रा आर्चर को 16 जून से शुरू होने वाली आगामी एशेज श्रृंखला से बाहर कर दिया।

जोफ्रा आर्चर के लिए निराशा बढ़ती जा रही है क्योंकि इंग्लैंड के तेज गेंदबाज को बाकी गर्मियों के लिए बाहर कर दिया गया है, इस प्रकार उन्हें प्रभावी रूप से एशेज से बाहर कर दिया गया है।

उनकी चिकित्सा स्थिति के कारण उन्हें एशेज श्रृंखला से बाहर कर दिया गया है क्योंकि हाल ही में स्कैन में उनकी दाहिनी कोहनी में तनाव फ्रैक्चर की पुनरावृत्ति का पता चला था, जिसने मुंबई इंडियंस के साथ इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के चल रहे संस्करण में उनका कार्यकाल समाप्त कर दिया था। ईसीबी के आधिकारिक बयान के अनुसार।

आर्चर अब इंग्लैंड और ससेक्स मेडिकल टीमों के साथ रिहैबिलिटेशन से गुजरने के लिए तैयार हैं, जो उनके चोट प्रबंधन पर काम करेंगे।

ईसीबी ने एक बयान जारी किया था जब मुंबई इंडियंस ने आर्चर को बाकी सीज़न के लिए रिलीज़ किया था, जिसमें कहा गया था कि 28 वर्षीय ÷हाल ही में खेलने के दौरान असुविधा से जूझ रहा था÷ लेकिन आईपीएल में आगे कोई हिस्सा नहीं ले सका।

इंग्लैंड मेन्स क्रिकेट के लिए ईसीबी के प्रबंध निदेशक रॉब की ने आईसीसी के हवाले से कहा, ÷जोफ्रा आर्चर के लिए यह निराशाजनक और परेशान करने वाला समय रहा है।÷

÷वह कोहनी की चोट की पुनरावृत्ति तक अच्छी प्रगति कर रहा था, जिसने उसे पहले एक विस्तारित अवधि के लिए बाहर रखा था। ÷हम उनके ठीक होने के लिए शुभकामनाएं देते हैं। मुझे यकीन है कि हम जोफ्रा को इंग्लैंड के लिए उनके सर्वश्रेष्ठ और विजयी खेल में वापस देखेंगे, चाहे कोई भी प्रारूप हो। उम्मीद है, जल्द ही बाद में।

जसप्रीत बुमराह की अनुपस्थिति में, आर्चर से आईपीएल में मुंबई आक्रमण का नेतृत्व करने की उम्मीद की जा रही थी, लेकिन जब वह टीम का हिस्सा थे तो उन्होंने 10 में से केवल पांच मैच खेले। उन्होंने 9.50 की इकॉनमी रेट से केवल दो विकेट लिए।

चोटों की श्रृंखला पर नवीनतम झटका ढेर आर्चर ने पिछले तीन वर्षों के बेहतर भाग के लिए बनाए रखा है। इक्का पेसर जनवरी 2023 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में लौटे, हालांकि केवल दक्षिण अफ्रीका और बांग्लादेश के खिलाफ श्रृंखला के दौरान सफेद गेंद के प्रारूप में।

आर्चर की कोहनी की समस्या 2020 की शुरुआत में हुई थी जब उन्हें तनाव फ्रैक्चर हुआ था जिसने उन्हें साल की पहली छमाही के लिए दरकिनार कर दिया था। 2021 की शुरुआत में, घर पर एक अजीब चोट के बाद उन्हें चाकू के नीचे जाना पड़ा। मई 2022 में उनकी पीठ पर एक तनाव की चोट ने उन्हें पूरे साल के लिए ठंडे बस्ते में डाल दिया।

आर्चर आखिरकार इस साल की शुरुआत में जनवरी 2023 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में लौटे और दक्षिण अफ्रीका और बांग्लादेश के खिलाफ सात मैच (चार वनडे, तीन टी20 अंतरराष्ट्रीय) खेले। उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अपने दूसरे गेम में अपने करियर के सर्वश्रेष्ठ एकदिवसीय आंकड़े (6/40) दर्ज करते हुए अपनी पुरानी लय पाने के संकेत दिए।

एनिमल के पोस्टर में कुल्हाड़ी लिए क्यों दिखे थे रणबीर कपूर?

रणबीर कपूर की फिल्म एनिमल लंबे समय से चर्चा में है। फिल्म की रिलीज करीब आने के साथ दर्शकों की इसको लेकर उत्सुकता बढ़ती जा रही है। फिल्म को लेकर तरह-तरह की खबरें आ चुकी हैं। कई मीडिया रिपोर्ट्स में कहा जा चुका है कि इस फिल्म में रणबीर का बिल्कुल अलग अंदाज देखने को मिलेगा। अब फिल्म से जुड़े एक दिलचस्प दृश्य की बातें सामने आई हैं।

नई खबर के अनुसार, एनिमल में रणबीर का किरदार उनके करियर का सबसे खास किरदार हो सकता है। इसमें उनका नया स्वैग देखने को मिलेगा। फिल्म के एक दृश्य में रणबीर दिल्ली की सड़कों पर कोट और लंबे बालों में चलते हुए नजर आएंगे। उनके साथ कुछ और गुंडे भी हैं। उन सभी का डेथ वारंट आने वाला है। बिना बैकग्राउंड म्यूजिक के भी यह दृश्य रोमांचक लगता है, क्योंकि निर्देशक ने इसे बेहतरीन तरीके से फिल्माया है। इस दृश्य में रणबीर काफी हिंसक होंगे। वह कुल्हाड़ी से लड़ते हुए नजर आएंगे। सूत्रों ने पोर्टल को बताया कि यह एक अलग स्तर का दृश्य है। इसे निर्देशक संदीप रेड्डी वांगा ने मल्टीपल कैमरा के साथ शूट किया है। साथ ही इसमें ज्यादा कट नहीं हैं। हाथ में कुल्हाड़ी लिए और सिगरेट पीते हुए रणबीर का लुक पहले ही सामने आ चुका है। सूत्रों के अनुसार, फिल्म में रणबीर 3 अलग लुक में नजर आएंगे। फिल्म में रणबीर के अलावा अनिल कपूर और बॉबी देओल भी नजर आएंगे। इसमें अनिल कपूर, रणबीर के किरदार के पिता की भूमिका निभा रहे हैं, वहीं बॉबी देओल पर्दे पर विलेन बनेंगे। फिल्म में रश्मिका मंदाना भी नजर आएंगी। फीमेल लीड के लिए पहले परिणीति चोपड़ा को साइन किया गया था, लेकिन अमर सिंह चमकीला की बोयपिक के लिए उन्होंने इसे छोड़ दिया। इसके बाद फिल्म में रश्मिका की एंट्री हुई।

इससे पहले प्रोड्यूसर भूषण बता चुके हैं कि फिल्म एक परिवार के उतार-चढ़ाव की कहानी है। यह फिल्म एक बाप-बेटे के रिश्ते पर आधारित है। इस तरह का रिश्ता पहले कभी स्क्रीन पर नहीं देखा गया। फिल्म में दिखाया जाएगा कि यह किरदार अपने पिता के लिए क्या कुछ कर सकता है। एनिमल में पहली बार रणबीर कपूर और अनिल कपूर एक साथ पर्दे पर नजर आएंगे। यह फिल्म 11 अगस्त को रिलीज होगी।

निक्की तंबोली ने पिंक साड़ी में फ्लॉन्ट किया बिंदास फिगर

ठग सुकेश चंद्रशेखर जो दिल्ली की तिहाड़ जेल में बंद है, उसके द्वारा ठगी में एक्ट्रेस निक्की तंबोली का नाम जब जुड़ा तो वो खासी चर्चा में आई थी। अपने हॉट अंदाज के लिए जानी जाने वाली निक्की तंबोली अभिनेता नवाजुद्दीन सिद्दीकी के साथ फिल्म जोगीरा सारा रा रा में नजर आने के कारण फिर चर्चा में हैं। नवाजुद्दीन जैसे मझे हुए कलाकार के साथ उनकी ये फिल्म इसी महीने रिलीज होने वाली है। इससे पहले पिंक कलर की साड़ी में निक्की तंबोली ने फोटो शूट करवाकर तहलका मचा दिया है। भाई जतिन तंबोली की कोरोना से मौत होने के बाद निक्की जबरदस्त डिप्रेशन का शिकार हो गई थी। निक्की तंबोली अपने ऐस ही कातिलाना अंदाज के लिए अपने फैंस के बीच में खूब पसंद की जाती है। महाराष्ट के औरंगाबाद के मराठी परिवार में 21 अगस्त 1996 को जन्मी निक्की तंबोली ने अपने करियर की शुरूआत बतौर मॉडल की। जब भाई की मौत हुई जब निक्की खतरों के खिलाड़ी की शूटिंग के लिए देश से बाहर गई हुई थीं। 2019 में तेलगु हॉरर कॉमेडी फिल्म चिकती गाडिलो चितकोटुडु से एक्टिंग करियार की शुरूआत करने के बाद निक्की तंबोली ने साउथ की एक्शन हॉरर फिल्म कंचना 3 और थिप्पारा मीसम समेत अन्य फिल्मों में नजर आई हैं। रियलिटी शो बिग बॉस सीजन 14 जो 2020 में आय था उसमें निक्की तंबोली ने हिस्सा लिया था। इसके अलावा खतरों के खिलाड़ी में नजर आई थी। कलर्स चैनल के शो सिर्फ तुम के अलावा निंकी कई म्युजिक एलबम में भी नजर आ चुकी हैं। निक्की का नवाजुदीन के साथ जोगीरा सारा रा का आइटम सॉग रिलीज हुआ तो एक्ट्रेस की खूब तारीफ हुई। जोगीरा सारा रारा के रिलीज का निक्की बेशर्बी से इंतजार कर रही हैं। निक्की पहले दिल किसी से', 'शांति', 'बाहरी दुनिया', 'नंबर लिख' जैसे कई म्यूजिक वीडियो में नजर आ चुकी हैं। निक्की तंबोली का ये साड़ी लुक लोगों को बहुत पसंद आया था।

सारा और विक्की कौशल की फिल्म जरा हटके जरा बचके की रिलीज डेट जारी

सारा अली खान ने अपने करियर में अक्षय कुमार से लेकर रणवीर सिंह और कार्तिक आर्यन जैसे कई अभिनेताओं के साथ काम किया है, लेकिन उन्हें कभी विक्की कौशल के साथ नहीं देखा गया। अब जल्द ही वह फिल्म जरा हटके जरा बचके में विक्की संग इश्क फरमाती दिखेंगी। कुछ ही समय पहले फिल्म के नाम का ऐलान हुआ था, जिसके बाद इसे लेकर दर्शकों की उत्सुकता बढ़ गई थी। अब फिल्म की रिलीज डेट भी सामने आ गई है। सारा और विक्की ने सोशल मीडिया पर फिल्म का टीजर प्रशंसकों के साथ साझा किया है। इसमें विक्की के साथ उनका रोमांटिक अंदाज देखने को मिल रहा है। सारा ने टीजर साझा कर लिखा, रोमांस या नौटंकी! क्या लगता है आपको? कैसी होने वाली है हमारी कहानी? जरा हटके जरा बचके का ट्रेलर 15 मई को रिलीज हो रहा है। इसी के साथ सारा ने बताया कि उनकी यह फिल्म 2 जून, 2023 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

केडी-द डेविल में रानी मचलक्ष्मी का किरदार निभाएंगी रेशमा नानैया

सैंडलवुड की अखिल भारतीय पेशकश केडी- द डेविल में लीड एक्ट्रेस को लेकर लंबे समय से चल रहे सस्पेंस को तोड़ते हुए, निर्माताओं ने आखिरकार फिल्म की प्रमुख लेडी का खुलासा किया। रेशमा नानैया को ध्रुव सरजा के साथ रानी मच्छलक्ष्मी के रूप में देखा जाएगा।

रेशमा ने केडी के विंटेज फोल्ड में एंटर किया, जिसमें उनका लुक काफी आकर्षक रहा।इससे पहले एक लव या, राणा और वामाना जैसी फिल्मों में उनके काम के लिए देखा गया है।अपने किरदार के बारे में बात करते हुए, रेशमा ने कहाः रानी मच्छलक्ष्मी के बारे में सबसे अच्छी बात उनका जीवन से बड़ा व्यक्तित्व है।

पोस्टर से पता चलता है कि वह मजबूत दिमाग वाली है, वह तेज-तर्रार है, और उसकी भूमिका निभाना वास्तव में बहुत अच्छा है। ह चुनौतीपूर्ण लेकिन रोमांचकारी था। राजकुमार ध्रुव सरजा के साथ फ्रेम साझा करना मेरे लिए बड़ी बात है। मैं बहुत उत्साहित हूं।1970 के दशक की बैंगलोर की सच्ची घटनाओं पर आधारित एक पीरियड एक्शन एंटरटेनर, केडी- द डेविल में शिल्पा शेट्टी कुंद्रा, संजय दत्त और वी. रविचंद्रन भी हैं।केवीएन प्रोडक्शंस प्रेम द्वारा निर्देशित और सुप्रिथ द्वारा निर्मित केडी-द डेविल प्रस्तुत करता है। अखिल भारतीय बहुभाषी फिल्म तमिल, कन्नड़, तेलुगु, मलयालम और हिंदी में रिलीज होने के लिए पूरी तरह तैयार है।

मैं हमेशा से एक फिल्म अभिनेत्री बनना चाहती थी : कावेरी

छोटे पर्दे की मशहूर एक्ट्रेस कावेरी प्रियम ने बताया कि कैसे वह शुरूआती दिनों में एक फिल्म एक्ट्रेस बनना चाहती थीं लेकिन उन्हें टीवी पर अच्छे अवसर मिलते रहे। कावेरी ने कहा, जब मैंने शुरूआत की तो मैं हमेशा एक फिल्म एक्टर बनना चाहती थी। लेकिन, होनी को कुछ और मंजूर था। जब मैं ऑडिशन दे रही थी, तब मेरा मकसद सिर्फ काम करना था, बस काम करो, और तभी टीवी ने मेरा बाहें फैलाकर स्वागत किया। मैं एक टेलीविजन एक्टर नहीं हूं, मैं एक ऐसी एक्टर हूं जो सभी माध्यमों में काम कर सकती हूं।

कावेरी को 'ये रिश्ते हैं प्यार के', 'जिद्दी दिल माने ना', 'दिल दियां गल्लां' जैसे शोज के लिए जाना जाता है।उन्होंने उस भूमिका के बारे में साझा किया जो वह पर्दे पर निभाने की इच्छा रखती हैं।

एक्ट्रेस ने कहा, ऐसे कई किरदार हैं, जिन्हें मैं निभाना चाहती हूं। मैं स्क्रीन पर कुछ एक्शन सीन्स करना पसंद करूंगी या एक स्पाई यूनिवर्स का हिस्सा बनना पसंद करूंगी। मैं एक हीरोइन भी बनना चाहती हूं और पर्दे पर कुछ हटकर किरदार करना चाहती हूं।

CMYK

छत्तीसगढ़ परिवहन विभाग नियम को लेकर हुआ सख्त

» अब बिना ट्रेनिंग नहीं मिलेगा ड्राइविंग लाइसेंस

» आईटीडीआर सर्टिफिकेट अनिवार्य

» रिन्यूअल को लेकर ये है नियम

रायपुर,16 मई 2023(ए)। छत्तीसगढ़ परिवहन विभाग ने अब वाहन चालकों को बिना ट्रेनिंग के लाइसेंस जारी नहीं करने का फैसला किया है। इसके लिए इंस्टीट्यूट ऑफ ड्राइविंग एंड ट्रैफिक रिसर्च से सर्टिफिकेट लेना अनिवार्य कर दिया है। इसी तरह अब हैवी व्हीकल लाइसेंसधारियों के रिन्यूअल के लिए सख्त नियम लागू किया गया है। इसके तहत वाहन चालकों को दो दिन का प्रशिक्षण प्राप्त करना जरूरी है।

प्रशिक्षण रायपुर में होगा, जहां से उन्हें सर्टिफिकेट जारी किया जाएगा, जो वाहन चालक सर्टिफिकेट लेकर नहीं आएगा, तब तक उसका लाइसेंस रिन्यू नहीं किया जाएगा। इसके साथ ही ऐसे लापरवाह वाहन चालक, जिनका लाइसेंस पुलिस ने निलंबित कराया है, उन्हें भी आईटीडीआर से प्रशिक्षण लेना पे`गा। इसके बाद ही उनका लाइसेंस दोबारा बहाल किया जाएगा। मालूम हो कि कुछ समय पहले हैवी वाहन लाइसेंस निलंबित करने वालों के लिए रायपुर में ट्रेनिंग सेंटर आईडीटीआर शुरू किया गया है।

निलंबित लाइसेंस की बहाली के लिए लाइसेंस धारी को यहां दो दिन रूककर ट्रेनिंग लेकर सर्टिफिकेट हासिल करना होगा। क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी अमित बेक ने

इस नए नियम को लेकर आदेश जारी किया है, ताकि हर किसी को इस नए नियमों की जानकारी हो सके।

बस चालकों के लिए अनिवार्य,हादसों में आएगी कमी

नए नियम के मुताबिक भारी वाहन चालकों के साथ-साथ बस चालकों को भी लाइसेंस के लिए आईटीडीआर से प्रशिक्षण लेना अनिवार्य है। चालकों को वहां से मिलने वाले सर्टिफिकेट को विभाग के सामने पेश किया जाएगा। तब वाहन चालकों के लाइसेंस की प्रक्रिया को आगे बे ाया जाएगा। रायपुर में बने आईटीडीआर सेंटर को एडवांस तकनीक से लैस किया गया है, जहां पर बेहतर गाइडेंस के साथ लोगों को ट्रेनिंग दी जा रही है। इससे हादसों में कमी आने का दावा किया जा रहा है।

तीन बिंदुओं पर जारी किए गए आदेश

* दो दिन हैवी मोटर व्हीकल ट्रेनिंग के बाद ही हैवी लाइसेंस नवीनीकरण जारी किया जाएगा।
* ट्रेनिंग फॉर बस ड्राइवर्स बिफोर कमेंसमेंट ऑफ एजुकेशनल सेशन अनुसार आईडीटीआर से ट्रेनिंग मिलने के बाद ही स्कूल बस चलाने अधिकृत किया जाएगा।
* ट्रैफिक वायोलेटर ट्रेनिंग फॉर वायोलेटर्स अनुसार से कों पर रेड लाइट जंप, शराब पीकर व खतरनाक तरीके से वाहन चलाने वाले लोगों का यातायात पुलिस से निलंबन प्रस्ताव आता है। ऐसे लोगों का प्रशिक्षण के बाद ही लाइसेंस बहाल किया जाएगा।

कुमारी सैलजा की 3 घंटे से जारी हाई लेवल मीटिंग खत्म

» बिना प्रोटोकॉल के पहुंची प्रदेश प्रभारीउ

» कुमारी शैलजा ने दिए निर्देश,

» गोपनीय रखें मुद्दे

रायपुर,16 मई 2023(ए)। करीब 3 घंटे से जारी छत्तीसगढ़ कांग्रेस प्रभारी कुमारी सैलजा की सीएम हाउस में जारी हाई लेवल मीटिंग अब खत्म हो गई है। हालांकि अभी तक यह स्पष्ट नहीं है कि बैठक का मकसद क्या था? हालांकि ये चर्चाएं जरूर है कि बैठक में कुछ बड़ा होने वाला है। वहीं कांग्रेस नेताओं ने भी इस मामले में चुप्पी साध रखी है।

बता दें कि इस बैठक से सबसे पहले गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू बाहर निकले। जब मीडिया ने उनसे सवाल किया तो उन्होंने साफतौर पर कहा कि बैठक के मुद्दों को गोपनीय रखने के निर्देश दिए गए हैं। वहीं बैठक के खत्म होने के बाद सभी मीडियाकर्मी टीएस सिंहदेव के बंगले पहुंचे हैं।

मंत्री टीएस सिंहदेव ने मीडिया को बताया कि विधानसभा चुनाव नजदीक है। चुनावी तैयारियों को लेकर चर्चा की गई। इसके अलावा कई महत्वपूर्ण निर्देश दिए गए। प्रदेश में लगातार जारी ईडी की कार्रवाई को लेकर भी इस मीटिंग में चर्चा हुई।

पूर्व मुख्यमंत्री के आरोप को मुख्यमंत्री बघेल ने बताया बेबुनियाद और मनगढ़ंत

» भाजपा के कार्यकाल में हुआ था करोड़ों का चावल घोटाला

रायपुर,16 मई 2023(ए)। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह के चावल घोटाले के आरोप पर पलटवार किया। उन्होंने कहा, अब रमन सिंह और भाजपा के पास षड़यंत्र करने के अलावा कोई काम नहीं बचा है। वहीं खुद रमन 2004 से 2015 तक नान घोटाला करते रहे।

हर साल चुनाव में लाखों लोगों के राशन कार्ड रद्द होते थे। रमन सिंह बताएं कि जब आपने खुद राशन कार्ड काटा है, तो आपने वसूली की क्या कार्रवाई की। राजधानी में पत्रकारों से चर्चा करते हुए सीएम ने कहा, 2013 से 2015 के बीच बलौदाबाजार में एक हजार करोड़ का धान घोटाला हुआ। रमन सिंह के गृह जिला कवर्धा में 2 हजार टन धान चोरी हो गया। इसमें लीपापोती हो गई। हम पर आरोप लगा रहे हैं, वो बेबुनियाद और मनगढ़ंत है।

भाजपा के पास षड़यंत्र करने के अलावा कोई काम नहीं

सीएम ने कहा, केंद्र सरकार से 38 लाख नहीं, बल्कि 28 लाख 10 हजार मीट्रिक टन चावल प्राप्त हुआ। उसमें से 27.61 लाख मीट्रिक टन का उठाव हुआ। जबकि आरोप लगाया कि 15 लाख मीट्रिक टन चावल नहीं बांटा गया। जबकि राज्य सरकार ने स्वयं सत्यापन का काम शुरू किया। इसमें करीब 65 हजार मीट्रिक टन कम पाया गया। शासन ने तत्काल वसूली करने का आदेश दिया। इसमें से 15 हजार टन चावल की वसूली की जा चुकी है। 208 दुकानों को निरस्त भी कर दिया।

रमन ने यह आरोप लगाए थे

पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह ने आरोप लगाते हुए कहा था कि कोविड काल के दौरान शुरू की गई पीएम कल्याण योजना के तहत पूरा गोलमाल किया गया। उन्होंने कहा था कि केंद्र से जो चावल आता है, उसमें 60 हजार मीट्रिक टन की गड़बड़ी की गई है। यह आरोप लगाते हुए रमन सिंह ने केंद्र सरकार को मामले की जांच के लिए पत्र लिखा था।

मीटिंग छूटने का खौफ,हड़बड़ाते हुए होटल पहुंचे मंत्री जयसिंह

» कांग्रेस की छत्तीसगढ़ प्रभारी कुमारी सेलजा की आमद से हड़बड़ाए दिग्गज नेता

» हाई लेवल मीटिंग छूटने का दिखा इतना खौफ की भरी गर्मी में कोरबा से महज 4 घंटे में होटल मेरियट पहुंचे मंत्री जयसिंह ,

» उनके बॉडी लेंग्वेज से दिखा सेलजा का खौफ

कांग्रेस की छत्तीसगढ़ प्रभारी कुमारी सेलजा की अचानक रायपुर आमद से पूरी प्रदेश कांग्रेस हड़बड़ाइ हुई है। दिग्गजों को कानों कान खबर नहीं लगने दी गई और प्रभारी सेलजा रायपुर लैंड कर दिन। उनको एयरपोर्ट में लेने भी सिर्फ पीसीसी चीफ मोहन मरकाम और आबकारी मंत्री कवासी लखमा भी आपाधापी में पहुंचे दिख रहे था। चौंकाने वाली बात यह कि बिना सूचना कुमारी सेलजा को लेने यही दो आदिवासी नेता कैसे समय पर पहुंचे इसकी

भी कांग्रेस गलियारे में चर्चा है। सबसे ज्यादा स्पष्ट खौफ एक और मंत्री के चेहरे से अंदाज़ा लगाया जा सकता है। राजस्व मंत्री जयसिंह अग्रवाल कोरबा में थे। छत्तीसगढ़ प्रभारी कुमारी सेलजा ने आते ही हाई लेवल मीटिंग शुरू कर दीं। ऐसे में चुनिंदा मंत्रियों और स्पीकर ही इसमें शामिल हुए थे। अति गोपनीय बैठक से कई अन्य वरिष्ठ पार्टी लीडर्स और मंत्रियों की गैर मौजूदगी भी चर्चा का विषय है।

ऐसे में सख्त मिजाज कुमारी सेलजा की मीटिंग छूटने और उनके सामने समय पर नहीं पहुँच पाने का खौफ भी कोंग्रेसी मंत्रियों में दिखाई दिया। मंत्री जयसिंह तो कोरबा से 11 बजे निकले और सीधे 4 घंटे में पूरी रफ़्तार से ड्राइव करते हुए होटल कोटियाड पहुंच गए। तेजी से वो गाड़ी से उतरे और कुमारी सेलजा से मिलने के लिए हड़बड़ाते हुए दिखे। जब उनसे मिडिया ने बात करना चाहा तो सिर्फ मैडम से मिलने वाली बात में हामी भरते हुए तेज चाल से रवाना हो गए। भूपेश सर्कार के केबिनेट मंत्री जयसिंह का बॉडी लेंग्वेज ही सब बयान कर रहा था। बता दें कि खाद्य मंत्री अमरजीत भी बैठक में क्या मैडम सेलजा से मिलने भी नहीं पहुँच पाए थे। जबकि कृषि मंत्री रविंद्र चौबे अस्वस्थ्य होने के चलते सेलजा की मिटिंग अटेंड नहीं किये।

सेलजा का यूं बिना बताए आना बेवजह नहीं

कांग्रेस की छत्तीसगढ़ प्रभारी कुमारी सैलजा के अचानक रायपुर आने पर बीजेपी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डा.रमन बोले- प्रदेश में हलचल है, प्रदेश प्रभारी आते हैं तो कुछ ना कुछ बड़ा और महत्वपूर्ण तो होता ही है,

रायपुर। छत्तीसगढ़ कांग्रेस की प्रदेश प्रभारी कुमारी शैलजा मंगलवार को अचानक राजधानी रायपुर आई। बताया जा रहा है कि उनके आने की सूचना प्रदेश कांग्रेस कमेटी को भी नहीं थी। न ही दौरे को लेकर प्रोटोकॉल ही जारी हुआ था। सबसे खास बात यह है कि

कुमारी शैलजा के यहां पहुंचते ही उनसे मिलने मंत्री शिव डहरिया पहुंच गए। हालांकि उन्हें एयरपोर्ट रिसीव करने के लिए पीसीसी चीफ और आबकारी मंत्री पहुंचे था।कुमारी सैलजा के अचानक इस दौरे को लेकर जहां कांग्रेसी खामोश हैं, वहीं पूर्व मुख्यमंत्री और बीजेपी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डा. रमन सिंह ने प्रदेश में हो रही इस हलचल को महत्वपूर्ण करार दिया है। डा. रमन ने कहा है कि, प्रदेश प्रभारी आते हैं तो कुछ ना कुछ विषय को लेकर आते हैं। वैसे भी प्रदेश में हलचल हो रही है, एक महत्वपूर्ण विषय वो भी है।

घोटाला प्रूफ हुआ है, अब कांग्रेस पार्टी को तय करना है

छत्तीसगढ़ में करप्शन रोज-रोज उजागर हो रहे हैं। दो हजार करोड़ का शराब घोटाला प्रूफ हो गया है। नयायालय में प्रस्तुत हो गया है। सरकार के संरक्षण में सिंडीकेट ने 30 फीसदी अवैध शराब बेची। अब इससे बड़े प्रमाण की जरूरत नहीं है। डा. रमन बोले कि, अब उनके केंद्रीय नेतृत्व को फैसला लेना है कि, ऐसे व्यक्ति को पद पर बने रहने का अधिकार है या नहीं। कांग्रेस पार्टी द्वारा भाजपा सरकार के दौरान 4,400 करोड के शराब घोटाले के आरोप पर रमन सिंह ने कहा- इससे बड़ा मजाक नहीं हो सकता। इससे बड़ा जोक नहीं हो सकता। आप मुख्यमंत्री हो..साढ़े 4 साल से पद पर बैठे हो, मुख्यमंत्री के सारे अधिकार हैं।

सीजीबीएसई एग्जाम में फेल हुए छात्रों के लिए बड़ी खुशखबरी

» बदल सकते है अपना रिजल्ट,

» मिलेंगे चार मौके

रायपुर ,16 मई 2023(ए)। छत्तीसगढ़ बोर्ड का परिणाम हाल ही में जारी किया गया हैं। जिसमे कई छात्रों के सपनों को चार चांद लगे तो वहीं कइयों के सपने चकनाचूर भी हुए हैं। जिनके सपने टूटे उनके पास एक नहीं, दो नहीं बल्कि पास होने के लिए 4-4 मौके हैं। ऐसे में माध्यमिक शिक्षा मंडल फेल हुए छात्रों को खुश होने का सुनहरा मौका दे रहा हैं। फेल हुए छात्र फिर से परीक्षा देकर रिज़ल्ट को अपनी मेहनत के बल से बदल सकते हैं।

बोर्ड परीक्षा में फेल हुए विद्यार्थी हताश ना हो। परीक्षा में फेल विद्यार्थियों को पास होने का अवसर दे रहा हैं। अवसर परीक्षा के माध्यम से छात्रों को 4 मौका मिलेगा। छात्र इन मौकों का फायदा उठाकर पास हो सकते हैं।

माध्यमिक शिक्षा मंडल के अधिकारी वी के गोयल ने बताया कि, जैसे दो विषय में फेल विद्यार्थियों को पूरक परीक्षा में पास होने के लिए होता हैं। वैसे फेल विद्यार्थियों के लिए अवसर परीक्षा हैं। चार बार पास होने के लिए मौक़ा दिया जाता हैं। दरअसल, इस वर्ष कक्षा 12वीं में 3,23,625 विद्यार्थियों ने परीक्षा दी थी। जिसमें 20 प्रतिशत विद्यार्थी फ़ेल हुए थे। वहीं, कक्षा दसवीं में 3,30,681 विद्यार्थियों ने परीक्षा दी थी। जिसमें 25त्न विद्यार्थी फ़ेल हुए हैं।

भाजपा सरकार में हुआ 44 सौ करोड़ का शराब घोटाला

रायपुर,16 मई 2023(ए)। छत्तीसगढ़ में ईडी द्वारा 2000 करोड़ के शराब घोटाले के खुलासे के बाद अब कांग्रेस ने पूर्ववर्ती रमन सरकार पर 4400 करोड़ के शराब घोटाले का आरोप लगाया है। कांग्रेस संचार विभाग प्रमुख सुशील आनंद शुक्ला, प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर और महामंत्री रवि घोष ने सोमवार को राजीव भवन में एक प्रेस कॉन्फ्रें स कर आरोप लगाया कि देश का सबसे बड़ा संगठित आबकारी घोटाला रमन सरकार के समय हुआ था।

भ्रष्टाचार का बड़ा आरोप

ठेकदारों से मिलीभगत कर 4400 करोड़ का भ्रष्टाचार किया गया। उन्होने आरोप लगाया कि ठेकेदारों को फायदा पहुंचाने के लिए नियमों में बदलाव किए गए। शराब लाइसेंस की शर्तों को भी बदला गया वहीं ओएसडी समुन्द राम सिंह को रमन सरकार ने नियमों के खिलाफ जाकर लंबे समय तक नियुक्त रखा गया। कांग्रेस ने अपनी पत्रकारवार्ता में बताया कि प्रदेश में साल 2012 से 2017 के बीच शासन के उच्चस्तरीय संरक्षण में शराब कारोबारियों को फायदा पहुंचाने और करोड़ों की कमीशनखोरी किए जाने से बिना मापदण्डों का पालन किए उनके उत्पाद को आईएमएफएल यानि इंडियन मेड फारेन लिकर की केटेगरी में शामिल करते हुए शराब की बिग्री में ठेकेदारों को ज्यादा मुनाफा दिया गया और ऊंची दरों पर शराब बेचते हुए कई सौ करोड़ रूपए की कमीशनखोरी कर भ्रष्टाचार को अंजाम दिया गया।

तत्कालीन सरकार अपने खास अफसरों पर मेहरबान

भाजपा की तत्कालीन सरकार ने इस महाघोटाले को अंजाम देने के लिये रमन सिंह ने अपने खास अधिकारी समुन्द राम सिंह को रिटार्यमेंट के बाद नियमों के खिलाफ जाते हुये 9 साल लगातार सेवा वृद्धि देते हुये आबकारी विभाग में ओएसडी के पद पर कार्यरत रखा। शासन के इशारे पर उक्त अधिकारी ने इस हजारो करोड़ के आबकारी घोटाले को अंजाम दिया। संविदा पर पदस्थ अधिकारी को नियमानुसार वित्तीय अधिकार नहीं होते पर तत्कालीन सरकार के संरक्षण में उक्त अधिकारी ने नियमों की अवहेलना करते हुये वित्तीय अधिकारों का दुरूपयोग करते हुये आबकारी नीति बनाते हुये इस महाघोटाले में सरकार का साथ दिया।

छत्तीसगढ़ की बेटियों की शादी में सरकार करेगी 50 हजार का खर्च

» साथ ही खाते में डालेगी 21 हजार और देगी 15 हजार का उपहार

रायपुर,16 मई 2023(ए)। छत्तीसगढ़ में गरीब परिवारों की बेटियों की शादी अब पूरे सम्मान के साथ होगी। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की पहल पर मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना की राशि अब बढ़ाकर 50 हजार रूपए कर दी गई है। विवाह के अवसर पर प्रत्येक कन्या को 21 हजार रूपए की राशि बैंक खाते या बैंक ड्रॉफ्ट के रूप में दी जाएगी। इसके अलावा 15 हजार रूपए की राशि के उपहार भी दिए जाएंगे। चालू वित्तीय वर्ष में प्रथम छमाही में तीन हजार कन्याओं और वार्षिक आधार पर 07 हजार 500 कन्याओं के विवाह का लक्ष्य निर्धारित किया है, इससे कई निर्धन परिवारों का अपनी बेटियों के सम्मानजनक रूप से विवाह का सपना पूरा हो सकेगा।

मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना में प्रत्येक कन्या को विवाह आयोजन व्यवस्था और परिवहन पर प्रति कन्या 8 हजार रूपए, इसके साथ विवाह के मौके पर वर-वधु के कपड़े, श्रृंगार सामग्री इत्यादि पर 6 हजार रूपए खर्च किए जाएंगे। इसके साथ ही विवाहित जोड़े को 15 हजार रूपए की उपहार सामग्री भी भेंट की जाएगी। गौरतलब है कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने बेटियों के विवाह के लिए सहायता राशि में दो बार वृद्धि की है। श्री बघेल ने वर्ष 2019 में योजना के तहत सहायता राशि को 15 हजार रूपए से बढ़ाकर 25 हजार रूपए कर दिया था। अब 2023-24 के बजट में यह राशि बढ़ाकर 50 हजार रूपए कर दी गई है। वर्ष 2019 की तुलना में निर्धारित बजट राशि भी दोगुनी करते हुए 38 करोड़ रूपए कर दी गई है।

योजना तहत देय लाभ

योजनान्तर्गत गरीबी रेखा से नीचे जीवन-यापन करने वाले परिवार और मुख्यमंत्री खाद्यान्न योजना अंतर्गत कार्डधारी परिवार की 18 वर्ष से अधिक आयु की अधिकतम दो कन्याओं को आर्थिक सहायता दी जाती है। योजनांतर्गत विधवा, अनाथ, निराश्रित कन्याओं को भी शामिल किया जाता है। योजना का लाभ लेने के लिए जिला महिला एवं बाल विकास अधिकारी/जिला कार्यक्रम अधिकारी कार्यालय में संपर्क किया जा सकता है। विकास खंड स्तर पर बाल विकास परियोजना अधिकारी या एकीकृत बाल विकास अधिकारी से संपर्क कर सकते हैं। योजना के संबंध में अपने क्षेत्र के आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं से भी जानकारी ली सकती है।

हाई कोर्ट ने स्मार्ट सिटी कंपनियों के खिलाफ दायर जनहित याचिका कर दी खारिज

बिलासपुर ,16 मई 2023(ए)। बिलासपुर के अधिवक्ता विनय दुबे ने अधिवक्ता सुदीप श्रीवास्तव के माध्यम से हाईकोर्ट में एक जनहित याचिका दायर की थी, जिसमें कहा गया था कि संविधान और नगर निगम अधिनियम का उल्लंघन करते हुए रायपुर और बिलासपुर की स्मार्ट सिटी कंपनियों को अत्यधिक अधिकार दे दिए गए हैं, जिसमें नगर निगम में निर्वाचित महापौर और जनप्रतिनिधियों के अधिकारों का हनन हुआ है।

कंपनी के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर में निर्वाचित प्रतिनिधियों को शामिल नहीं किया गया है जबकि स्मार्ट सिटी कंपनियां वही कार्य कर रही है जो नगर निगम के अधिकार क्षेत्र में है। हाईकोर्ट में बीते 3 और 4 मई को इस एक ही मामले की लगातार दो दिन सुनवाई हुई जिसमें केंद्र और राज्य सरकार के नगरीय प्रशासन विभाग ने अपना पक्ष रखा था। सभी पक्षों की बहस पूरी होने के बाद चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा की डिवीजन बेंच ने यह याचिका खारिज कर दी।

अनवर ढेबर को सुप्रीम कोर्ट से भी नहीं मिल सकी राहत

आज नहीं अब 29 मई को होगी सुनवाई

रायपुर,16 मई 2023(ए)। छत्तीसगढ़ में कथित दो हजार करोड़ के शराब घोटाला व मनी लाड्रिंग केस में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की गिरफ्त में आए होटल कारोबारी अनवर ढेबर को आज सुप्रीम कोर्ट से भी राहत नहीं मिल सकी।

बता दें कि ईडी द्वारा गिरफ्तार किए गए अनवर ढेबर की ओर से सुप्रीम कोर्ट में भी एक याचिका लगाई गई थी। जिसकी सुनवाई आज 16 मई को होनी थी। मगर अब सुनवाई की तारीख आगे बढ़ गई है। सुप्रीम कोर्ट में अनवर ढेबर की याचिका पर अब 29 मई को सुनवाई की जाएगी।

इधर कोर्ट ने अनवर ढेबर 19 मई तक ईडी की रिमांड पर भेजा है। बता दें कि ईडी ने सोमवार को दावा किया है कि अनवर ढेबर के पास से नया रायपुर में 53 एकड़ भूमि मिली है। इसकी कीमत 21 करोड़ रुपये आंकी है। इसी के साथ ही ईडी ने आबकारी विभाग के अधिकारी अरूणपति त्रिपाठी, नितेश पुरोहित और त्रिलोक सिंह ढिल्लन को भी गिरफ्तार किया है। ये भी 19 मई तक ईटी की रमांड पर रहेंगे।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफ्सेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No. CHHHIN/2004/15050,मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)